गौरवशाली परम्परा का 107वां वर्ष

आज

आज मात्र 4.00 रुपया

website :- www.ajhindidaily.com | यहां भी पढ़ें :-निःशुल्क ई पेपर सब्सक्राइब | For e-Paper :- www.ajhindidaily.com

बरेली, सोमवार 9 नवम्बर 2026 | उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड तथा उत्तराखण्ड से प्रकाशित | महानगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 4 रुपया

शुभकामना

दीपावली के शुभ अवसर पर सुधी पाठकों, विज्ञापन दाताओं, शुभेच्छुओं, समाचार पत्र अभिकर्ताओं बंधुओं को 'आज' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

व्यवस्थापक

अवकाश की सूचना

दीपावली के शुभ अवसर पर आज कार्यालय में 9 नवम्बर को अवकाश रहेगा। अतः समाचार-पत्र का अगला अंक 11 नवम्बर (बुधवार) को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक



आडवाणी 99 वर्ष के हुएए पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी जन्मदिन की बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को उनके 99वें जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आडवाणी जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। उनके साथ बिताए अनेक पल और यादें उनके मन में उमड़ रही हैं। मोदी ने कहा कि उन्हें लंबे समय तक आडवाणी का स्नेहए मार्गदर्शन और सान्निध्य मिलता रहा है। और वे उनके लिए अभिभावक समान बन गए। भाजपा को देशभर में मजबूत बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अमूल्य है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भाजपा का शिल्पकार और सिद्धांतनिष्ठ राजनेता बताते हुए कहा कि एक साधारण परिवार से निकलकर उपप्रधानमंत्री तक का उनका सफर जनसेवा और राष्ट्र प्रथम की भावना का उदाहरण है। तीनों नेताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

बस्तर में जवानों के साथ पीएम मोदी ने मनाई दीपावली, नक्सलवाद पर जीत को बताया ऐतिहासिक

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में तैनात सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान उन्होंने जवानों को अपना परिवार बताते हुए देश की सुरक्षा के लिए उनके त्यागए समर्पण और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 की दीपावली ऐतिहासिक हैए क्योंकि देश ने नक्सलवाद और माओवादी आतंक के खिलाफ दशकों लंबी लड़ाई में जीत हासिल की है। अब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दीपावली पर लोग अपने परिवार के साथ खुशियां मनाने के लिए घर लौटते हैंए लेकिन वह जवानों के बीच त्योहार मनाने पहुंचे हैंए क्योंकि देश की रक्षा में तैनात सभी सैनिक उनके परिवार का हिस्सा हैं। कारगिल से लेपचा और सर क्रीक से लेकर समुद्र में तैनात आईएनएस विक्रांत तक जवानों के साथ मनाई गई दीपावली उनके लिए हमेशा यादगार रही है। इस बार बस्तर के जंगलों में जवानों के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि बस्तर की धरती कभी नक्सली आतंक से प्रभावित थीए लेकिन सुरक्षा बलों के त्याग और साहस से यहां नक्सलवाद समाप्त हुआ है और विकास की नई शुरुआत हुई है। यह असाधारण उपलब्धि लाखों जवानों और सुरक्षाकर्मियों के समर्पण का परिणाम है। वह 140 करोड़ देशवासियों की ओर से सुरक्षा बलों का आभार व्यक्त करने और उनके बलिदान को सम्मान देने यहां आए हैं। मोदी ने कहा कि एक समय देश के करीब 20 राज्यों के 230 से अधिक जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे। इन क्षेत्रों में भय और हिंसा का माहौल था। शाम होते ही जनजीवन ठहर जाता था और नक्सलियों ने लोगों से मतदान का अधिकार तक छीन लिया था। सुरक्षा बलों ने कठिन परिस्थितियों में लगातार संघर्ष कर आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने सीआरपीएफए कोबराए बीएसएफए आईटीबीपीए एसएसबीए आईआरबी और राज्य पुलिस के जवानों के योगदान की सराहना की। उन्होंने बस्तर फाइटर्स के कमांडो और महिला सुरक्षाकर्मियों के साहस एवं सेवा भावना की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों का राष्ट्र हमेशा ऋणी रहेगा।



प्रधानमंत्री ने जवानों के परिवारों के योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों का त्याग केवल उनका व्यक्तिगत त्याग नहीं हैए बल्कि उनके परिवार भी इस जिम्मेदारी में बराबर के भागीदार हैं। जवानों के समर्पण के कारण ही देशवासी सुरक्षित माहौल में त्योहार मना पाते हैं।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने देशवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं



नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दीपावली के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में दीपावली को बुराई पर अच्छाई की विजय और रामराज्य के शुभारंभ का प्रतीक बताया। उन्होंने सभी के जीवन में सुख.समृद्धिए स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। साथ ही पर्यावरण संरक्षणए सामाजिक समरसता और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया। वहींए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने दीपावली को अंधकार पर प्रकाशए बुराई पर अच्छाई और झूठ पर सच्चाई की जीत का पर्व बताया। उन्होंने कामना की कि यह त्योहार सभी के जीवन में सुखए शांति और समृद्धि लाए तथा एकता और सद्भाव के बंधन को मजबूत करे।

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
HOTEL NIRMAL & RESTAURANT
एयर कन्डीशन हॉल (25 से 50 व्यक्तियों के लिए एयर कन्डीशन रेस्टोरेन्ट, एयर कन्डीशन शयनकक्ष, डीलक्स कक्ष, साधारण कक्ष, ओपन एयर रेस्टोरेन्ट, किटी पार्टी एवं मैजिक पार्टी के लिए विशेष प्रबंध
Ph. NO. : 05882 256487, 254201 M.D. अनिल अग्रवाल
छतरी चौराहा, पीलीभीत

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
बीसलपुर मिष्ठान भण्डार
शुद्ध देशी घी से निर्मित उच्च क्वालिटी की मिठाईयां एवं स्वाद नमकीन
शहर की कन्फैक्शनरियों पर भी उपलब्ध
काजू, बर्फी, रोल, पापड़ी, व स्वाद नमकीन
पारस गुप्ता – 8979742216
चौक बाजार, पीलीभीत

संतोष फ्लोर मिल्स प्रा.लि.
Founder:- Lt. Shri Radhey Shyam Agarwal
बीसलपुर रोड, पीलीभीत।
सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
स्पेशल आटा, स्पेशल मैदा, सूजी, चोकर के निर्माता
अशोक अग्रवाल मो. 9837572155
प्रदीप अग्रवाल मो. 9837572156
मनोज अग्रवाल मो. 9837074765
अरूण अग्रवाल मो. 9837572168

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
तम्बाकू में हानिकारक जहरीली वस्तुएँ बहुत सी हैं। उनमें टार और निकोटीन ये दो प्रमुख हैं। इससे फेफडों की सड़नए कैन्सरए हार्ट अटैक आदि बीमारी होती है।
जागो ग्राहक जागो
डॉ. बी. सी. पंत
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
पीलीभीत

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
अनिकेत गंगवार
सीएचसी अधीक्षक,
अमरिया, पीलीभीत

धनतेरस दीपावली एवं भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
बीसलपुर वाले लाला जगदीश शरन जी का नया प्रतिष्ठान
पार्थ स्वीट्स
शुद्ध देशी घी से निर्मित मिठाईयां एवं नमकीन
प्रो. संजय कुमार गुप्ता
स्टेशन रोड, पीलीभीत

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. एन बलियान
सीएमएस
(सीतापुर आई हॉस्पिटल)
पीलीभीत

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. चरित बोरा एवं डा. रुचिता गुप्ता बोरा अब अपने निजी अस्पताल में प्रतिदिन उपलब्ध
पीलीभीत न्यूरोकेयर एण्ड सर्जिकल हॉस्पिटल
मो.8273016555,9258906861
जिले मे एक मात्र एमसीएच न्यूरोसर्जन (एक्स कोची)
डा. चरित बोरा न्यूरोसर्जन
MBBS.MS.MCH(Naurosugery)
(एक्स कोची)
दिमाग रीढ़ व नसों को विशेषज्ञ
पूर्व सीनियर रेजिडेंट लोक नायक जय प्रकाश हॉस्पिटल
मौलाना आजाद मेडिकल कालेज, नई दिल्ली
जिले की पहली और एक मात्र महिला जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा.रुचिता गुप्ता बोरा
जनरल एवं लैपरोस्कोपिक सर्जन
MBBS.MS
(General & Laparoscopic Surgery
पूर्व कन्सल्टेन्ट जे.पी. हॉस्पिटल, (नोएडा)
एक्स असिस्टेन्ट प्रोफेसर, (एम्स कोची)
डा.एस.एस. बोरा (MBBS DMRE)
डा.अंकित अग्रवाल (MBBS, DMRE) ANAESTHESIA
डा.चंदन भटनागर (BDS, IMPLANTOLOGIST)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ (ORTHOPEDIC SURGEON)
आई.सी.यू. एवं वेन्टीलेटर की सेवाएं उपलब्ध दुर्घटना में घायल मरीजों का सफल इलाज। आपातकालीन सेवाएं
पता-गौहनिया चौराहा निकट रेलवे क्रासिंग मायोटाण्डा रोड, पीलीभीत

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. एस.पी. सिंह
सी.एच.सी.
न्यूरिया पीलीभीत

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
सुशील वर्मा
यू.पी. एस.एस.
पीलीभीत

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
सर्वोदय हॉस्पिटल
फोनः- 8218556822, 9927780541, 7976137195
निकट KGN-Ist, गेट नकटादाना चौराहा पीलीभीत
डा0 ओशीन बोनाल
M.B.B.S., MS (OBS & GYN)
IVF Specialist &
Leproscopic Surgeon
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा0 मनाजिर इक़बाल
M.B.B.S., MD
D.M. इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
महीने के पहले व तीसरे रविवार को 11 बजे से 3 बजे तक
डा0 आदित्य शील
M.S. (Ayu)
क्षार सूत्र विधि द्वारा भगन्दर बवासीर फिशर का सफल इलाज
डा0 शशांक मोहन
M.B.B.S., D-(Ortho)
प्रत्येक रविवार एवं बृहस्पतिवार

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
सतीश नर्सिंग होम
डा. सतीश चन्द्र गंगवार
MBBS,MD (Medicine),
DM (Neurology)
SGPGL,Lucknow
मस्तिष्क रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
डा. नीलम सिंह
MBBS,MS
Gynaecologist
Ex,Senior Resident, KGMC,Lucknow
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
सिर दर्द, दौरा, फालिस लकवा, पार्किनसन्स रोग, बेहोशी
मस्तिष्क ज्वर, मेनिमजाइटिस, चक्कर आना, हाथ पैरों में सुन्नपन, ब्रेन हेमरेज
पीठ दर्द, हाथ पैर में कम्पन, सियाटिका, याददाश्त कम होना
महिलाओं की सभी प्रकार की गम्भीर बीमारियों का इलाज
डिलवरी साधारण या ऑपरेशन द्वारा बगैर टांके निशान का ऑपरेशन
निःसंतान दम्पत्तियों का इलाज
निकट छतरी चौराहा बाईपास रोड-पीलीभीत मो.9410030410,9058672600

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
विजय पाल वर्मा
मुख्य प्रबन्धक
शराब व्यवसाय
नवनीत सक्सेना
अशोक कालोनी, पीलीभीत

संजीवनी हॉस्पिटल एवं मैटरनिटी होम
निकट नौगवां चौराहा, पीलीभीत फोनः 92119415140
डा. पी.एन. सक्सेना
(हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ)
1-सभी प्रकार की टूटी हड्डियों का प्लास्टर व नवीनतम विधि (C-Arm) द्वारा आपरेशन
2- जन्म से टेढ़े (गुहनिया) प्लास्टर से इलाज।
3-इलिजारोव विधि द्वारा मवाद के कारण न जुड़ने वाली हड्डियों का सफल इलाज।
4-कल्हे के समस्त ऑपरेशन जैसे कूल्हे का गुल्ला बदलना, (DHS, DCS)
5-जोड़ों का पुराने दर्द देगने वाला दर्ज,(सियाटिका) डिस्क प्रोलप्स व गठिया आदि का सफल इलाज।
6-टूटी हुई हड्डियों का छोटे से चीरे के द्वारा इन्टरलटक नेलिंग द्वारा इलाज।
डा.ममता सक्सेना
(स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)
1-गर्भवती महिलाओं का सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण (ANC Checkup) टीकाकरण व परामर्श।
2-नॉर्मल एवं सीजेरियन ऑपरेशन द्वारा प्रसव।
3-खॉझपन का विशेष इलाज।
4-जच्चा बच्चा रोग एम.टी.पी. आदि का सफल इलाज।
5-बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन (हिस्ट्रक्टमी)
6-डिम्पा इन्जेक्शन कॉपर टी परिवार नियोजन परामर्श एवं इलाज।
भर्ती की सुविधा X-RAY अल्ट्रासाउंड 24 घंटे आकस्मिक सेवा
इमरजैंसी हेल्पलाइनः 9219415140

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
कपिल देव
पीसीएफ
अधिकारी,पीलीभीत

राइस मिलर्स एसोसिएशन पीलीभीत
राइस मिलर्स एसोसिएशन सदस्यगण
मै. अंकुर इण्डस्ट्रीज
मै. गणेश इण्डस्ट्रीज
मै. हनुमान राइस एण्ड जनरल मिल
मै. गोपाल राइस एण्ड जनरल मिल
मै. राजेश ट्रेडिंग कम्पनी
मै. श्री राधे इण्डस्ट्रीज
मै. महालक्ष्मी इण्डस्ट्रीज
श्रीजी राइस इण्डस्ट्रीज
नवीन राइस इण्डस्ट्रीज
सिंघल राइस मिल
मै. अशोका इण्डस्ट्रीज
भारत ट्रेडिंग कम्पनी
श्री साईनाथ राइस इण्डस्ट्रीज
लक्ष्मी नारायण-रमेश कुमार
सालासर इण्डस्ट्रीज
ओम राइस मिल
मै. अनुपम राइस एण्ड जनरल मिल
मै. कुमार एलाइड फूड प्रोडक्ट
मै. मार्डन राइस इण्डस्ट्रीज
मै. सरस्वती इण्डस्ट्रीज
नारायण पैडी प्रोडक्ट
नीलकण्ड इण्डस्ट्रीज
शिवरति इण्डस्ट्रीज
गायत्री इण्डस्ट्रीज

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
कैलाश कुंज
इस दीपावली के शुभ अवसर पर पाए लेआउट पास कॉलोनी में प्लॉट लेने का सुनहरा अवसर प्लॉट खरीदने हेतु संपर्क करे
9548793584,9412495897
पता - कैलाश कुंज कॉलोनी बनकटी रोड, पुष्प कॉलेज के पीछे पीलीभीत

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
पीसीयू अधिकारी
पीलीभीत

सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
आज कार्यालय
पीलीभीत



दीपोत्सव की धूम :जगमग हुआ शहर

बरेली(आज समाचार सेवा) । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के वापस आगमन की खुशी एवं उनके स्वागत के उपलक्ष में दीपों का पर्व दीपावली आज बहुत ही धूम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर रंग बिरंगी विद्युत झालरों की रोशनी से समूची नाथनगरी सराबोर दिखी। लोगों ने मिट्टी का दीप जलाकर प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश और धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना कर उनकी आरती उतारी तथा धन वैभव और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। पूजा अर्चना के उपरांत आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा।दीपों का पर्व दीपावली आज पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ धूम धाम से मनाई गई। पूजन सामग्री फल फूल मिष्ठान आदि की खरीदारी को पूरे दिन बाजारों में रौनक रही। लोगों ने कपड़े झालर मिठाई आदि की जमकर खरीदारी की। पटाखों की दुकानें आधी रात तक खुली रहीं। ड्राई फ्रूट गिफ्ट पैक आदि की भी बिक्री हुई। दीपावली पर खील बताशे चीनी के खिलौने दिए आदि की भी जमकर बिक्री हुई। लोगों ने घरों में साफ सफाई कर भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। उनकी आरती उतारी तथा धन वैभव और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी दीपावली के पावन पर्व पर पूजा अर्चना की गई लोगों ने झालर आदि लगाकर तथा रंग-बिरंगे फूलों से अपने प्रतिष्ठानों को सजाया था। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर आज मंदिरों में भी फूलों आदि से आकर्षक सजावट की गई थी। प्रात: से ही लोगों के आने का सिलसिला भक्तों ने मंदिरों में पूजा अर्चना की। मंदिरों में दिन भर जयकारे गूंजते रहे। यातायात व्यवस्था चाक चौबंद रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने भी आज कमर कस ली थी। शहर को कई भागों में डिवाइड कर चौपहिया वाहनों का प्रवेश शहर में वर्जित किया गया था केवल दोपहिया वाहन से ही लोग शहर में आ जा सके यही वजह रही की दीपावली पर भारी भीड़ के बावजूद भी कहीं जाम की स्थिति नहीं दिखाई दी । आज चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती कर हर स्थिति पर कड़ी निगहबानी की जा रही थी खास तौर से ऑटो टेंपो एवं छोटा हाथी आदि वाहनों को रोका गया था लोगों ने बाजारों में आराम से घूमकर खरीदारी की गौरतलब है कि दिवाली हिंदू धर्म के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है, लोग सालभर इस पर्व का इंतजार करते हैं और इस त्योहार को खूब उमंग और उत्साह के साथ मनाते हैं। आज भी दिवाली का ऐसा ही जश्न देखने को मिला। इसके साथ ही त्योहार की बधाइयों का सिलसिला भी पूरे दिन चलता रहा। लोग इस त्योहार की तैयारी हफ्तों पहले से ही शुरू कर देते हैं। वे अपने घरों को साफ करते हैं, उन्हें रोशनी और रंगोलियों से सजाते हैं और नए कपड़े खरीदते हैं। दिवाली की रात, लोग अपने घरों और कार्यालयों के चारों ओर दीये और मोमबत्तियाँ जलाते हैं। वे धन और सौभाग्य का आशीर्वाद पाने के लिए लक्ष्मी पूजा भी करते हैं। पूजा के बाद, लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं।



केसर चीनी मिल ने गन्ना विभाग के एस्क्रो अकाउंट में जारी की धनराशि, जल्द किसानों के खातों में पहुंचेगा भुगतान

बहेड़ी(आज ब्यूरो) । पिछले दो वर्षों से केसर चीनी मिल पर बकाया गन्ना मूल्य भुगतान का इंतजार कर रहे बहेड़ी के किसानों के लिए दीपावली से पहले बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। किसानों के लगातार संघर्ष, जिलाधिकारी बरेली के कड़े प्रशासनिक दबाव और किसानों की आवाज बुलंद करने में द खबर की टीम के सहयोग का असर अब दिखाई देने लगा है। मिल प्रबंधन की ओर से किसानों के भुगतान के लिए 11 करोड़ 33 लाख रुपये की धनराशि गन्ना विभाग के एस्क्रो अकाउंट में जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, केसर मिल अध्यक्ष शरत मिश्रा की ओर से 11.23 करोड़ रुपये खाते में पहुंचने की बात बताई जा रही है। गन्ना समिति के माध्यम से धनराशि जल्द किसानों के बैंक खातों में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।किसानों के हक की इस लड़ाई में लगातार आवाज उठाने वाले किसान, सामाजिक कार्यकर्ताओं टीम की ओर से उठाए गए मुद्दे लगातार चर्चा में रहे। किसानों के संघर्ष और प्रशासन की सख्ती के बाद मिली इस राहत से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है। हालांकि, किसानों का कहना है कि यह पहली राहत है, अभी पूरी लड़ाई बाकी है।गौरतलब है कि केसर एंटरप्राइजेज लिमिटेड बहेड़ी पर किसानों का करीब 162 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य बकाया है। पिछले दो वर्षों से भुगतान नहीं होने के चलते किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी बरेली ने 31 अक्टूबर को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर मिल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे।डीएम के निर्देश पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मिल प्रबंधन पर दबाव बनाया। बीते दिनों एसडीएम बहेड़ी गोपाल शर्मा, एसडीएम नवाबगंज सचिन यादव, जिला गन्ना अधिकारी दिलीप कुमार, सीओ अरुण कुमार यादव, तहसीलदार वीरपाल सिंह सहित राजस्व टीम और पुलिस बल मिल के प्रशासनिक भवन पहुंचे थे। अधिकारियों ने सीईओ शरद मिश्रा से भुगतान को लेकर जवाब-तलब किया। इसके बाद वीडियो कॉल के माध्यम से मिल के सीएमडी हर्ष आर. किलाचंद को भी वार्ता में शामिल किया गया।प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि 10 नवंबर तक भुगतान की व्यवस्था नहीं हुई तो मिल के प्रशासनिक भवन और अधिकारियों-कर्मचारियों के आवासों को सील करने के साथ नीलामी की कार्रवाई शुरू की जाएगी। प्रशासन की इसी सख्ती के बाद मिल प्रबंधन की ओर से किसानों के भुगतान के लिए धनराशि जारी की गई हैदीपावली से पहले भुगतान की खबर मिलते ही किसानों ने खुशी जताई। किसानों का कहना है कि यदि जिला और तहसील प्रशासन ने सख्ती नहीं दिखाई होती तो शायद यह भुगतान भी नहीं हो पाता। किसानों ने जिलाधिकारी बरेली और पूरी प्रशासनिक टीम की सराहना की। वहीं किसानों की आवाज को लगातार उठाने और उनकी समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित करने के लिए प्रयासों की भी सराहना की जा रही है।

शोक संवेदना व्यक्त करने पीड़ित के घर गये कैबिनेट मंत्री



बरेली (आज समाचार सेवा) । राज्य सभा सांसद और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह आंवला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रहदुइया में अमित कश्यप के आवास पर शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग की दुखद घटना में उनकी पू्य माताजी के निधन के उपरांत उनके आवास पर पहुंचकर घटनास्थल का अवलोकन किया एवं शोकाकुल परिवार से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दु:खद घटना के संबंध में संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा अनुमन्य आर्थिक सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि परिवार को इस कठिन समय में कुछ संबल मिल सके।उन्होंने इस अपूरणीय क्षति की घड़ी में हम पूरी मजबूती से परिवार के साथ खड़े हैं और हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिजनों को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

दीपों की जगमगाहट के साथ धूमधाम से मनाई दीपावली

जीवन में महत्वपूर्ण है गोवर्धन पूजा

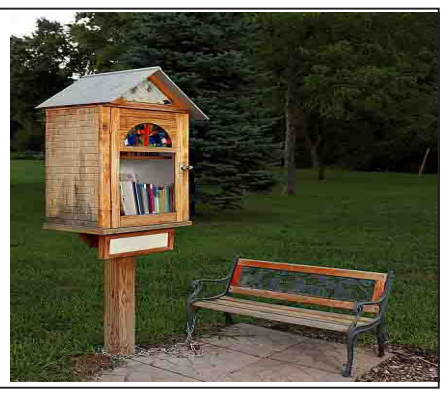
बहेड़ी(आज ब्यूरो) । दीपों का पर्व दीपावली नगर में हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। शाम होते ही पूरा नगर दीपों और रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगा उठा। घरों, दुकानों, गलियों और मंदिरों में दीये जलाकर लोगों ने लक्ष्मी औगणेश की पूजा-अर्चना की। हर ओर उल्लास और उमंग का माहौल देखने को मिला।नगर के मुख्य बाजारों—मुख्य रोड, तहसील रोड, स्टेशन रोड और रूड़की रोड—पर दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मिठाई और उपहार की दुकानों पर दिन भर ग्राहकों की भीड़ रही। बच्चों ने पटाखे और आतिशबाजी कर माहौल को खुशनुमा बना दिया।नगर पालिका परिषद की ओर से सफाई व्यवस्था और प्रकाश व्यवस्था के विशेष इंतज़ाम किए गए थे। दीपावली के मौके पर जगह-जगह दीपोत्सव कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें नगरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।पूरे बहेड़ी में दीपावली का पर्व सामूहिक उल्लास, आपसी भाईचारे और सौहार्द के वातावरण में मनाया गया, जिससे नगर की रौनक देखते ही बन रही थी।

बरेली(आज समाचार सेवा)। दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस त्यौहार का भारतीय लोकजीवन में बहुत महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। गोवर्धन पूजा में गोधन अर्थात गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है जैसे नदियों में गङ्गा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में अनाज उगाता है। ऐसे गौ सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोवर्धन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की। गोवर्धन पूजा की झलक जब कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उँगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएँ उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है। कथा यह है कि देवराज इन्द्र को अभिमान हो गया था। इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण जो स्वयं लीलाधारी श्री हरि विष्णु के अवतार हैं ने एक लीला रची। प्रभु की इस लीला में यूं हुआ कि एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने बड़े भोलेपन से मईया यशोदा से प्रश्न किया मईया ये आप लोग किनकी पूजा की तैयारी कर रहे हैं कृष्ण की बातें सुनकर मैया बोली लल्ला हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? मैईया ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की उपज होती है उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये वहीं चरती हैं, इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं अत: ऐसे अहँकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। लीलाधारी की लीला और माया से सभी ने इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा आरम्भ कर दी। प्रलय के समान वर्षा देखकर सभी बृजवासी भगवान कृष्ण को कोसने लगे कि, सब इनका कहा मानने से हुआ है। तब मुरलीधर ने मुरली कमर में डाली और अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलत: वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियन्त्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें। इन्द्र निरन्तर सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हे लगा कि उनका सामना करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता अत: वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं और पूर्ण पुरूषोत्तम नारायण हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यन्त लज्जित हुए और श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका इसलिए अहँकारवश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने मुरलीधर की पूजा कर उन्हें भोग लगाया। इस पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्धन पूजा की जाने लगी। बृजवासी इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रङ्ग लगाया जाता है व उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है। गोवर्धन पूजा की विधि[संपादित करें इस दिन प्रात: काल शरीर पर तेल मलकर स्नान करने का प्राचीन परम्परा है. इस दिन आप सवेरे समय पर उठकर पूजन सामग्री के साथ में आप पूजा स्थल पर बैठ जाइए और अपने कुल देव का, कुल देवी का ध्यान करीये पूजा के लिए गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत पूरी श्रद्धा भाव से बनाएँ। इसे लेटे हुये पुरुष की आकृति में बनाया जाता है। प्रतीक रूप से गोवर्धन रूप में आप बनाकर फूल, पत्ती, टहनीयो एवँ गाय की आकृतियों से सजाया जाता है। गोवर्धन की आकृति बनाकर उनके मध्य में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति रखी जाती है नाभि के स्थान पर एक कटोरी जितना गड्ढा बना लिया जाता है और वहां एक कटोरी व मिट्टी का दीपक रखा जाता है फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, मधु और बतासे इत्यादि डालकर पूजा की जाती है और फिर इसे प्रसाद के रूप में बांटा जाता है।गोवर्धन पूजा के दौरान एक मंत्र का जाप करना चाहिए। कुछ स्थानों पर गोवर्धन पूजा के साथ ही गायों को स्नान कराने की उन्हें सिंदूर इत्यादि पुष्प मालाओं से सजाए जाने की परम्परा भी है इस दिन गाय का पूजन भी किया जाता है तो यदि आप गाय को स्नान करा कर उसे सजा सकते हैं या उसका श्रृंगार कर सकते हैं तो कोशिश करिए कि गाय का श्रृंगार करें और उसके सिंह पर घी लगाए गुड खिलाएं. गाय की पूजा के बाद में एक मंत्र का उच्चारण किया जाता है जिससे लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं ।

इको फ्रण्डली सिस्टम के साथ ओपिन लाइब्रेरी पार्क मिलेगा जनता को

बरेली(आज समाचार सेवा) प्रदेश भर में बनखण्डी नाथ पार्क प्रदेश में मॉडल बनने को तैयार है जल्द ही इस ओपिन लाइब्रेरी पार्क को जनता के लिए समर्पित कर दिया जायेगा। खासबात यह है कि इको फ्रन्डली पार्क में अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप जनता को सुविधाएं मिल सकेगी। फिलहाल अब वृहद आधुनिक पार्क को सजाने सवारने का काम जल्द पूरा होने को है। इस आधुनिक पार्क को लेकर नगर निगम एनकैप योजना के तहत आधुनिक स्मार्ट पार्क तैयार कर रहा है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने इस बावत जानकरी देते हुए बताया कि इस आधुनिक पार्क की आर्कषक रूप सज्जा की जा रही है। खास बात यह है कि पार्क में हर वर्ग आयु के लोगों की दिलचस्पी के अनुरूप ज्ञानवर्धक पुस्तकों लेस एतिहासिक घटनाक्रम से जुड़ी प्रसिद्ध पुस्तकों का संग्रह भी पार्क की ओपिन लाइब्रेरी में उपलब्ध रहेगा। इस वास्ते पार्क में आर्कषक बुकसेल्फ स्टैडी लगाये जा रहे है, जिनमे पुस्तकों को व्यवस्थित तरीके से रखा जायेगा। इस व्यवस्था के लिए सम्बंधित स्टाफ तैनात रहेगा। पार्क में आने वालों के लिए नगर निगम स्वंय पुस्तकों को उपलब्ध करायेगा। दूसरी ओर साहित्य इतिहास व अन्य रोचक विषयों में दिलचस्पी रखने वाले लोग इस ओपिन लाइब्रेरी में पुस्तके डोनेट भी कर सकते है जिससे एक बड़ी रेज यहां जनता को पढ़ने को मिल सकेगी। इस ओपिन लाइब्रेरी के साथ आर्कषक बैठने को सीटस स्मार्ट मॉडल हट खुशबूदार फूलदार पौधों के साथ प्राकृतिक हरियाली के लिए ओपिन एरिया बनाया गया है। वहीं पार्क में टहलने वालों के वाकिग प्वांइन्ट तथा बच्चों के खेलने के लिए आर्कषक प्ले इक्यूमेटम लगाये जायेगे। इधर पार्क में आधुनिक लांइटिग व्यवस्था के साथ आर्कषक रंग विरगी लांइटिग भी खूबसूरती को चार चांद लगायेगी।





पार्क में प्राकृतिक रूप से पक्षियों की चहल पहल भी यहां की रौनक में सुकून लगायेगी। जन सहभागिता के साथ इस पार्क की आधुनिक लाइब्रेरी में जन सहभागिता के साथ पत्रिकाओं का संग्रह बढ़ाया जायेगा। इस ओपिन पार्क लाइब्रेरी में सुकुन के साथ बैठकर लोग इको फैड्ली माहौल में किताबों को पढ़कर ज्ञान ले सकेगे। वहीं मनोरंजन से भरपूर पुस्तकों का संग्रह भी उपलब्ध रहेगा। खास बात यह है कि हर वर्ग के हिसाब से पुस्तकों का चयन करके यहां पुस्तके उपलब्ध करायी जायेगी। यह पार्क प्रदेश भर में नजीर पेश करेगा। नगर निगम द्वारा एनकैप के तहत इस अनोखे पार्क का निर्माण कराया जा रहा है यह पार्क जल्द ही जनता के लिए समर्पित होगा। जो प्रदेश के लिए एक मॉडल साबित हो सकता है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य स्वयं इस पार्क में परिकल्पना को धरातल पर उतारने में लगे है।

न्यूज अपडेट

जीवन में कुलदेवी कुलदेवता का महत्व

बरेली(आज समाचार सेवा) । भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। इसके अलावा पितृदेव भी होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। कुलदेवी और देवता को पूजने के पीछे एक गहरा रहस्य है, सभी के कुलदेवी-देवता अलग क्यों होते हैं और उन्हें क्यों पूजना जरूरी होता है जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है।या उनके नाम से स्तुति की जाती है। इसके अलावा एक ऐसा भी दिन होता है, जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं, इसीलिए उनके जीवन में दुख और मुसीबत पर पहाड़ खड़े हैं। सवाल यह है कि, कुल देवता और कुलदेवी सभी के अलग-अलग क्यों होते हैं इसका उत्तर यह है कि, कुल अलग है, तो स्वाभाविक है कि कुलदेवी-देवता भी-अलग अलग ही होंगे। दरअसल, हजारों वर्षों से अपने कुल को संगठित करने और उसके इतिहास को संरक्षित करने के लिए ही कुलदेवी और देवताओं को एक निश्चित स्थान पर नियुक्त किया जाता था। वह स्थान उस वंश या कुल के लोगों का मूल स्थान होता था। कुल देवता का मूल स्थान जहां होता है, वहां जाकर पूजा करनी चाहिए। मान लो कोई व्यक्ति गुजरात में रहता है, लेकिन उसके कुलदेवी और देवता राजस्थान के किसी स्थान पर हैं। यदि उस व्यक्ति को यह मालूम है कि मेरे कुलदेवी और देवता उक्त स्थान पर हैं, तो वह वहां जाकर अपने कुल के लोगों से मिल सकता है। वहां हजारों लोग किसी खास दिन इकट्ठा होते हैं। इसका मतलब है कि, वे हजारों लोग आप ही के कुल के हैं। हालांकि कुछ स?थान इतने प्रसिद्ध हो गए हैं कि, वहां दूसरे कुल के लोग भी दर्शन करने आते हैं।उदाहरणार्थ आपके परदादा के परदादा ने किसी दौर में कहीं से किसी भी कारणवश पलायन करके जब किसी दूसरी जगह रैन-बसेरा बसाया होगा तो निश्चित ही उन्होंने वहां पर एक छोटा सा मंदिर बनाया होगा, जहां पर आपके कुलदेवी और देवता की मूर्तियां रखी होंगी। सभी उस मंदिर से जुड़े रहकर यह जानते थे कि, हमारे कुल का मूल क्या है प्रसिद्ध तीर्थ स्थान पर पंडित जी के पास पोती में सारा रिकार्ड उपलब्ध होता है।पहले यह होता था कि, मंदिर से जुड़े व्यक्ति के पास एक बड़ी-सी पोथी होती थी जिसमें वह उन लोगों के नाम, पते और गोत्र दर्ज करता था, जो आकर दर्ज करवाते थे। इस तरह एक ही कुल के लोगों का एक डाटा तैयार हो जाता था। यह कार्य वैसा ही था, जैसा कि गंगा किनारे बैठा तीर्थ पुरोहित या पंडे आपके कुल और गोत्र का नाम दर्ज करते हैं। आपको अपने परदादा के परदादा का नाम नहीं मालूम होगा लेकिन उन तीर्थ पुरोहित के पास आपके पूर्वजों के नाम लिखे होते हैं।कुलदेवी कुलदेवता बिछड़े हुए परिवार के सदस्यों से भी मिलते हैं। इसी तरह कुलदेवी और देवता आपको आपके पूर्वजों से ही नहीं जोड़ते बल्कि वह वर्तमान में जिंदा आपके कुल खानदान के हजारों अनजान लोगों से भी मिलने का जरिया भी बनते हैं। इसीलिए कुलदेवी और कुल देवता को पूजने का महत्व है। इससे आप अपने वंश वृक्ष से जुड़े रहते हैं और यदि यह सत्य है कि आत्मा होती है और पूर्वज होते हैं, तो वे भी आपको कहीं से देख रहे होते हैं। उन्हें यह देखकर अच्छा लगता है और वे आपको ढेर सारे आशीर्वाद देते हैं। हर जाति वर्ग, किसी न किसी ऋषि की संतान है। मूल ऋषि से उत्पन्न संतान के लिए वे ऋषि या ऋषि पत्नी कुलदेव व कुलदेवी के रूप में पूज्य हैं। इसके अलावा किसी कुल के पूर्वजों के खानदान के वरिष्ठों ने अपने लिए उपयुक्त कुल देवता अथवा कुलदेवी का चुनाव कर उन्हें पूजित करना शुरू किया।

आवारा पशुओं का आतंक, सड़क पर बैठने से राहगीरों को खतरा



बिशारतगंज (आज ब्यूरो)। क्षेत्र के ग्राम बलेई भगवंतपुर में आवारा पशुओं की समस्या लगातार बनी हुई है। गांव के मुख्य मार्ग पर बड़ी संख्या में आवारा पशु झुंड बनाकर बैठ जाते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। लोगों को डर बना रहता है कि कहीं पशु अचानक हमला न कर दें या कोई सड़क हादसा न हो जाए।आवारा पशुओं ने सड़क के बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। सड़क किनारे खाली पड़ी जगह पर भी पशु बैठे नजर आते हैं। वहीं किसानों की फसलों को भी आवारा पशुओं से नुकसान पहुंच रहा है। किसान अपने खेतों की फसलो को रात-रात भर रखाते हैं ग्रामीणों का कहना है कि सरकार और प्रशासन को इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि आवारा पशुओं को जल्द पकड़वाकर गोशालाओं में पहुंचाया जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके और किसानों की फसलें सुरक्षित रह सकें।

युवती को बहेडी लाकर घर मे सात माह तक बनाया गया बन्धक, रिपोट दर्ज

बहेडी(आज ब्यूरो) । बिहार की युवती को सात माह पूर्व एक बहेडी थाना क्षेत्र की महिला कलकत्ता रेलवे स्टेशन बंगाल से उसे बहला फुसलाकर अपने गांव ले आई थी। अब युवती ने अपने घर वापस जाने को कहा तो महिला ने उसे बंधक बनाकर उसे जाने से रोक लिया। किसी तरह युवती उसके चुंगल से छूट कर थाना बहेडी पहुंची, और पुलिस को तहरीर देकर आप बीती सुनाई । पुलिस ने युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार बिहार प्रदेश के जनपद समस्तीपुर के ग्राम पाड थाना दलसिंह सराय निवासी काजल परवीन पुत्री मोहम्मद अबुल हसन ने थाना बहेडी दर्ज कराई गई रिर्पोट मे कहा है कि अब से सात माह पूर्व वह अपने परिजनो से किसी बात को लेकर नाराज होकर घर छोडकर ट्रेन द्वारा कलकत्ता रेलवे स्टेशन पहुंची थी, तभी उसे कलकत्ता रेलवे स्टेशन पर थाना बहेडी क्षेत्र के ग्राम फैजगंज कमठैना निवासी जशोदा पत्नी पुरशोत्तम मिली। जशोदा ने उसे अपनी मिठी चुपड़ी बातो मे लिया, और उसे बहला-फुसलाकर बहेडी अपने ग्राम फैजगंज कमठैना ले आई। आरोप है कि उसने एक माह बाद अपने घर बिहार जाने की इच्छा जताई, तो जशोदा ने उसे जाने नही दिया। और जबरन अपने घर मे बन्धक बना लिया। और उसके साथ मारपीट करना, खाना न देना तथा अन्य तरह तरह से उसे प्रताणित किया ।छह माह काटने के बाद उसे जशोदा के घर से भागने मे सफलता मिल गई, और वह सीधी थाना बहेडी पहुंची और पुलिस को आप बीती सुनाई । पुलिस ने तहरीर लेकर जशोदा को नामजद कर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने रिर्पोट दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है ।

बिहार की युवती को कलकत्ता से बहेडी लाकर बंधक बनाया

बरेली सिनेमा
जगत में
ता 06 से रोजाना 3 शो
रेट 40 60
आंखें
पात्र-गोविन्दा कादर खान,चंकी पाण्डे,करिश्मा कपूर ।

कंपोजिट विद्यालय सुंदरी के सहायक अध्यापक निलंबित

शिकायत के बाद बीएसए ने जारी किया आदेश

क्योलड़िया (आज ब्यूरों)। विकासखंड भदपुरा के कंपोजिट विद्यालय सुंदरी में तैनात सहायक अध्यापक मुकेश कुमार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ग्राम प्रधान एवं प्रशासक सुनीता देवी की ओर से की गई शिकायत और विभागीय जांच के बाद की गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से 2 नवंबर को निलंबन आदेश जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार, शिक्षक मुकेश कुमार पर विद्यालय में पेड़ कटवाने, विद्यालय प्रबंध समिति की बैठकों और अभिलेखों में अनियमितता, निर्माण कार्यों में पारदर्शिता न बरतने तथा विभागीय निर्देशों का पालन नहीं करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में विद्यालय से संबंधित वित्तीय लेनदेन और अभिलेखों में हस्ताक्षर को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत की जांच खंड शिक्षा अधिकारी भदपुरा की ओर से की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया है। मामले में विभागीय जांच की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी।

दिवाली पर बाजार में जमकर हुई खरीदारी



क्योलड़िया (आज ब्यूरो)। दीपावली के दिन रविवार को बाजार में खूब रौनक रही है सुबह से ही खरीदारों के लिए लोगों की भीड़ उमडने लगी किसी ने पूजन के लिए गणेश लक्ष्मी की प्रतिमा खरीदी तो किसी ने मिट्टी के दिए किसी ने झालर झालर की समान लाइट की झालर खरीदी तो किसी ने फूल माला खील बतासे मिठाई एवं इलेक्ट्रिक सामान खरीदा इससे बाजार में दिनभर भारी भीड़ रही सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी करम सिंह पाल मुस्तैद रहे साथ ही पटाखा बाजार में भारी भीड़ उमड़ी जबकि प्रशासन ने पटाखा बिक्री के लिए नवाबगंज की सजौलिया हाइवे निर्धारित किया था लेकिन प्रशासन की अनदेखी कर क्योलडिया मे खूब पटाखे बिके लेकिन दुकानो पर भी सुरक्षा का इंतजाम नहीं था।

धूमधाम से मनाई गई दीपावली, रंग बिरंगी लाइटों से सजे घर जमकर हुई आतिशबाजी, पुलिस रही मुस्तैद

फतेहगंज पश्चिमी (आज ब्यूरों)। रविवार को दीपावली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाम होते ही घरों में दीप प्रज्वलित किए गए, रंग-बिरंगी लाइटों से सजे घरों और बाजारों ने पूरे कस्बे को रोशन कर दिया। लोगों ने आंगन में रंगोली बनाकर, दीप सजाकर तथा लक्ष्मी-गणेश की पूजा-अर्चना कर त्योहार का आनंद लिया। पूजा के उपरांत बच्चों और युवाओं ने आसमान को आतिशबाजी की चमक से जगमगा दिया। दीपावली के त्योहार को लेकर लोगों का काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। युवा हो या फिर छोटे बच्चे सभी दीपावली के पर्व में मशगूल दिखे। बाजार दीवाली पर गुलजार रहे। कस्बे के मुख्य बाजारों में लोगों ने जमकर खरीदारी की। जिसको लेकर बाजारों में भीड रही। खरीदारों के बाद लोगों ने अपने घरों को आकर्षक डिजाईनों व रंगबिरंगी लाईटों से सजाया। साज सज्जा द्वीप व झालरों से भी की गई। युवतियों ने अपने घरों के आंगन में रंगोली बनाई, जो शाम के समय दीयों से जगमगाती रही। शाम को घरों में लक्ष्मी गणेश की पूजा अर्चना की गई बाद में छोटे बच्चों व युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। मिठाईयों व पटाखों की दुकानों पर भी भारी भीड़ रही। सुरक्षा के मद्देनजर थाना प्रभारी प्रवीन कुमार व चौकी प्रभारी आदेश कुमार दल बल के साथ मुस्तैद रहे।



साइवर क्राइम : दो हजार रुपये मिलने का लालच देकर मोबाइल पर भेजा जा रहा संदिग्ध लिंक

फतेहगंज पश्चिमी (आज ब्यूरों)। इन दिनों सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर दो हजार रुपये मिलने का लालच देने वाला एक संदेश तेजी से वायरल हो रहा है। संदेश में लिखा है, 'मुझे लगा था फर्जी है, लेकिन सच में दो हजार रुपये मिल गए, तुम लोग भी कोशिश करो!' इसके साथ एक संदिग्ध वेबसाइट का लिंक भी भेजा जा रहा है। संदेश की भाषा इस तरह तैयार की गई है कि लोग इसे सच मानकर लिंक खोलने और आगे दूसरों को भेजने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। इसी तरह का एक संदेश फतेहगंज पश्चिमी के छात्र असद अंसारी के पास भी व्हाट्सऐप पर पहुंचा। छात्र असद अंसारी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं टेक्निकल कंप्यूटिंग सर्विसेज विभाग के प्रमुख नवाब अहमद अंसारी से बातचीत की और इस तरह के लिंक से होने वाले संभावित खतरों की जानकारी ली। वैज्ञानिक नवाब अहमद अंसारी ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके

एक क्लिक से खतरे में पड़ सकती है डिजिटल जिंदगी, बरते सावधानी

अपनाते हैं। कभी इनाम, कभी कैशबैक तो कभी मुफ्त पैसे मिलने का लालच देकर फर्जी वेबसाइट पर पहुंचाया जाता है। वहां लोगों से मोबाइल नंबर, पासवर्ड, ओटीपी और बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाती है। कई बार लोग सोचते हैं कि किसी अनजान लिंक पर सिर्फ एक बार क्लिक करने से क्या ही होगा, लेकिन यही लापरवाही बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। कुछ असुरक्षित वेबसाइट उपकरण की कमजोरियों का फायदा उठाकर हानिकारक सॉफ्टवेयर और जासूसी करने वाले प्रोग्राम पहुंचाने की कोशिश कर सकती हैं। वहीं फर्जी वेबसाइट के जरिए सोशल मीडिया और ईमेल खातों की लॉगिन जानकारी भी चोरी की जा सकती है। कुछ मामलों में स्क्रीन साझा करने या अनजान ऐप को अनुमति देने के जरिए भी साइबर अपराधी लोगों को निशाना बनाते हैं। हालांकि, इस तरह के संदेश कोई नए नहीं हैं। समय-समय पर सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर इनाम, पैसे मिलने या अन्य आकर्षक ऑफर के नाम पर ऐसे मैसेज आते रहते हैं। ऐसे में हर संदेश को साइबर ठगी मान लेना भी सही नहीं है, लेकिन उसकी सत्यता जाने बिना दिए गए लिंक पर क्लिक करना या उसे आगे फॉरवर्ड करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए लोगों को ऐसे संदिग्ध संदेशों को आगे प्रसारित करने से बचना चाहिए। वहीं, फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को ठगने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। मुफ्त पैसे और इनाम का लालच देकर भेजे जाने वाले लिंक से सावधान रहने की जरूरत है। किसी भी अनजान लिंक को खोलने से बचें और अपनी बैंकिंग संबंधी जानकारी, ओटीपी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। यदि किसी के साथ साइबर ठगी होती है तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

नवनियुक्त भाजपा प्रदेश शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के सदस्य का बरेली आगमन पर ऐतिहासिक व भव्य स्वागत

क्योलड़िया (आज ब्यूरों)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश सदस्य नंदकिशोर श्रीवास्तव एडवोकेट हाई कोर्ट को नया दायित्व मिलने के बाद प्रथम बार गृह जनपद आगमन पर ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया गया अपने शिक्षण संस्थान एशियन लॉ कॉलेज नवाबगंज जाते समय विभिन्न शिक्षण संस्थानों पार्टी कार्यकर्ताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार अभिनंदन एवं भव्य स्वागत किया नवाबगंज जाते समय केसीएमटी कालेज,मैस्कॉट राजश्री ,और कृतिका कॉलेज द्वारा नव नियुक्त प्रदेश सदस्य का फूल माला और बुके भेंट कर भव्य स्वागत किया गया है इस दौरान विधानसभा नवाबगंज के भारी संख्या में कार्यकर्ता पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे इस अभूतपूर्व और भव्य स्वागत समारोह से अभिभूत होकर एशियन लॉ कॉलेज नवाबगंज के एमडी एडवोकेट नंदकिशोर श्रीवास्तव ने सभी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का यह असीम स्नेह उत्साह और संगठन के समर्पण ही उनकी असली पूंजी है शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने जो नवीन दायित्व सौंपा है इस पर खरा उतरेंगे और शिक्षा संस्थानों और युवाओं को जोड़ने का काम करेंगे स्वागत करने बालो में डॉक्टर आरके सिंह डॉक्टर शिव स्वरूप शर्मा डॉक्टर श्रीमती सरिता सक्सैना डॉक्टर श्रीमती कल्पना कटियार श्रीमती रचना सिंह रितेश गुप्ता डॉक्टर जयकरण माथुर डॉ श्रीमती सोना गौड संध्या पटेल मनोज गंगवार फरीन मुकेश गंगवार दुष्यंत माहेश्वरी सतीश कुमार अमित गंगवार वरुण पटेल निलेश राणा भुवन गंगवार धर्मेंद्र गंगवार समेत अनेक लोगों ने स्वागत किया।



वृद्ध के हत्याकांड के खुलासे को लगी दो टीमें नहीं मिली कोई सफलता हाथ खाली

क्योंलड़िया (आज ब्यूरों) ।थाना क्षेत्र के गांव तिगरी गांव की वृद्ध नरैनोदेवी का बुधवार 20 अक्टूबर को गन्ने के खेत में शव मिला था साथ ही वृद्ध के कानो के कुंडल गायब थे पर जनों ने पुलिस को अज्ञात लोगों की हत्या की तहरीर पुलिस को दी जिस पर पुलिस ने अज्ञात में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी हत्या के खुलासे को लेकर थाना प्रभारी करम सिंह पाल के नेतृत्व में एक टीम व दूसरी टीम सर्विलांस की लगी दोनों टीमों ने गांव में जाकर हर पहलुओं पर जांच पड़ताल की एवं घटनास्थल का मौका मुआयना किया ।और ग्रामीणों से लंबी पूछताछ की लेकिन बीस दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस के हाथ खाली है और अभी तक पुलिस हत्या का खुलासा नहीं कर सकी पुलिस लगातार हर पहलू पर नजर रखे हुए हैं और लगातार हत्या के खुलासे में लगी हुई है लेकिन पुलिस टीम को अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका बीस दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस के हाथ खाली है

पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने युवक के घर में मारपीट कर घायल किया,रिपोर्ट दर्ज

क्योलाड़िया (आज ब्यूरों)। गांव के युवक के साथ शनिवार को दोपहर पुरानी रंजिश के चलते आरोपी ने गाली-गलौज कर लाठी-डंडों व ईंट-पत्थर से मारपीट शुरू कर दी युवक के पैर में गंभीर चोट आई है पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ करवाई कि मांग पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए भेजा कि रिपोर्ट दर्ज। घर के दरवाजे पर आकर की गाली-गलौज थाना क्षेत्र के गांव बबूरी के युवक धर्मपाल पुत्र बेनीराम ने पुलिस को बताया कि शनिवार, 7 नवंबर को दोपहर करीब 2:00 बजे वह अपने घर पर मौजूद था आरोप है कि गांव का ही आरोपी नन्दराम पुत्र महेन्द्रपाल अचानक उनके घर के गेट पर आ धमाका और बिना किसी कारण के मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां देने लगा। विरोध करने पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला तहरीर के अनुसार, जब पीड़ित ने आरोपी से गाली देने से मना किया, तो आरोपी आग-बबूला हो गया। गुस्से में आकर उसने ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से युवक के साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी इस हमले में युवक के पैर में काफी गंभीर चोट आई है। शोर मचने पर जान से मारने की धमकी देकर भागा आरोपी मारपीट के दौरान घर पर काफी शोर-शराबा मच गया शोर सुनकर आसपास के लोगों के एकत्र होने की आहट पाकर आरोपी मौके से फरार हो गया। जाते-जाते आरोपी ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। मौके पर बिखरे पड़े हैं ईंट-पत्थर पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि हमले के दौरान फेंके गए ईंट-पत्थर अभी भी उनके घर में सबूत के तौर पर पड़े हुए हैं घटना के बाद घायल अवस्था में पीड़ित पहुंचा पुलिस ने तहरीर सौंपकर रिपोर्ट दर्ज करने तथा आरोपी के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर घायल को मेडिकल अस्पताल भेजा।

न्यायालय में विचाराधीन भूमि पर दबंगई से गेहूं की बुवाई का आरोप, पीड़िता ने थाने में दी तहरीर

क्योलाड़िया (आज ब्यूरों)। थाना क्षेत्र के गांव कि महिला ने गांव के ही कुछ दबंग लोगों पर अपनी विचाराधीन भूमि पर जबरन कब्जा करने और दबंगई के बल पर गेहूं की बुवाई करने का गंभीर आरोप लगाया है पीड़िता ने थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र सौंपकर अवैध गेहूं कि बुवाई रुकवाने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग मामले कि पुलिस को तहरीर देकर गांव ठिरिया बन्नोजान निवासी हीराकली पत्नी राकेश कुमार ने बताया कि उनकी सास मीनावती ने पूर्व में तीन बीघा भूमि गांव के ही नवल किशोर पुत्र फूल चंद को बेच दी थी इस भूमि के संबंध में पीड़िता की ओर से न्यायालय में मुकदमा चल रहा है बिक्री विवाद) का मुकदमा दायर किया गया था, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है पीड़िता का आरोप है कि मुकदमा विचाराधीन होने के बावजूद शनिवार, 7 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे विपक्षी नवल किशोर ने गांव के ही अंगन लाल के पुत्र अनील कुमार के साथ मिलकर शेष बची पांच बीघा जमीन पर दबंगई के बल पर जबरन गेहूं की बुवाई कर दी पीड़िता ने इस कृत्य को पूरी तरह से अवैध और न्यायालय के नियमों के विरुद्ध बताया है। पीड़िता हीराकली ने थाने पहुंचकर पुलिस को दबंग आरोपियों के खिलाफ नाम जद तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई।

— खेलने की व्यवस्था नहीं तो कैसे तलाशेंगे व तराशेंगे प्रतिभायें —

आम खिलाड़ियों से दूर होता जा रहा खेल, छिन रहीं सुविधायें

सुनील सक्सेना

बरेली (आज समाचार सेवा)। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए जहां सरकार द्वारा तमाम योजनायें व सुविधायें मुहैया करायी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर खेलों का निजीकरण व हाईटेक बनाने के लिये किये गये प्रयास सरकार की योजना को पलीता लगा रहे हैं। गांव की मिट्टी से शहर के मैदानों तक अपनी लगन और मेहनत से सफलता के शिखर तक पहुंचने का सफर धीरे-धीरे अब ऐसे खिलाड़ियों का सपना बनता नजर आने लगा है जहां एक और सरकार खेल प्रतिभाओं को तमाम योजनाओं का लाभ दिला रही है वहीं जब उभी सरकार के निर्देशन में में ऐसे खिलाड़ियों से खेल और खेल सुविधाओं का दूर करने का काम तेजी से हो रहा है अगर यह खेल ऐसे ही चलता रहा तो खिलाड़ियों का तलाशने व तराशने का सरकार का लक्ष्य भी क्षीर्ण हो जायेगा। सरकार जहां खेलो इण्डिया योजना चलाकर गांव-गांव शहर-शहर खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने का कार्य कर रही है वहीं दूसरी ओर खेल मैदानों को हाईटेक बनाकर उसे निजी हाथों में सौंपती जा रही है, जिससे खिलाड़ियों को खेलने के लिये मोटा शुल्क देने की समस्या सामने आने लगी है और खेल भी ऐसी प्रतिभाओं से छिनकर दूर होता जा रहा है। इसके प्रमाण शहरों में सरकारी खेल स्टेडियमों की तुलना में निजी संस्थाओं द्वारा संचालित खेल मैदानों में आयोजनों का होना व सरकार खेल स्टेडियमों में खेल आयोजन न होने से दिन व दिन बदहाली बयां कर रही है। ऐसे ही हालात स्पोर्टस स्टेडियम के होते जा रहे हैं। स्पोर्टस स्टेडियम में बना इण्डोर बैडमिन्टन हाल जिसमें तमाम स्टेट व नेशनल टूनमेन्ट आयोजित होते रहे हैं और देश भर के सुप्रसिद्ध बेडमिन्टन खिलाड़ी पी गोपीचन्द्र, अमिता जैसे प्रतिभाग कर चुके यह हाल निजीकरण का दंश साफ झेलता नजा आ रहा है, कारण स्पोर्टस स्टेडियम की ही जगह लेकर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधीन नया बहुउद्देशीय हाल बना उसे निजी हाथों में देकर ऐसे खिलाड़ियों को पहुंच से दूर करता नजर आ रहा है कारण निजी हाथों में देकर उनका पूर्ण व्यवसायिकरण हो रहा और खेल का उद्देश्य नगण्य होता जा रहा हैं जहां एक ही प्रांगण में वर्षों पुराने वैडमिन्टन हाल में खिलाड़ियों को खेलने के लिये मात्र 510 वार्षिक शुल्क देना पड़ता है वहीं चकाचैंध वाले हाईटेक वैडमिन्टन हाल में खिलाड़ियों को खेलने के लिये लगभग 4000 रूपये प्रतिमाह देने पड़ेंगे ऐसे में बिल्कु स्पष्ट है कि इस हाईटेक खेल में जो प्रतिभाशाली है लेकिन फीस अधिक के कारण नहीं खेल सकते यह सरकार की योजना समझ के परे लगती है एक ही स्थान पर दो इण्डोर हाल बनाकर एक निजी हाथों में देने का क्या मकसद है जबकि सरकार का मकसद खेल प्रतिभाओं को सुविधायें प्रदान कराना होता है ऐसे में या तो सरकार हाईटेक हॉल में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी सरकारी शुल्क में खेलने की व्यवस्था करायें तभी सरकार के खेल स्टेडियम में बना इण्डोर बैडमिन्टन हाल 18 वर्ष से कम के लिये 510 वार्षिक व शौकियों के लिये 24000 प्रतिदिन एक घण्टा वार्षिक निर्धारित है जबकि हाईटेक हाल में 4000 रूपये प्रतिमाह लिया जा रहा है ऐसे में प्रश्न यह उड़ता है कि सरकार द्वारा सरकारी सुविधाओं को क्यों नहीं हाईटेक किया जा सकता जिससे खिलाड़ियों के लिये सुविधा मिले और प्रतिभायें देश के लिये नाम रोशन कर सकें। ऐसे में शौकिया खिलाड़ियों के लिये अलग से क्लबों में ऐसी व्यवस्था कराई जानी चाहिये सरकारी स्टेडियम में नहीं और यदि करायी भी जाये तो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के वो स्कूली है और देश के लिये खेलने के लिये प्रयासरत है उन्हें हाईक हाल में भी सरकारी शुल्क में प्रवेश मिलना चाहिये तभी सरकार की खेलो इण्डिया अन्य सफल और कारगार होगी। वहीं क्रिकेट ग्राउण्ड जो कि स्टेडियम के लिये अन्य खेलों की तुलना में सर्वाधिक राजस्व जुटाने वाला रहा है उसे भी छीन लिया गया है और सैकड़ों उभरते क्रिकेटर्स मायूष होकर अन्य खेल मैदानों पर मोटी फीस देकर व एकेडमियों में खेल रहे हैं। वहीं कुछ खिलाड़ी शुल्क न दे पाने के कारण खेलल छोड़कर अपने सपनों को चकनाचूर कर चुके हैं कारण उनके पास संसाधनों का न होना बन रहा है, स्पोर्टस स्टेडियम में इसी क्रिकेट ग्राउण्ड पर अर्न्तराष्ट्रीय खिलाड़ियों कपिल देव, चेतन चौहान, मनोज प्रभाकर, अजय जडेजा, मोहम्मद कैफ, महेन्द्र सिंह धोनी जैसी दिग्गज क्रिकेटर अपना जलवा बिखेर कर स्थानीय क्रिकटरों का हौंसला बड़ा चुके हैं, लेकिन देखते-देखते उक्त क्रिकेट ग्राउण्ड भी सरकारी की नीति की भेंट चढ़ गया है अब लगभग 10 करोड़ की लागत से सिन्थेटिक्स ट्रक बनाकर तैयार कर दिया गया और क्रिकेट ग्राउण्ड को लगभग खत्म कर दिया गया है, यहां होने वाली स्टेट लेविल की क्रिकेट प्रतियोगितायें भी अब अन्य निजी ग्राउण्डों में कराने की योजना आयोजक बना चुके हैं। क्रिकेट कोच की सेवायें भी अब केवल छोटे बच्चों को सिखाने तक ही सीमित रह गयी हैं, कारण बड़े क्रिकेटरों के लिए खेल मैदान का न होना है, ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउण्ड को खत्म करने की योजना का कब और कैसे बन गयी भनक तक नहीं लगी और देखते ही देखते करोड़ों का सिन्थेटिक ट्रेक पास कराकर तैयार हो गया जबकि स्टेडियम में लगातार क्रिकेट कोचिंग चलती रही किसी ने भी क्रिकेट खत्म होने की तो शिकायत की न ही उच्च प्रशासन से की और न ही कोई विरोध जताया जो चिन्ताजनक संदेहप्रद सा लगता है, हालांकि क्रिकेट ग्राउण्ड बनाने का आश्वासन लगातार स्टेडियम अधिकारियों ने दिया लेकिन आज तक क्रिकेट ग्राउण्ड पर कोई सकारात्मक कार्यवाही होती नहीं नहीं दिख रही है, तत्कालीन आर एस ओ जितेन्द्र यादव में बड़े ही जद्दों जहद के बाद दशहरा मेला ग्राउण्ड से कब्जा वापस दिलाकर स्टेडियम की वाउण्ड्री बढ़वा दी लेकिन उसके बाद भी क्रिकेट ग्राउण्ड सिमट कर कोने में बच्चों को कोचिंग देने के लायक रह गया और ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउण्ड उपलब्धियों के तह में सिमट कर रह गया और चढ़ गया सरकार की स्मार्ट योजनाओं की भेंट फिलहाल सरकार की खेल नीति और योजना पर जरूर प्रभाव पड़ेगा केवल सरकारी खेल आयोजन चाहें वह स्कूली हो या सरकार से जुड़े खेल संगठनों के आयोजित तक जो कि खेल प्रतिभायें निकल कर आते हैं वह वह ग्रामीण परिवेश व मध्य वर्ग से अधिकांश जुड़ी होती है और वह सरकारी स्टेडियम का शुल्क तो वहन कर सकते हैं लेकिन निजी हाथों में सौंपी गयी हाईटेक व्यवस्थाओं ने स्पोर्ट स्टेडिम अब सिमट कर रह गया है। खेल प्रतिभायें अपने संसधानों से ग्रामीण अंचलों में ही फिर से अभ्यास करने में जुट गयी हैं इसे उनकी मजबूरी कहा जाये या फिर सरकारी खेलों को हाईटेक व व्यवसायीकरण किया जार रहा है वही खेल प्रतिभाओं से खेल अब दूर होता जा रहा है, जो कि खेल व खेल योजना के लिए चिन्ता का विषय है।





> ❁ खेल व्यवस्थाओं का निजीकरण खेलों को बना रहा महंगा ❁ ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउण्ड खत्म कर बना दिया करोड़ों का ट्रैक ❁ खिलाड़ी, कोच साधे रहे चुप्पी, खेल अधिकारी देते रहे आश्वासन ❁ हाईटेक खेल व्यवस्थाओं में खिलाड़ियों को दी जाये रियायत ❁ सरकारी विभागीय व राजनैतिक खेल आयोजनों तक सिमट कर रह गया स्पोर्टस स्टेडियम, बड़े खेल आयोजनों पर लगा ग्रहण ❁ निजी संस्थानों के खेल ग्राउण्ड एकेडमियों की हो रही बल्ले-बल्ले

अमीन नगर गुलडहाई में गन्ने के खेत में दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

क्योलड़िया (आज ब्यूरों)। थाना क्षेत्र के गांव अमीन नगर गुलडहाई में बुधवार सुबह गन्ने के खेत में तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। तेंदुआ देखने के बाद किसान ने गांव की ओर दौड़ लगा दी और ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब छह बजे गांव निवासी किसान जोगराज कश्यप अपने खेत पर जा रहे थे। इसी दौरान चौधरी गजेंद्र सिंह के फार्म हाउस के पास गन्ने के खेत में उन्हें तेंदुआ दिखाई दिया। अचानक तेंदुआ सामने देखकर किसान घबरा गए और वहां से दौड़कर गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को खेत में तेंदुआ होने की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना चौधरी गजेंद्र सिंह को दी। चौधरी गजेंद्र सिंह ने तत्काल वन विभाग के डिप्टी रेंजर आनंद कुमार, वनरक्षक वेद प्रकाश और कड़े राम को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम गांव पहुंच गई। टीम ने ग्रामीणों को साथ लेकर जंगल और आसपास के खेतों में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान गन्ने के खेतों और आसपास के इलाके में काफी देर तक कॉबिंग की गई।



वृद्धाश्रम लालफाटक में भोजन वितरण करेगी कायस्थ सेवा कल्याण परिवार

बरेली (आज समाचार सेवा)। कल सोमवाल को कायस्थ सेना पिछले दो वर्षों से प्रत्येक माह की अमावस्या को वृद्धाश्रत लाल फाटक बरेली में जाकर वृद्धजनों को भोजन वितरण करेगी। कायस्थ सेना कल्याण परिवार के प्रदेश अध्यक्ष आलोक प्रधान एडवोकेट ने बताया कि कायस्थ सेना रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव आलोक सक्सेना एडवोकेट के नेतृत्व में सामाजिक कार्य के अर्न्तगत विगत दो वर्षों से हर माह की अमावस्या को वृद्धजनों के मध्य जाकर भोजन वितरण करेती है। वृद्धजनों की मांग पर कायस्था सेना कल्याण परिवार वृद्धाश्रम में ही सात दिवसीय भागवत कथा व भण्डारे का आयोजन कर चुकी है।

स्वामी ज्ञानमंडल प्राईवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक ओम प्रकाश शुक्ला एवं मुद्रक संजीव कृष्ण त्रिपाठी द्वारा **आज** हिन्दी दैनिक प्लाट संख्या ई.12, ई.13, रोड नं. 3, परसाखेड़ा इन्डस्ट्रियल एरिया बरेली से मुद्रित एवं प्रकाशित
वाराणसी-संत कबीर मार्ग,**गोरखपुर**-बैंक रोड,**प्रयागराज**-3 लीडर रोड,**कानपुर**-बांस मण्डी,**झांसी**-झॉकन बाग, **लखनऊ**-1 जापलिंग रोड, **आगरा**-महात्मा गांधी रोड, **पटना**-फ्रेजर रोड, **रांची**-नामकुम इण्डस्ट्रियल एरिया, **जमशेदपुर**- न्यू काली माटी रोड साकची।

सम्पादकः
शार्दूल विक्रम गुप्त

स्थानीय प्रबन्धक
संजीव कृष्ण त्रिपाठी

वर्ष-37 **पूर्ण संख्या**-*13285*

आर.एन.आई.पंजीयन संख्या-51068/90
पंजीकृत संख्या-बी.आर.189

दूरभाष
9412293665

ajbareilly@yahoo.com
aajbareilly@gmail.com

रजिस्ट्रेशन संख्या 205/99

पी.आर.बी.अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद बरेली न्यायालय के अधीन होंगे।

प्रधान लिखी स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक को मारी टक्कर

बाइक चालक के गलत दिशा से आने के कारण हादसा होने की कही जा रही बात

.आज समाचार सेवा.

पूरनपुर ;पीलीभीतद्ध। बाइक चालक के गलत दिशा में आ जाने के कारण चौपहिया वाहन चालक ने उसे टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी।

थाना माधोटांडा क्षेत्र के ग्राम नवदिया धनेश के पास रविवार को एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। कार पर श्प्रधानश् लिखा हुआ था। हादसे के बाद मौके पर अफरा.तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह हादसा बाइक चालक के गलत दिशा ;रॉन्ग साइडद्ध से आने के कारण हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पीआरवी 112 और थाना माधोटांडा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने राहगीरों



की मदद से घायल को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। थाना माधोटांडा पुलिस का कहना है कि घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली के त्यौहार पर घटिया खोये से पटा रहा बाजार

छापामारी के नाम पर निभाई जाती रही औपचिकताए खूब तेज रहा मिलावटखोरी का कारोबार

.शादाब अली.

पूरनपुर। दीपावली व अन्य त्यौहारो को लेकर खाद्य पदार्थो में मिलावटखोरी का कारोबार खूब तेज रहाए जोकि जारी है। फुटकर व थोक विक्रेताओं द्वारा आमजन को दैनिक उपयोगी वस्तुओ में शुद्वता के नाम पर जहर खिलाया जा रहा है। दीपावलीए भैयादूज आदि पर्व को लेकर बाहरीए घटिया खोये की आमद से बाजार पट गये है। घटिया व सिन्थैटिक खोये से निर्मित मिठाईयो से दुकाने सजी हुई है। लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्यवाही करने के बजाए महज औपचारिकता का ही निर्वाह किया जाता रहा है। जिससे घटियाए नकली व मिलावटी सामान से जनस्वास्थ्य को भारी खतरा बना हुआ है। लेकिन खाद्य निरीक्षक व टीम ने कुछ दुकानो पर छापामारी अभियान चलाकर अपने कर्तव्यो से इतिश्री कर ली है।

उल्लेखनीय हो की जनस्वास्थ्य से होने वाले खिलवाड़ से बचाने के लिए खाद्य विभाग की स्थापना की गयी है। जहा तैनात मुख्य खाद्य निरीक्षक के अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को जांच एवं कार्यवाही की जिम्मेदारी सौपी गयी है। लेकिन खाद्य सुरक्षा अधिकारी की कर्तव्यों के प्रति शिथिलता व आर्थिक समझौते के परिणामस्वरुप फुटकर व थोक विक्रेताओ द्वारा की जा रही मिलावटी सामान की बिक्री चर्मोत्कर्ष पर है। दिखावे के लिए तो छापामारी अभियान चलाया जाता हैए लेकिन कही भी मिलावटी खाद्य पदार्थो की बिक्री पर रोक नही लग रही है। दुकानदार बेखौफ होकर दूषित पदार्थ बेच रहे है। शिकायत करने पर जांच कराने के नाम पर हजारो रुपये मांगे जाते है। शिकायतकर्ता न रुपये दे पाता है और न ही दूषित मिलावटी सामान की जांच होती है। परिणामस्वरुप दुकानदार बेखौफ है और दुकानदार व खाद्य सुरक्षा अधिकारी दोनो मिलकर चांदी काट रहे है। बताया जाता है कि तीज त्यौहारो पर छापामारी तो की जाती है लेकिन लिये गये नमूने सम्बन्धित कार्यवाही नाम मात्र लोगो के साथ ही की जाती है। बाकी की कार्यवाही भ्रष्टाचार की भेंट चढ जाती है। यही कारण है कि दीपावली के त्यौहार पर बड़े पैमाने पर मिलावटखोर बाहर से दूषित खाद्य पदार्थो को मगांकर अपना व्यापार चमका रहे है। लेकिन उनका बाल भी बांका हो ऐसी किसी में भी हिम्मत नही है और शायद खाद्य निरीक्षक में भी नही है। इसीलिए व्यापारियों के हौसले बुलन्द है सभी व्यापारियों के गोदामो में कारीगर सिन्थैटिक पाउडरए घटिया खोया व अन्य कैमिकल से बनाई गई मिठाई के नाम पर जहर खिलाने की तैयारी जोर.शोर से कर चुके है। जिनकी पुख्ता जानकारी सम्बन्धित विभाग के पास हैए लेकिन मूकदर्शक रहकर जनस्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलबाड़ को देख रहे है। लोगो की माने तो इसकी वजह नजराने के रुप में मिलने वाला नोटो का मोटा लिफाफ है। पान मसाला से लेकर होटलए ढाबोए जलपान गृहोए परचून की दुकानो के साथ खाद्य पदार्थों के प्रतिष्ठानोंए मिठाईयों की दुकानो पर मिलावटी सामान का व्यापार धड़ल्ले से चल रहा है। नगर की 80 फीसदी दुकानो पर मिलावटी सामान की भरमार है लेकिन हमारे अधिकारी चुप है आखिर क्योघ् मिलावट के इतने बड़े गोरख धन्धे को सरक्षंण देना अधिकारियो की मजबूरी है या शौक ! फ्लिहाल कुछ भी हो लेकिन नगर क्षेत्र में मिलावट का धन्धा चरम पर है।

डेंगू, वायरल, टाइफाइड से बीमार मरीज भले ही हों कम लेकिन खौफहै बरकरार

.आज समाचार सेवा.

पूरनपुर। डेंगूए टाइफाइड और वायरल के मरीज भले ही इस बार कम हुये हैंए लेकिन लोगों में इसका खौफबरकरार है। हालत यह है कि सामान्य बुखार में भी मरीज डेंगू की जांच करवा रहे हैं। रोगियों की भारी भीड़ के चलते जांच के लिए मरीजों को एक.दो दिन का इंतजार करना पड़ रहा है और उसके बाद ही इलाज शुरू हो पा रहा है। जिससे लोगो को और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

तहसील क्षेत्र में दिन मे गर्मी शाम ढलते ही ठंड बढ़ने से बुखार के रोगियों की सख्या में लगातार बढौत्तरी हो रही है। सरकारी व निजी अस्पतालों में बुखार के बाद के परेशान करने वाले लक्षणों के मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। इनमें अधिकतर वायरल व टाइफाइड से पीड़ित रोगी बताये जाते हैं। गत वर्षों को याद कर इनमें डेंगू का खौफइस कदर हावी है कि वह डेंगू का टेस्ट करवा रहे हैं। लोगो का कहना है कि बुखार प्रभावित सभी गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीमें नही पहुंची हैं। नगर पूरनपुर व आस.पास के गांवों में बड़ी संख्या में लोगों के वायरल व डेंगू की चपेट में होने की खबर से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। बुद्धजीवियों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को इस सम्बन्ध में ग्रामीण क्षेत्रों में जगह.जगह इससे संबंधित पोस्टर बैनर लगवाने चाहिएए जिससे लोग जागरूक हो सके। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर फॉगिंग भी नही की जा रही है। जिसके चलते मच्छरों सहित जहरीले कीटों की लगातार बढ़ौत्तरी हो रही है। समाजसेवी तफ्सीर खान उर्फ नईम खाँ का कहना है कि क्षेत्र में फैले बुखार का झोलाछाप भी खूब फायदा उठा रहे हैं। डेंगू के नाम पर लोगों से मोटी कमाई की जा रही है। कई झोलाछाप डाक्टरो ने तो डेंगू ठीक करने के नाम पर बाकायदा 14 हजार से 15 हजार रुपये तक के पैकेज बनाए हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था झोलाछाप डाक्टरों के भरोसे है। सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टरों और इलाज की उचित व्यवस्था नहीं है। ज्यादातर लोग झोलाछापों से ही उपचार कराते नजर आ रहे है। यहां आपको बता दे कि बुखार आने पर घबराने से पहले बुखार की पुष्टि न होने तक भ्रम न पालें और उसे डेंगू बुखार न माने। डेंगू बुखार आने पर सिर दर्दए तीव्र

पीलीभीत में धूमधाम से मनाई गई दीपावली, दीपों की रोशनी से जगमगाया शहर



पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में दीपों का पर्व दीपावली हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक घरोंए दुकानों और प्रतिष्ठानों को रंग.बिरंगी लाइटोंए फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया। शाम होते ही दीपों और रंग.बिरंगी झालरों की रोशनी से पूरा शहर जगमगा उठा। दीपावली के अवसर पर लोगों ने अपने घरों में विधि.विधान से भगवान श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा.अर्चना कर सुख.समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद घरों के आंगनए छतों और दरवाजों पर दीपक जलाए गए। बच्चों और युवाओं में पटाखों को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। वहीं बाजारों में भी पर्व की रौनक देखने को मिली। लोगों ने मिठाइयोंए खील.बताशेए पूजन सामग्री और सजावट के सामान की जमकर खरीदारी की। शहर के प्रमुख बाजारों और मोहल्लों में देर रात तक चहल.पहल बनी रही। लोगों ने एक.दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में गश्त की गई। कुल मिलाकर जनपद में दीपावली का पर्व पारंपरिक उत्साहए उमंग और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ।

दीपावली के दिन भी बाजारों में उमड़ी भीड़, लोगों ने जमकर की खरीदारी



पीलीभीत। दीपावली के पर्व पर शहर के बाजारों में रौनक देखते ही बनी। दीपावली वाले दिन भी बाजारों में सुबह से लेकर देर शाम तक खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने त्योहार की खुशियां मनाने के लिए जमकर खरीदारी की। कपड़ोंए पटाखोंए मिठाइयों और भगवान गणेश.लक्ष्मी की मूर्तियों की दुकानों पर ग्राहकों की विशेष भीड़ देखने को मिली। दीपावली को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया। महिलाओं और युवतियों ने अपनी पसंद के कपड़ों की खरीदारी कीए वहीं बच्चों और युवाओं ने पटाखे खरीदे। मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। इसके अलावा लोगों ने घरों में पूजा.अर्चना के लिए भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की आकर्षक मूर्तियां खरीदीं। बाजारों में सजी दुकानों और रंग.बिरंगी सजावट ने त्योहार की रौनक को और बढ़ा दिया। त्योहार के चलते शहर के प्रमुख बाजारों और चौराहों पर काफी चहल.पहल रही। दुकानदारों के चेहरों पर भी अच्छी बिक्री को लेकर खुशी दिखाई दी। देर शाम तक बाजारों में खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। कुल मिलाकर दीपावली के दिन भी बाजारों में जमकर खरीदारी हुई और पूरे शहर में त्योहार का उत्साह देखने को मिला।

पीलीभीत में हर तरफदिखी दिवाली की चमक, रात में पटाखों और रंग.बिरंगी लाइटों ने सजाया आसमान



पीलीभीत। जनपद में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही लोगों में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। शाम होते ही शहर के बाजारोंए घरोंए दुकानों और प्रतिष्ठानों में रंग.बिरंगी झालरों एवं आकर्षक लाइटों से जगमगाहट छा गई। हर तरफ दीपों की रोशनी और सजावट ने दिवाली की खुशियों को और भी खास बना दिया। रात के समय लोगों ने विधि.विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा.अर्चना कर सुख.समृद्धि की कामना की। इसके बाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने आतिशबाजी का आनंद लिया। आसमान में रंग.बिरंगे पटाखों की रोशनी और उनकी गूंज से पूरा शहर रोशन नजर आया। वहींए घरों की छतों और आंगनों में जलते दीपकों ने आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किया। शहर के प्रमुख बाजारों और मोहल्लों में देर रात तक रौनक बनी रही। लोगों ने एक.दूसरे को मिठाइयां खिलाकर और शुभकामनाएं देकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। कुल मिलाकर पीलीभीत में दीपावली का पर्व रोशनीए उत्साह और उल्लास के माहौल में संपन्न हुआ।

दीपावली 2026 का वैश्विक महाकुंभ! माँ लक्ष्मी का पृथ्वी पर भ्रमण!मां लक्ष्मी की कृपा पाने को जगमगाएंगे करोड़ों घर!अयोध्या से टाइम्स स्क्वायर व व्हाइट हाउस सहित पूरे विश्व में दीपों का महासागरएमां महालक्ष्मी की कृपा और भारतवंशियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक उत्सव!मां लक्ष्मी की आराधना से विश्वभर में गूंजेगा भारत! .समग्र व्यापक महा.विश्लेषण

गोंदिया . वैश्विक स्तरपर दीपावली केवल एक धार्मिक त्योहार नहींएबल्कि भारतीय सभ्यताएआध्यात्मिक चेतनाए आर्थिक समृद्धिएसामाजिक सद्भाव और विश्व सांस्कृतिक एकता का ऐसा महापर्व हैएजिसकी रोशनी अब भारत की सीमाओं को पार कर पूरी दुनिया में फैल चुकी है रविवार 8 नवंबर 2026 को कार्तिक अमावस्या के अवसर पर भारत सहित विश्व के अनेक देशों में दीपावली मनाई जाएगी।इस अवसर पर करोड़ों भारतवंशी अपने घरोंए मंदिरों व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों को दीपमालाओं से सजाकर मां महालक्ष्मी भगवान गणेश तथा भगवान श्रीराम की आराधना करेंगे।अयोध्या की पावन धरती से ल क र न्यूयॉर्कएलंदनएसिडनीएटोरंटोए सिंगापुर और दुबई तक भारतीय संस्कृति का प्रकाश दिखाई देगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस वर्ष की दीपावली का विशेष महत्व इसलिए भी है कि एक ओर यह दरिद्रता से संपन्नताएअज्ञान से ज्ञान और अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संदेश देती हैएवहीं दूसरी ओर विश्व समुदाय के सामने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक वैश्विक पहचान को प्रस्तुत करती है।

साथियों बात अगर हम दीपावली की धार्मिक मान्यताए मां महालक्ष्मी की कृपा और दरिद्रता से संपन्नता की ओर बढ़ने के आध्यात्मिक संदेश की करें तो भारतीय परंपरा में मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या की रात्रि मां लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और स्वच्छताए पवित्रताए सदाचार तथा श्रद्धा से परिपूर्ण घरों में उनका स्वागत किया जाता है। भक्तजन विश्वास के साथ मां लक्ष्मी से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवार से आर्थिक संकटए दरिद्रता और कष्ट दूर हों तथा घर में सुखएशांतिए स्वास्थ्यए धन.धान्य और समृद्धि का वास हो। दीपावली की रात्रि में लक्ष्मी पूजन का क्षण इसी आस्था का केंद्र होता है। मां महालक्ष्मी के आठ स्वरूपों की अवधारणा भी समृद्धि के व्यापक दर्शन को सामने रखतीहैआदिलक्ष्मी ~~विद्यालक्ष्मी धनलक्ष्मी धान्यलक्ष्मी~~ भोगलक्ष्मी और योगलक्ष्मी के माध्यम से यह संदेश मिलता है कि वास्तविक संपन्नता केवल बैंक खातेए सोने.चांदी अथवा भौतिक संपत्ति तक सीमित नहीं हैए बल्कि विद्याएसदाचारए स्वास्थ्यए सौभाग्यए संतोष और आध्यात्मिक उन्नति भी लक्ष्मी के ही सटीकता से व्यापक स्वरूप हैं।

साथियों इस दर्शन को प्रात: काल की प्रचलित प्रार्थना ष्करागग्रे वसते लक्ष्मी: करमध्ये सरस्वतीष् भी सुंदर रूप में अभिव्यक्त करती है। इसका भावार्थ है कि मनुष्य के हाथों में कर्मए ज्ञान और सदाचार की शक्ति विद्यमान है। अर्थात केवल मां लक्ष्मी से धन मांगना पर्याप्त नहींए बल्कि अपने हाथों से ईमानदार परिश्रम करनाए जरूरतमंदों की सहायता करना और किसी का अहित न करना भी आवश्यक है। दीपावली पर मां लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश की पूजा का भी यही गहरा संदेश है। लक्ष्मी समृद्धि की प्रतीक हैं और गणेश सद्बुद्धिए विवेक तथा शुभारंभ के अधिष्ठाता माने जाते हैं। धन के साथ सद्बुद्धि का संगम ही वास्तविक कल्याणकारी संपन्नता है। विवेकहीन धन अहंकारए अनैतिकता और विनाश का कारण बन सकता हैएजबकि ईमानदारी से अर्जित संपत्ति परिवारए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देती है।

साथियोंए बात अगर हम दीपावली के दूसरे महत्वपूर्ण धार्मिक पक्ष भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी की करें तो मान्यता है कि भगवान श्रीरामएमाता सीता और लक्ष्मणजी चौदह वर्षों का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर संपूर्ण नगरी को प्रकाशमय कर दिया था। तभी से दीपावली को धर्मए सत्यए न्याय और मर्यादा की विजय के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।इस प्रकार दीपावली के दो प्रमुख आध्यात्मिक संदेश सामने आते हैं। पहलाए मां महालक्ष्मी की आराधना के माध्यम से आर्थिक और आध्यात्मिक समृद्धि की कामना तथा दूसराएभगवान श्रीराम के आदर्शों के माध्यम से सत्यए कर्तव्यए न्याय और सुशासन की स्थापना। यही कारण है कि दीपावली घरों में पूजा का पर्व होने के साथ. साथ सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का भी महापर्व बन गई है।

साथियोंए बात अगर हम भारत के शासकीय प्रशासनिक और सार्वजनिक अवकाश की करें तो केंद्र सरकार की वर्ष 2026 की राजपत्रितअवकाश सूची में 8 नवंबर को दीपावली का अवकाश दर्ज है।लेकिन इस बार यह रविवार को पड़ रही है।केंद्र सरकार के अवकाश संबंधी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि साप्ताहिक अवकाश के दिन पड़ने वाले त्योहार के लिए सामान्यत:अतिरिक्त प्रतिपूर्ति अवकाश नहीं दिया जाएगा।हालांकि अलग. अलग राज्यों में सरकारी कार्यालयोंए बैंकोंए विद्यालयोंए महाविद्यालयों और स्थानीय संस्थानों के अवकाश संबंधी आदेश अलग हो सकते हैं। डाक विभाग की अखिल भारतीय अवकाश सूची में भी 8 नवंबर को दीपावली का अवकाश दर्ज है। इसका अर्थ है कि रविवार होने के कारण सामान्यत:सरकारी कार्यालयों विद्यालयों और अधिकांश संस्थानों में पहले से ही साप्ताहिक छुट्टी रहेगीए जबकि निजी प्रतिष्ठानों के नियम सटीकता से अलग हो सकते हैं।

साथियोंए बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्हाइट हाउस में दीपावली उत्सव की करें तो इस वर्ष एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 6 नवंबर 2026 को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में भारतीय. अमेरिकी समुदाय के प्रमुख सदस्योंएअधिकारियों और उद्योगपतियों के साथ दीपावली समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। इस कार्यक्रम में भारत के अमेरिका स्थित राजदूत विनय मोहन क्वात्राए प्रसिद्ध भारतीय शेफविकास खन्नाए उद्यमी विशाल गोंडलए आईबीएम के प्रमुख अरविंद कृष्णाए माइक्रोन के प्रमुख संजय मेहरोत्राए एफ्बीआई निदेशक काश पटेल तथा अमेरिका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक जय भट्टाचार्य सहित अनेक प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। उद्यमी विशाल गोंडल ने राष्ट्रपति ट्रंप को तुलसीदास रचित हनुमान चालीसा की प्रति भेंट की। इस आयोजन ने अमेरिकी प्रशासन के सर्वोच्च राजनीतिक कार्यालय में भारतीय संस्कृति की उपस्थिति को एक बार फिर रेखांकित किया।

साथियों बात अगर हम विश्व के विभिन्न देशों में बसे भारत वंशियों द्वारा दीपावली मनाने की करें तो भारतीय संस्कृति का यह पर्व अब अंतरराष्ट्रीय सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।अमेरिका में न्यूयॉर्कए न्यू जर्सीए कैलिफोर्नियाए शिकागो और टेक्सास जैसे क्षेत्रों में भारतीय समुदाय के लोग मंदिरोंए सामुदायिक केंद्रों और निजी आवासों में लक्ष्मी.गणेश पूजनए दीपदानए सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक भोज का आयोजन करते हैं।न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर सहित अनेक सार्वजनिक स्थलों पर भारतीय संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की चर्चा रहती है। कनाडा के टोरंटोए ब्रैम्पटन और वैंकूवर में भारतीय समुदाय दीपावली को परिवारएसामाजिक मेल. मिलापए संगीतए नृत्य और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाता है। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी और मेलबर्न में भी मंदिरों तथा भारतीय संगठनों के माध्यम से दीपावली के आयोजन होते हैं। सिंगापुर के लिटिल इंडिया क्षेत्र में दीपोंए सजावट और भारतीय व्यंजनों से उत्सव का वातावरण बनता है।ब्रिटेन के संदर्भ में इस बार एक महत्वपूर्ण अपडेटहै लंदन के ट्राफ्लगर स्क्वायर में 25 अक्टूबर को प्रस्तावित आधिकारिक दीपावली समारोह खराब मौसम और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण रद्द कर दिया गया था। इसलिए उसे 8 नवंबर को होने वाला निश्चित कार्यक्रम बताना सही नहीं होगा। दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात में दुबई के सुक अल सीफ में 7 और 8 नवंबर को नूर फेस्टिवल ऑफ लाइट्स आयोजित किया जा रहा है। इसमें प्रकाश की शोभायात्राए ढोलए संगीत और नृत्य प्रस्तुतियां शामिल हैं। दुबई के मिरेकल गार्डन में भी 7 नवंबर को भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों रंगोलीए दीप सजावट और रोशनी से जुड़ा विशेष आयोजन निर्धारित है। इन आयोजनों से स्पष्ट होता है कि भारतवंशी जहां भी बसे हैंए उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को जीवित रखा है और स्थानीय समाज को भी इस उत्सव से जोड़ने का प्रयास किया है।

साथियों बात अगर हम पर्यावरण संरक्षण और हरित दीपावली की करें तो उत्सव का वास्तविक आनंद तभी सार्थक है जब उससे दूसरे नागरिकोंए बच्चोंए बुजुर्गोंए पशु.पक्षियों और प्रकृति को नुकसान न पहुंचे। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली .एनसीआर के लिए 7 और 8 नवंबर को प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री तथा उपयोग की सीमित अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात्रि 8 से 10 बजे तक चलाए जा सकते हैं।अस्पतालोंएवृद्धाश्रमोंएशिक्षण संस्थानों औरअधिसूचित शांत क्षेत्रों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे चलाने पर रोक है। यह अस्थायी छूट केवल निर्धारित दो दिनों के लिए है और 9 नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध फिर बहाल होना है। यह आदेश विशेष रूप से दिल्ली. एनसीआर के लिए हैएइसे पूरे भारत में एक समान लागू आदेश नहीं समझना चाहिए। अन्य राज्यों में संबंधित स्थानीय प्रशासन के नियमों का पालन करना जरूरी है। मिट्टी के दीपकए प्राकृतिक रंगोलीए कम ध्वनि वाले उत्सव और जरूरतमंदों के बीच मिठाई तथा उपहार बांटना दीपावली की खुशियों को और सटिका से व्यापक बना सकता है।

साथियोंए बात अगर हम दीपावली के वैश्विक सांस्कृतिक और कूटनीतिक महत्व की करें तो आज यह पर्व भारत की सांस्कृतिक पहचानएप्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संवाद का माध्यम बन चुका है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप का दीप प्रज्वलनए अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की रामलीलाएदुबई के सार्वजनिक उत्सव और विभिन्न देशों में भारतीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी इस सांस्कृतिक विस्तार के उदाहरण हैं।दीपावली हिंदू समुदाय के साथ. साथ जैन और सिख परंपराओं में भी विशेष महत्व रखती है। जैन धर्म में भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में दीपावली का महत्व हैए जबकि सिख इतिहास में यह बंदी छोड़ दिवस के रूप में स्मरण किया जाता है। इस प्रकार विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं प्रकाशए स्वतंत्रताए आत्मज्ञान और सद्भाव के संदेश को अपने. अपने तरीके से अभिव्यक्त करती हैं।

दीपावली की एक रात, विश्वभर में भारतीय संस्कृति का विराट प्रकाश! मां महालक्ष्मी की कृपा से संपन्नता की कामना, अयोध्या का दीपोत्सव और ट्रंप के व्हाइट हाउस तक दिवाली की गूंज ! लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में माँ लक्ष्मी अपनी कृपा दृष्टि बरसाने निकली हैए जिसपर नज़र पड़ी उसकी किस्मत निहाल धन धान्य से मालामाल ऐसी मान्यता है . एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 8 नवंबर 2026 की दीपावली केवल दीपों की जगमगाहटएमिठाइयों की मिठास और लक्ष्मी पूजन तक सीमित नहीं है। यह भारत की आध्यात्मिक विरासतएभगवान श्रीराम के आदर्शोंए मां महालक्ष्मी की आराधनाए आर्थिक आत्मनिर्भरताए सामाजिक एकता और वैश्विक सांस्कृतिक पहचान का संगम है। हमें मां लक्ष्मी से केवल धन नहींए बल्कि ऐसी समृद्धि मांगनी चाहिए जिसमें विद्याए स्वास्थ्यए ईमानदारीए सद्बुद्धि और दूसरों के प्रति संवेदना भी शामिल हो।भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने परिवारए समाज और राष्ट्र में सत्यए न्याय और सद्भाव के दीप जलाने चाहिए। आइएए इस दीपावली पर हम संकल्प लें कि किसी जरूरतमंद के घर भी खुशियों का दीप पहुंचेए किसी गरीब बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आएए किसी परिवार की निराशा दूर हो और मानवता का प्रकाश सीमाओं से ऊपर उठकर पूरी दुनिया को आलोकित करे।मां महालक्ष्मी सभी के घरों में सुखए शांतिए स्वास्थ्यए सद्बुद्धि और समृद्धि का प्रकाश फैलाएं। भगवान श्रीराम के आदर्शों से विश्व में सत्यए न्याय और मानवता की स्थापना हो।सभी भारत वासियोंए प्रवासी भारतीयों और विश्व समुदाय को दीपावली 2026 की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाएं!

.कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए ;एटीसीद्ध एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

पीलीभीत में फिर चमका छतरी चौराहा, आस्था अग्रवाल ने किया उद्घाटन

पीलीभीत। शहर के प्रमुख छतरी चौराहे का सौंदर्यीकरण कार्य पूरा होने के बाद एक बार फिर इसकी रौनक लौट आई है। नए स्वरूप में तैयार छतरी चौराहा आकर्षण का केंद्र बन गया है। चौराहे की सुंदरता और सजावट ने शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए हैं। छतरी चौराहे के नए स्वरूप का उद्घाटन आस्था अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों और गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही। उद्घाटन के साथ ही चौराहे को आमजन के लिए आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया। शहर के प्रमुख स्थानों में शामिल छतरी चौराहे की नई सजावट से स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। चौराहे का बदला हुआ स्वरूप राहगीरों और शहरवासियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने इसके सौंदर्यीकरण की सराहना करते हुए इसे शहर की सुंदरता बढ़ाने वाला सराहनीय प्रयास बताया। छतरी चौराहे के नए स्वरूप से पीलीभीत की शहरी सुंदरता को एक नई पहचान मिलने की उम्मीद है।



इस दीपावली पर पूजन गाय के गोबर से बने लक्ष्मी गणेश और दीपक से करें

पुवाया शाहजहांपुर। नगर पुवायां में गौभक्त उद्योगपति संजीव मेहरोत्रा भट्टे वाले सबके चिर परिचित हैं, समाजसेवी हैं, सबकी मदद करते रहते हैं, यह तो सब लोग जानते हैं, वह अपनी एक देसी गौवंश की गौशाला भी चलाते हैं, गौशाला कैसे स्वावलंबी हो, इस विचार करते हैं और एक परिचित महिला को गोबर से प्रोडेक्ट बनाने की ट्रेनिंग दिलवाते हैं, और इस समय वहां गाय के गोबर सेबनी लक्ष्मी गणेश, दीपक तथा अन्य उत्पाद बनायें जा रहें हैं। अभी हाल में ही विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय का प्रवास था, इस दौरानउन्होंने यह सब देखा और इस पुनीत कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता के द्वारा कहा गया कि हम सब संजीव मेहरोत्रा को अच्छा कार्य करने पर बहुत बहुत साधुवाद देते हैं। वह इसी तरह धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहें।

युवाओं के बीच चलाई गई श्कचरा हटाओ, हरित भविष्य बनाओश् मुहिम

पीलीभीत। युवाओं को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से श्कचरा हटाओ और हरित भविष्य बनाओश् मुहिम चलाई गई। इस अभियान के माध्यम से युवाओं को अपने आसपास साफसफाई रखनेए कचरे का उचित निस्तारण करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया गया। मुहिम के तहत युवाओं को बताया गया कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहींए बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। लोगों से अपील की गई कि वे सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं और गीले व सूखे कचरे को अलग.अलग एकत्रित करें। साथ ही प्लास्टिक के कम से कम उपयोग और अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

दीपावली भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं
एल.एच. शुगर फैक्ट्रीज लि. पीलीभीत
दीपावली की पावन बेला पर क्षेत्र के समस्त गन्ना कृषकों, गन्ना सोसाटी के निदेशक, जिला प्रशासन के अधिकारियों, फैक्ट्री कर्मचारियों व क्षेत्रवासियों को चीनी मिल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।
चीनी मिल की उपलब्धियों
1.रिफाइन्ड शुगर का उत्पादन पेराई सत्र 2023-24 से।
2-किसान भाईयों को समय पाबन्द गन्ना मूल्य भुगतान।
3-विद्युत उत्पादन व ग्रिड को सप्लाई करके राष्ट्रहित में योगदान।
4-ऐथनाल उत्पादन कर राष्ट्रहित में योगदान।
किसान भाइयों से अपील
किसान भाई रोगग्रस्त गन्ना सप्लाई न करें। बोने से पहले बीज को शोधित करवायें व ताजा जड़ अगौला रहित गन्ना फैक्ट्री को सप्लाई करें। किसान भाई बिना सप्लाई टिकट (पर्ची) के अपने गन्ने की छिलाई न करें।
आइये इस दीपावली के शुभ अवसर पर दृढ संकल्प लें कि हम सब क्षेत्र के विकास में अपना योगदान देंगे।
जी.पी.गोयल
उपाध्यक्ष (शुगर)
पी.के. सिंह
बिजनेस हेड

आलौकिक दीपोत्सव

आराध्य प्रभु श्रीरामकी पावन नगरी उत्तर प्रदेशके अयोध्यामें आयोजित दसवां दीपोत्सव न केवल ऐतिहासिक रहा, बल्कि इसकी भव्यताने इसे अलौकिक बना दिया। अयोध्या एक बार फिर अद्भुत आध्यात्मिक उल्लास, भक्ति और प्रकाशके महासागरमें परिवर्तित हो गया। सरयूके पावन तटपर जब लाखों दीपक एक साथ प्रज्वलित हुए तो ऐसा प्रतीत हो रहा था कि धरतीपर तारोंका संसार उतर आया है। रामकी पैड़ी सहित ५६ घाटोंपर एक साथ ३० लाख सात हजार ५१८ दीपक जलाये गये। शनिवारको सायंकाल पहला दीपक उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णनने जलाया। दीपोंकी अविरल श्रृंखलाने पूरी रामनगरीको अलौकिक आभासे भर दिया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतकी सांस्कृतिक चेतना, सनातन परम्परा और सामूहिक जन-भागीदारीका विराट प्रदर्शन बन गया। सूर्यास्तके साथ एक-एक करके दीप प्रज्वलित होने लगे और कुछ ही समयमें सम्पूर्ण घाट क्षेत्र स्वर्णिम प्रकाशसे जगमगा उठे। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर परिसर भी एक लाख दीयोंसे आलोकित हुए। आयोजनको सफल बनानेमें ३५ हजारसे अधिक स्वयंसेवकोंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इस बार दीपोत्सवमें भगवान श्रीरामके अयोध्या आगमन और राज्याभिषेककी परम्परागत कथाको विशेष आकर्षणके साथ प्रस्तुत किया गया। शोभा यात्रामें रामायणके विभिन्न प्रसंगोंपर आधारित २१ झाकियां भी आकर्षणका केन्द्र रहीं। ढोल-नगाड़ों शंखनाद और जय श्रीरामके उद्घोषके बीच शोभायात्रा रामपथसे होती हुई रामकथा पार्क पहुंची। आधुनिक तकनीक और पारम्परिक आस्थाका अद्भुत समन्वय इस बारके दीपोत्सवकी विशेष उपलब्धि रही। २१०० स्वदेशी ड्रोनोंकी सहायतासे आसमानमें रामायणके विभिन्न प्रसंगोंका मनमोहक प्रदर्शन किया गया था। लेजर शो और आतिशबाजीने आयोजनकी भव्यता बढ़ा दी। दीपोत्सवकी सबसे बड़ी विशेषता व्यापक जन-भागीदारी रही। छात्रों, स्वयंसेवकों, कलाकारों, संतों और स्थानीय नागरिकोंका विशेष योगदान रहा। अयोध्यामें दीपोत्सवकी शुरुआत २०१७ में हुई और अब यह निरन्तर आयोजित हो रहा है। इससे पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्थाको प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या अब केवल धार्मिक तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, आस्था, सांस्कृतिक चेतना और पर्यटनका महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया है। यह दीपोत्सव अब धार्मिक आयोजनसे आगे बढ़कर भारतकी कूटनीति, पर्यटन विकास, स्थानीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय पहचानका महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। दीपोत्सवके आयोजनकी भव्यता जन-जनकी भावनाओंसे जुड़ गयी है।

सेवानिवृत्ति और प्रतिष्ठा

सर्वोच्च न्यायालयका छत्तीसगढ़ सरकारके पांच कर्मचारियोंके अनिवार्य सेवानिवृत्तिके फैसलेको बरकरार रखना उचित और अनुपयोगी कर्मचारियोंके लिए बड़ा सन्देश है। अनिवार्य सेवानिवृत्ति कोई दण्ड नहीं है और न तो इसे प्रतिष्ठाका प्रश्न बनाया जा सकता है। इस सम्बन्धमें कोर्टका यह कहना महत्वपूर्ण है कि अनिवार्य सेवानिवृत्तिका आदेश देना न तो दण्डात्मक होता है और न ही इससे उन कर्मचारीकी प्रतिष्ठापर आंच आती है। यानी ऐसे आदेशसे कर्मचारीके आचरणपर कोई आक्षेप नहीं लगता और न ही वह किसी कदाचारका दोषी पाया गया है। इस सन्दर्भमें न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति श्री चन्द्रशेखरकी पीठका यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि ऐसा फैसला सक्षम अधिकारीके इस आकलनपर आधारित होता है कि सम्बन्धित कर्मचारीको सेवामें बनाये रखना अब जनहितमें नहीं है। इससे एक बात स्पष्ट हो जाती है कि सरकारी विभागोंमें कर्मचारियोंकी नियुक्ति जनताकी सेवा और सरकारी कार्यको सुचारु रूपसे चलानेके लिए की जाती है। ऐसी स्थितिमें यदि कोई कर्मचारी उपयोगी नहीं रह जाता तो उसे पदपर बनाये रखनेका औचित्य ही क्या है। हालांकि ऐसे आकलन केवल अटकलों या मनमर्जीपर आधारित नहीं हो सकता। इसके लिए रिकार्डमें उपलब्ध ठोस और प्रासंगिक सामग्रीका होना जरूरी है। कोई कर्मचारी मात्र इस आधारपर अनिवार्य सेवानिवृत्तिके आदेशको चुनौती नहीं दे सकता कि समान सेवा रिकार्ड वाले किसी अन्य अधिकारीके खिलाफ ऐसी कारर्वाई नहीं की गयी है, क्योंकि किसी अधिकारीकी उपयोगिता समाप्त हो गयी है या उसे सेवामें बनाये रखना प्रशासनिक दक्षताके लिए नुकसानदेह होगा, इसका अन्तिम आकलन करना कार्यपालिकाका अधिकार है। इसलिए इसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। किसी भी कर्मचारीको सेवामें बनाये रखना जनहितमें होना चाहिए, केवल पद भरनेके लिए नहीं।

लोक संवाद

अति आत्मविश्वास

महोदय,-उत्तर प्रदेशकी चुनावी बिसातपर केन्द्रीय स्वराष्ट्रमंत्री अमित शाहने लखनऊमें आयोजित भाजपाकी प्रदेश कार्यसमितिकी बैठकसे विपक्षको एक बेहद तीखा और आक्रामक संदेश दिया। शाहने मंचसे घोषणा की कि उत्तर प्रदेशमें भारतीय जनता पार्टीकी सरकार अंगदके पैरकी तरह मजबूतीसे जमी हुई है, जिसे कोई भी विरोधी ताकत हिला नहीं सकती। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावोंके लिए भाजपाके संघटनिक अति-आत्मविश्वासका जीवंत प्रमाण तो है ही, लेकिन साथ ही यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं और ऐतिहासिक सचसे परे एक राजसी अहंकारको भी प्रदर्शित करता है। स्वराष्ट्रमंत्रीका यह रूपक उत्तर प्रदेशमें मजबूत कानून-व्यवस्था और व्यापक संघटनिक मशीनरीके बलपर उपजे उस राजनीतिक घमंडको दिखाता है, जो जनताकी बदलती सोचको नजरअंदाज करनेकी भूल करता है। इतिहास गवाह है कि लोकतांत्रिक व्यवस्थामें कोई भी दल या सरकार स्थायी नहीं होती। जनताका एक वोट बड़ेसे बड़े राजनीतिक गढ़को पलभरमें ढहानेकी ताकत रखता है, परन्तु सत्ताके गलियारोंमें बैठे नेताओंको अक्सर यह गुमान हो जाता है कि उनका किला अभेद्य है। लखनऊके इस संबोधनमें स्वराष्ट्रमंत्रीने अयोध्याके राम मंदिरका उल्लेख करते हुए विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेसपर तीखा प्रहार किया। उन्होंने एक स्पष्ट तुलना प्रस्तुत करते हुए विपक्षको पुरानी घटनाओंपर घेरा और अपनी उपलब्धियोंको सर्वोपरि बताया। शाहने कांग्रेस और सपाके शीर्ष नेतृत्वको खुली चुनौती देते हुए कहा कि भाजपा विशेष सत्रमें हर एक मुद्देपर सीधी चर्चाके लिए तैयार है। मंचसे गूंजती यह चुनौती जितनी विपक्षके लिए थी, उतनी ही उसमें खुदको अपराजेय माननेका दंभ भी छिपा हुआ था। शाहने दावा किया कि बदलते उत्तर प्रदेशके दमपर भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमतके साथ सरकार बनाने जा रही है और समान नागरिक संहिताको लागू करेगी। लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि लोकतंत्रकी सबसे बड़ी खूबी यही है कि यहां सत्ताएं आती-जाती रहती हैं। इंदिरा गांधीके आपातकालके दौरसे लेकर हालके वर्षोंमें बड़े-बड़े राजनीतिक सूरमाओंके पतनतक, भारतीय लोकतंत्रने बार-बार साबित किया है कि जनता जब करवट बदलती है तो अंगदके पैरका दावा करने वाली ताकतें भी उखड़ जाती हैं। एक सजग लोकतंत्रमें इस तरहके घमंडभरे बयानोंको जनता अपनी ताकतके अपमानके रूपमें भी देख सकती है, क्योंकि यहां अंतिम निर्णय किसी नेताके दावेसे नहीं, बल्कि आम नागरिककी अंगुलीकी एक चोटसे ईवीएम मशीनपर तय होता है। अमित शाहका यह अंगदका पैर वाला बयान जहां संघटनिक स्तरपर कार्यकर्ताओंको लामबंद करनेका एक प्रयास है, वहीं दूसरी ओर यह सत्ताके उस चरम अहंकारको भी बेनकाब करता है जो खुदको जनताकी अदालतसे ऊपर समझनेकी भूलकर बैठता है। चुनावी बिसातपर दावे चाहे जो भी किये जायं, परन्तु असली फैसला तो जनताकी मर्जीसे ही तय होगा, जो लोकतंत्रकी वास्तविक मालिक है। **-सूर्यदीप कुशवाहा, वाराणसी।**

चिन्तनीय प्रदूषण पर राजनीति

त्योहार खुशियां बांटनेके लिए होते हैं, सांसोंमें जहर घोलनेके लिए नहीं। यदि उत्सवकी चमकके पीछे आसमान धुएंसे भर जाय, बच्चों और बुजुर्गोंका दम घुटने लगे तथा आम आदमी स्वच्छ हवाके लिए तरसने लगे तो हमें अपनी उत्सव परम्पराओं और सामाजिक जिम्मेदारियोंपर गम्भीरतासे विचार करना होगा।

❐ ललित गर्ग

आज प्रदूषण जैसी जीवन-मरणकी समस्यापर राजनीतिका धुआं छाने लगा है। जब लोगोंकी सांसें संकटमें हों, तब धर्म, जाति और राजनीतिक विचारधाराओंके चश्मेसे समस्याको देखना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनताका प्रमाण भी है। अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्जाने पटाखोंसे होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषणके प्रति जागरूकताका संदेश दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने अपने पर्यावरण अनुकूल अभियानमें उनका वीडियो जारी किया, लेकिन राजनीतिक विवादके बाद उसे हटा दिया गया। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रदूषणके खिलाफ आवाज उठाना आखिर विवादका विषय कैसे बन गया। किसी कलाकारका पर्यावरण संरक्षणके पक्षमें बोलना किसी धर्म या त्योहारका विरोध कैसे हो सकता है। मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा वीडियो दोबारा जारी करनेका निर्देश इस बातका संदेश है कि जनहितकी आवाजको राजनीतिक दबावके आगे दबाया नहीं जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण किसी व्यक्ति, दल या धर्मकी जागीर नहीं, बल्कि समूचे समाजकी साझा जिम्मेदारी है।मुंबईका उदाहरण स समस्याकी गम्भीरताको ैर उजागर करता है। सामान्यत: समुद्रकी हवाओं और भौगोलिक स्थितिके कारण मुंबईको दिल्लीकी तुलनामें अपेक्षाकृत बेहतर वायु संचारका लाभ मिलता है, लेकिन अब वहां भी प्रदूषणका संकट गहराने लगा है। बीएमसीकी पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट २०२५-२६ के अनुसार मुंबईके १४ वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्रोंमेंसे १३ पर पीएम-१० का वार्षिक औसत स्तर राष्ट्रीय निर्धारित सीमा ६० माइक्रोग्राम प्रति घनमीटरसे अधिक पाया गया। चेंबूर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्समें यह स्तर १२५ माइक्रोग्रामतक पहुंच गया। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि महानगरीय विकासकी उस दिशापर प्रश्नचिह्न है जिसमें इमारतें तो ऊंची होती जा रही हैं, लेकिन लोगोंके हिस्सेकी स्वच्छ हवा छोटी होती जा रही है। यह समझना आवश्यक है कि मुंबई हो या दिल्ली, प्रदूषणका पूरा दोष केवल दीपावलीके पटाखोंपर डालकर हम अपनी जिम्मेदारीसे मुक्त नहीं हो सकते। निर्माण स्थलोंसे उड़ती धूल, सड़कोंपर जमा मिट्टी, वाहनोंका धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाना और कमजोर शहरी नियोजन इसके बड़े कारण हैं। पटाखे प्रदूषणकी समस्याको त्योहारोंके दौरान और गम्भीर बनाते हैं, लेकिन प्रदूषणका स्रोत वर्षभर सक्रिय रहता है। इसलिए केवल दीपावलीके आसपास प्रतिबंध लगाना और फिर शेष वर्ष आंखें मूंद लेना समस्याका समाधान नहीं, बल्कि मौसमी सक्रियताका प्रदर्शन है। मुंबईमें १३ निगरानी केन्द्रोंका राष्ट्रीय मानकसे ऊपर होना बताता है कि समुद्री हवाओंके भरोसे पर्यावरणकी रक्षा नहीं की जा सकती। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रकी स्थिति तो और भी चिन्ताजनक है। सर्दियोंकी शुरुआत होते ही तापमानमें गिरावट, हवाकी धीमी गति और वातावरणमें प्रदूषकोंके ठहरावसे वायु गुणवत्ता तेजीसे बिगड़ती है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबादके नागरिक हर वर्ष इस जहरीले वातावरणका सामना करते हैं। सुबहकी सैर स्वास्थ्यका माध्यम बननेके बजाय जोखिम बन जाती है। बच्चोंको खांसी, बुजुर्गोंको सांस लेनेमें परेशानी और पहलेसे बीमार लोगोंको अस्पतालोंके चक्कर लगाने पड़ते हैं। जिस हवामें जीवनका संगीत होना चाहिए, उसमें जब प्रदूषणका जहर घुल जाय तो विकासके तमाम दावे बेमानी लगने लगते हैं। इस संदर्भमें सर्वोच्च न्यायालयकी सक्रियता महत्वपूर्ण है। लेकिन प्रश्न यह है कि आदेश कागजपर सख्त और सड़कोंपर बेअसर क्यों रह जाते हैं। कानून बनाना पर्याप्त नहीं, उसका निष्पक्ष और कठोर क्रियान्वयन भी जरूरी है। यदि नियम तोड़ने वालोंको राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनताका लाभ मिलता रहा तो न्यायालयोंके निर्देश भी धुएंमें उड़ते रहेंगे। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब दीया मिर्जा जैसी अभिनेत्री पर्यावरण संरक्षणका संदेश देती हैं तो उनके संदेशको राजनीतिक विवादमें उलझा दिया जाता है। मुंबई उच्च न्यायालयने ३ नवंबरको बीएमसीको उनका हटाया गया वीडियो दोबारा अपलोड करनेका निर्देश दिया और स्पष्ट किया कि पर्यावरणके मुद्देको राजनीतिक या सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। न्यायालयकी यह टिप्पणी हमारे लोकतांत्रिक विवेकको झकझोरने वाली है। आज आवश्यकता है कि सरकारें, न्यायपालिका, नगर निकाय, राजनीतिक दल, उद्योग जगत, सामाजिक संघटन और आम नागरिक एक साझा संकल्पके साथ आगे आयें। निर्माण स्थलोंपर धूल नियंत्रण हो, वाहनोंके उत्सर्जनपर कठोर निगरानी हो, सार्वजनिक परिवहन मजबूत बने, कचरा जलानेपर रोक लगे और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगोंकी जवाबदेही तय हो। साथ ही नागरिक भी कचरा जलाने और निजी वाहनोंके अंधाधुंध इस्तेमालसे बचें। अंतत: सवाल यह नहीं है कि दीपावलीपर पटाखे चलें या न चलें, सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियोंको स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पायंगे। राजनीतिकी अपनी जगह है, धर्म और परम्पराओंका अपना महत्व है, लेकिन जीवनसे बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्यसे बड़ी कोई परम्परा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसीकी जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ोंमें प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। दीपावलीके दीप जलें, घर-आंगन रोशन हों, खुशियां बिखरें, लेकिन किसीकी सांसोंमें अंधेरा न उतरे। यही समयकी पुकार है।



सवाल यह है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियोंको स्वच्छ हवा और सुरक्षित जीवन दे पायंगे। राजनीतिकी अपनी जगह है, धर्म और परम्पराओंका अपना महत्व है, लेकिन जीवनसे बड़ा कोई उत्सव और स्वास्थ्यसे बड़ी कोई परम्परा नहीं हो सकती। याद रखना होगा कि प्रदूषण किसीकी जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधारा देखकर फेफड़ोंमें प्रवेश नहीं करता। हवा सबकी साझा है और उसका संकट भी सबका साझा संकट है। यही समयकी पुकार है और यही सच्चे उत्सवका विवेकपूर्ण अर्थ है।

बच्चोंमें बढ़ता हिंसक व्यवहार

बच्चोंकी सुरक्षाका प्रश्न सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनियातक फैला हुआ है। बाल सुरक्षाका अर्थ केवल शारीरिक शोषणसे बचाना नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक और डिजिटल दुनियामें भी सुरक्षित वातावरण देना है।

❐ डा. अर्चना शर्मा

भारतमें बच्चोंकी सुरक्षाके सामने कई तरहकी चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्यसे जुड़ी समस्याएं बच्चोंके अधिकारों और विकासको प्रभावित करती हैं। भारतमें बच्चोंकी सुरक्षाके लिए कई कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधोंसे संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, २०१२ बच्चोंके विरुद्ध यौन अपराधोंको रोकने और उनसे जुड़े मामलोंमें कारर्वाइका कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकोंकी देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, २०१५ कानूनसे संघर्षरत बच्चों और देखरेखकी जरूरत वाले बच्चोंके संरक्षण, पुनर्वास तथा पुन: समाजीकरणकी व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चोंकी देखभाल और संरक्षणसे जुड़ी सेवाओंको मजबूत करनेका प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन १०९८, २४ घंटे संकटमें फंसे बच्चोंतक सहायता पहुंचानेके लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा ११२ से एकीकृत है। सरकारने २०२५ में मिशन वात्सल्य पोर्टलको भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षणसे जुड़े विभिन्न विभागोंके बीच समन्वय बेहतर हो सके। लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीनपर बच्चोंतक पहुंचें। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरोके २०२२ के आंकड़ोंके अनुसार देशमें बच्चोंके विरुद्ध अपराधके १,६२,४४९ मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समयपर सहायताकी आवश्यकताको भी रेखांकित करती है। बच्चोंके साथ होने वाले अपराधोंकी रोकथामके साथ-साथ उन परिस्थितियोंको समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहारकी ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। हालके वर्षोंमें स्कूलों और सार्वजनिक स्थानोंपर कम उम्रके बच्चोंके बीच मारपीट, धमकी, समूहमें किसी बच्चेको निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहारकी खबरें चिन्ता पैदा करती हैं। हालांकि ऐसी घटनाओंके आधारपर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि १३ वर्षसे कम उम्रके सभी बच्चोंमें हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ोंकी जरूरत है। फिर भी किसी बच्चेका बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्रीका संपर्क या साथियोंका दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। मीडिया और ऑनलाइन गेमिंगकी भूमिकापर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकोंके अनुसार एकल परिवारोंमें माता-पिता बच्चोंको ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइलपर अपना समय व्यतीत करते हैं। परन्तु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिताकी निगरानीके बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चोंको कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजनके अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानीके हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहारके लगातार संपर्कमें रहना चिन्ताका विषय हो सकता है। यदि कोई बच्चा गेममें बार-बार हिंसाको समस्या सुलझानेका तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवनमें किसी विवादके दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है तो अभिभावकों और शिक्षकोंको उसके व्यवहारपर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेमपर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चेको यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनियामें दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवनमें स्वीकार्य नहीं है। उम्रके अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइमकी सीमाएं, आनलाइन मित्रों और चैटकी निगरानी तथा खुले संवादसे जोखिम कम किया जा सकता है इस जिम्मेदारीका पहला केन्द्र परिवार है। माता-पिता बच्चोंके लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहारके सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं। घरमें गाली-गलौज, अपमान, मारपीट या हर समस्याका समाधान गुस्सेसे करनेका तरीका बच्चोंपर असर डाल सकता है। बच्चेको सुनना, उसकी भावनाओंको पहचानना, गलतीपर शांतिपूर्वक समझाना और हिंसाके बजाय संवादका रास्ता दिखाना जरूरी है। यदि बच्चा लगातार चिड़चिड़ा, भयभीत, अलग-थलग या आक्रामक हो रहा है तो उसे दंडित करनेसे पहले कारण समझने और आवश्यकता पड़नेपर परामर्श लेनेकी जरूरत है।स्कूलों और समाजकी भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यालयोंमें बुलिंग-विरोधी स्पष्ट नीति, संवेदनशील शिक्षक, भरोसेमंद शिकायत व्यवस्था और काउंसलिंगकी सुविधा होनी चाहिए। पड़ोस, खेल समूह, मीडिया संस्थान और डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चोंके प्रति जिम्मेदार व्यवहारको बढ़ावा दें। किसी बच्चेके साथ दुर्व्यवहार या हिंसाकी घटनाको 'बच्चोंकी आपसी बात' कहकर टालना गलत है। बच्चेको सुरक्षित तरीकेसे बोलनेका अवसर देना और उसकी शिकायतको गम्भीरतासे लेना समाजका दायित्व है। यह समझना आवश्यक है कि बाल सुरक्षाका अर्थ केवल किसी घटनाके बाद कारर्वाई करना नहीं, बल्कि ऐसे वातावरणका निर्माण करना है, जहां जोखिमोंको पहले पहचाना जाय, बच्चोंकी बात सुनी जाय और उन्हें सहायता मांगनेका भरोसा मिले।



प्रकृतिकी अर्चना

❐ रघोत्तम शुक्ल

दीपावलीकी आगली तिथि यानी कार्तिक शुक्ल प्रतिपदाको गोवर्द्धन पूजाका पर्व मनाया जाता है। इसका उद्गम भगवन श्रीकृष्ण द्वारा इन्द्रके कोपके परिणाम स्वरूप ब्रजमें हुई अतिवृष्टिसे ब्रज वासियोंकी रक्षामें विद्यमान है, जो उन्होंने गोवर्द्धन पर्वतको अपने बायें हाथकी कनिष्ठिका अंगुलीपर उठाकर की थी। श्रीमद्भागवत पुराणके दशम् स्कंधमें आयी कथाके अनुसार कंस द्वारा प्रायोजित किये जा रहे उपद्रवोंसे ऊबकर श्रीकृष्ण और बलराम सहित समस्त ब्रजवासी गोकुलसे पब्रजन कर वृंदावन आ गये थे। श्रीकृष्णने देखा एक दिन नंद बाबा सहित समस्त ब्रजवासी एक याज्ञिक अनुष्ठान और विशाल पूजनका आयोजन कर रहे हैं। भगवान कृष्णके पूछनेपर नंद बाबा एवं अन्यने बताया कि हम लोग इंद्रदेवकी पूजाकी तैयारी कर रहे हैं। वे हमें वृष्टि देते हैं और इससे हमारी कृषि समृद्ध होती है। श्रीकृष्णने उन्हें कर्मके सिद्धान्त बताये, साथ ही दैवका अवलम्बन एवं पूजन छोड़ प्रकृति एवं समष्टिकी अर्चना एवं सम्मान करनेपर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह गोवर्द्धन पर्वत हमारी जीविकाका प्रत्यक्ष रक्षक है। हमारे गोधनको चारा देता है और हमारा हर भांति आश्रय है। क्यों न हम इन्द्रकी पूजा छोड़ गोवर्द्धन पर्वतकी समर्चना करें। ब्राह्मणोंको भोजन एवं दान अर्पित करें। गीतामें भी भगवानने 'योग: कर्मसु कौशलम्' कहा है और कर्मोपदेश दिया है। वैसे भी इन्द्र एक भोगी देवता हैं, जिन्होंने गौतम ऋषिकी पत्नी अहल्यासे छल कर समागम किया और ऋषि द्वारा अभिशप्त किये गये। श्रीकृष्णके समझानेपर ब्रजवासी मान गये और इन्द्र पूजा छोड़ उक्तानुसार गिरि, गो, विप्र आदिका पूजन, सम्मान आदि करके दान, गिरि परिक्रमा की गयी। उधर अपनी अवहेलना देख इन्द्रने कुपित हो प्रलय कालीन मेघोंके गण 'सांवर्तक' को बुला लिया और ब्रजमें अति वृष्टि प्रारम्भ करनेका आदेश दे दिया। ब्रजमें त्राहि-त्राहि मच गयी। तब भगवान कृष्णने अपनी बाएं हाथकी छोटी अंगुलीपर गोवर्द्धन उखाड़ कर धारण कर लिया और उससे हुए विशाल गड्ढेमें सभी ब्रजवासियोंको गोधन सहित आश्रय लेनेको कहा। ऐसा ही हुआ और सबकी रक्षा हो गयी। अंतत: एक सप्ताहतक वृष्टि करके इन्द्र पस्त हो गये और वृष्टि बंद कर दी। ब्रजवासी मुदित हो अपनी सामान्य स्थितिमें आ गये। गोवर्द्धन पूजाका यही पौराणिक वृत्तांत आधार है, जो इस वर्ष १० नवम्बरको है। चूंकि अमावस्या ९ तारीखकी दोपहरतक है, अत: उदया तिथिको मान्यता देते हुए प्रतिपदा १० को होगी। गोवर्द्धन पूजा उसी दिन होगी।

संघटनात्मक शक्ति विस्तार की ओर विपक्ष

❐ रोहित माहेश्वरी

हालमें दिल्लीके ऐतिहासिक रामलीला मैदानमें 'इंडिया' ब्लॉक द्वारा आयोजित महारैली देशके राजनीतिक हलकोंमें तीखी बहसका केन्द्र बनी हुई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और 'वोट चोरी' के आरोपों एवं मतदाता सूचीमें गड़बड़ीके खिलाफ बुलायी गयी इस रैलीमें विपक्षने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। 'वोट चोरी' रैली सफल रही अथवा नहीं रही, इसपर पक्ष-विपक्षके अपने अपने तर्क हैं। विपक्षकी ओरसे दावा किया जा रहा था कि रैलीमें करीब दस लाख लोग पहुंचेंगे, लेकिन धरातलपर मैदानका लगभग ४० फीसदी हिस्सा खाली दिखाई दिया। राजनीतिक विश्लेषकोंके एक वर्गका मानना है कि विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे तकनीकी मुद्दे जैसे मतदाता सूची पुनरीक्षण या संस्थागत अनियमितताएं आम जनताको सीधे प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। यही कारण है कि २१ विपक्षी दलोंके एक साथ आनेके बावजूद आम नागरिकोंकी भागीदारी बेहद सीमित रही। बीजेपी नेताओंका आरोप है कि चुनावमें बार-बार मिल रही हार और जनता द्वारा खारिज किये जानेके बाद, यह रैली केवल विपक्षकी राजनीतिक हताशाको बाहर निकालनेका एक माध्यम मात्र थी, जिससे उन्हें कोई जमीनी लाभ नहीं मिला।हां इस रैलीके माध्यमसे इंडिया ब्लाक एक संदेश देनेमें सफल रहा कि कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्तके खिलाफ 'देशद्रोह' का केस चलाया जायगा और उन्हें जेलमें भेजा जायगा। यह तभी संभव होगा, जब ज्ञानेश अपने संवैधानिक पदसे इस्तीफा दे दें अथवा संसदमें उनके खिलाफ 'महाभियोग' प्रस्ताव पारित हो जाय। फिलहाल दोनों ही स्थितियां संभव नहीं लगतीं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधीने साफ कहा है कि हम प्रधान मंत्री मोदी और स्वराष्ट्रमंत्री अमित शाहको कहीं जाने नहीं देंगे, क्योंकि वे 'वोट चोरी' की आपराधिक साजिशमें संलिप्त रहे हैं। उनपर कानूनी कारर्वाई की जायगी। यह भी तभी संभव होगा, जब केन्द्रमें विपक्षके 'इंडी' गठबंधनकी सरकार होगी और राहुल गांधी प्रधान मंत्री होंगे। सर्वोच्च अदालत भी कानूनी कारर्वाईपर फैसला दे चुकी होगी! कांग्रेसके ९९ सांसदों और अकेली भाजपाके २४० सांसदोंकी संख्याके बीच बहुत बड़ा फासला है। यदि २०२४ का संसदीय चुनाव 'अवैध' था तो सिर्फ प्रधान मंत्री, स्वराष्ट्रमंत्री और भाजपा सांसदोंके ही चुनाव अवैध नहीं थे, बल्कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसदोंके निर्वाचन भी अवैध हैं। लोकसभाके समूचे ५४३ सांसदोंके चुनाव भी अवैध हैं। क्या भारत जैसे लोकतंत्र और संवैधानिक देशमें अवैध संसद काम कर सकती है। क्या नेता प्रतिपक्षका यह कथन देशके मतदाताओं, जनादेश, लोकतंत्र और संविधानका मजाक नहीं उड़ा रहा है। दरअसल यह खास किस्मकी उत्तेजना, तैश, आवेश और कुण्ठामें बोला गया कथन है। चुनाव आयोगने २८ अक्तूबर, २०२५ को 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान बिहारसे शुरू किया था तो मई-जून, २०२४ के लोकसभा चुनावमें किसने और कैसे 'वोट चोरी' की। एसआईआर कर्नाटक, तेलंगाना, केरलमें भी किया गया है, जहां कांग्रेसकी सरकारें हैं। गौरतलब यह है कि जनवरी, २०२४ में सहकारी सचिवके पदसे सेवानिवृत्त होनेके बाद ज्ञानेश कुमार गुप्तको १५ मार्चको, सुखबीर सिंह संधुके साथ, चुनाव आयुक्तके संवैधानिक पदपर नियुक्त किया गया था। तब राजीव कुमार सीईसी थे। यदि तीनों चुनाव आयुक्तोंके बीच सहमति न हो तो कोई भी निर्णय लागू नहीं किया जा सकता। यही हालिया संकट और विवाद है। 'वोट चोरी' तो बेहद गम्भीर और साजिशाना हरकत है। फिलहाल विपक्षकी लगातार राजनीतिक मुहिमके बावजूद 'वोट चोरी' एक राष्ट्रीय मुद्दा, आम आदमीके सरोकारका मुद्दा नहीं बन पाया है। जिन १३.३७ करोड़ मतदाताओंके नाम काटे गये हैं, उनमें करीब २.८८ करोड़ नाम ऐसे हैं, जो 'दिवंगत' हो चुके हैं और एक करोड़से अधिक लोगोंके पास दोहरे मतदाता पहचान-पत्र हैं। यह अवैध और असंवैधानिक है। राजधानी दिल्लीमें ही ४७ लाखसे अधिकके नाम 'अनिश्चित' हैं। यदि वे आंदोलित होते तो दिल्लीकी सड़कें अवरुद्ध हो जातीं। हिंसा भी भड़क सकती थी! यदि उनमेंसे दो लाख मतदाता भी विपक्षकी रैलीके साथ जुड़ते तो एक असामान्य भीड़ सड़कोंपर बिछ सकती थी! किसी भी सरकारके लिए वह स्थिति चुनौतीपूर्ण होती, लेकिन ऐसी चुनौती देशके किसी भी कोनेसे दिखाई नहीं दी है। राजनीतिक विश्लेषकोंके मुताबिक सत्तासे नाराज होना और किसी दूसरी पार्टीको उसका विकल्प स्वीकार करना अलग बातें हैं। मतदाता यह भी देखता है कि जिस कामको लेकर उसे शिकायत है, क्या दूसरा दल व

JOB VACANCY

बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (IBPS)

सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर, असिस्टेंट और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट

अंतिम तिथि - 12 नवंबर 2026

पद विवरण

आईबीपीएस ने अलग-अलग पदों के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता और कार्य-अनुभव निर्धारित किया है।

सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस या सूचना प्रौद्योगिकी (IT) में बीई/बीटेक डिग्री के साथ संबंधित क्षेत्र में कम से कम 3 साल का कार्य अनुभव अनिवार्य है।

असिस्टेंट- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री। इसके साथ एडवांस्ड एमएस एक्सेल का ज्ञान तथा एमआईएस रिपोर्टिंग या डाटा संबंधित कार्य में 2 वर्ष का अनुभव जरूरी है।

प्रोग्रामिंग असिस्टेंट - कंप्यूटर साइंस या आईटी में बीसीए (BCA), बीएससी (B.Sc) अथवा संबंधित इंजीनियरिंग डिग्री और 2 वर्ष का अनुभव।

आयु सीमा

आयु सीमा (1 अक्टूबर 2026 के अनुसार)- सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर पद के लिए आयु 25 से 33 वर्ष तथा असिस्टेंट व प्रोग्रामिंग असिस्टेंट के लिए 23 से 30 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्गों को ऊपरी आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क- सभी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये निर्धारित किया गया है, जिसका भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा।

वेतन पैकेज- चयनित उम्मीदवारों को बेहद आकर्षक सैलरी पैकेज दिया जाएगा। सर्वर एडमिनिस्ट्रेटर पद का वार्षिक सीटीसी (CTC) लगभग 14.09 लाख रुपये है, जबकि असिस्टेंट और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट पदों के लिए वार्षिक सीटीसी लगभग 10.57 लाख रुपये निर्धारित है।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन आवेदन पत्रों की स्क्रूटनी, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (DV), ऑनलाइन लिखित परीक्षा और पर्सनल इंटरव्यू के आधार पर होगा। परीक्षा का आयोजन नवंबर 2026 में संभावित है।

आवेदन कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट ibps.in पर जाएं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL)

350 प्रोबेशनरी इंजीनियर

अंतिम तिथि - 18 नवंबर 2026

पद विवरण

इस भर्ती के तहत कुल 350 पद भरे जाएंगे। पदों का विवरण इस प्रकार है-

प्रोबेशनरी इंजीनियर (इलेक्ट्रॉनिक्स)- 200 पद

प्रोबेशनरी इंजीनियर (मैकेनिकल)-150 पद

कुल पद- 350

शैक्षणिक योग्यता

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास इलेक्ट्रॉनिक्स या मैकेनिकल सब्जेक्ट में बीई (B.E.), बीटेक (B.Tech.) या चार वर्षीय बीएससी इंजीनियरिंग (B.Sc. Engineering) की डिग्री होनी चाहिए।

आयु सीमा

अनारक्षित (General/UR) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 25 वर्ष होनी चाहिए। अन्य पात्र श्रेणियों को भर्ती के नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

कैसे होगा चयन?

उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में CBT के लिए 85 अंक और इंटरव्यू के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।

यहां मिल सकती है नौकरी

इस भर्ती के तहत चयनित उम्मीदवारों को बेंगलुरु, गाजियाबाद, पुणे, नागपुर, नवी मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई सहित देश में BEL की अलग-अलग यूनिटों और कार्यालयों में नियुक्त किया जा सकता है। ऐसे में उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वो आवेदन के अंतिम तारीख का इंतजार ना करें, बल्कि तय समय से पहले ही आवेदन कर लें।

ऐसे आवेदन करें

उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

1. उम्मीदवार सबसे पहले BEL की आधिकारिक वेबसाइट bel-india.in पर जाएं।
2. यहां होम पेज पर भर्ती से संबंधित नोटिफिकेशन खोजें। इसका विज्ञापन संख्या 17556/HR/All-India/2026 है।
3. इसके बाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करें।
4. आवेदन फॉर्म में मांगी गई जानकारी भरें और साथ ही जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।
5. अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
6. इसके बाद फॉर्म में भरी गई सभी जानकारियों को अच्छी तरीके से जांच कर लें। फिर सबमिट कर दें।
7. भविष्य में जरूरत के लिए आवेदन फॉर्म की कॉपी सुरक्षित रख लें।

NLC इंडिया लिमिटेड

1067 अप्रेंटिस

अंतिम तिथि - 9 नवंबर 2026

पदों का विवरण

फिटर - 125, टर्नर - 45, मैकेनिक (मोटर व्हीकल)- 110, इलेक्ट्रीशियन - 125, वायरमैन - 110, मैकेनिक (डीजल)- 5, स्टेनोग्राफर - 20, वेल्डर - 120

कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट - 30

रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग मैकेनिक- 10

शैक्षणिक योग्यता

आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में ग्रेजुएट (नॉन-इंजीनियरिंग) अप्रेंटिस के लिए नोटिफिकेशन में दो मासिक स्टाइपेंड राशियां दी गई हैं-

1. 14174 रुपये प्रतिमाह- कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन, जियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री और फार्मासिस्ट से संबंधित पदों के लिए।
2. 16678 रुपये प्रतिमाह- कॉमर्स, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और नर्सिंग से संबंधित पदों के लिए।

आवेदन कैसे करें?

आधिकारिक वेबसाइट nlcindia.in पर जाएं।

उड़ान

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी आम व्यवहार व जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों एवं अध्ययन के दूसरे विषयों में भी पैठ है। यह धन एवं व्यापार, उत्पादन एवं उपभोग, वितरण एवं विकास—यानी सभी की भाषा है। यहां तक कि कल्याण, व्यवहार, भाषा, उद्योग, संगीत और कला-सभी के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। युद्ध और पॉवर (सत्ता) की भी अपनी-अपनी इकोनोमिक्स है।

हर सेक्टर में है इकॉनोमिक्स की डिमांड



इकॉनोमिक्स का फलक बहुत विशाल है। विश्व, देश, राज्य से लेकर परिवार के हर सदस्य के व्यवहार, भाषा, संगीत व कला के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। जीवन की छोटी से बड़ी हर चीज में इकॉनोमिक्स है, इसीलिए आजकल प्लस टू के बाद बहुत से विद्यार्थी इकॉनोमिक्स की पढ़ाई की ओर रुख कर रहे हैं क्योंकि कोई ऐसा क्षेत्र नहीं जहां इस विषय की खपत न हो।

अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है जिसकी आम व्यवहार व जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों एवं अध्ययन के दूसरे विषयों में भी पैठ है। यह धन एवं व्यापार, उत्पादन एवं उपभोग, वितरण एवं विकास—यानी सभी की भाषा है। यहां तक कि कल्याण, व्यवहार, भाषा, उद्योग, संगीत और कला-सभी के अपने-अपने अर्थशास्त्र हैं। युद्ध और पॉवर (सत्ता) की भी अपनी-अपनी इकोनोमिक्स है।

जहां भी विकल्प मौजूद है, वहां इकॉनोमिक्स कहीं न कहीं काम कर रही होती है।

विद्यार्थियों के लिए विकल्प

12वीं पास करने के बाद इकॉनोमिक्स में कई कोर्स उपलब्ध हैं। आप चाहे तीन वर्षीय स्नातक कोर्स करें अथवा सीधा पांच वर्षीय संयुक्त स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स।

बीए इकॉनोमिक्स - यह तीन साल का कोर्स है। इसमें अर्थशास्त्र के सिद्धांतों और नीतियों से छात्रों को अवगत करवाया जाता है। इसके बाद वित्तीय विश्लेषण, एकाउंटिंग जॉब व अध्यापन आदि किया जा सकता है। फिक्की व पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स की इकॉनोमिक्स स्नातकों के लिए वैकेंसी निकालता है। फाइनेंस के विद्यार्थियों के लिए आर्थिक मामले मंत्रालय में भी रिक्तियां तकरीबन हर साल निकलती हैं।

बीएससी इकॉनोमिक्स - यह कोर्स पूरा करने पर साइंस की डिग्री मिलती है। तीन साल की इस डिग्री के दौरान हर सेमेस्टर के बाद परीक्षा होती है। इसमें अर्थशास्त्र के क्षेत्र का प्रैक्टिकल अनुभव मिलता है। आर्थिक मुद्दों की समझ तथा उनको हल करने की दृष्टि भी बन जाती है।

इंटेग्रेटिड स्नातकोत्तर डिग्री -इकॉनोमिक्स में सीधे पांच वर्षीय स्नातकोत्तर करवाने वाले संस्थान कम ही हैं। आईआईटी मद्रास का ह्यूमेनिटीज व सोशल साइंस विभाग बारहवीं के बाद मेधावी छात्रों के लिए इकॉनोमिक्स, डिवेलपमेंट स्टडीज और अंग्रेजी तीन विषयों में इनोवेटिव प्रोग्राम ऑफर करता है। इस प्रोग्राम के आरंभ में विद्यार्थियों को सोशल साइंसेज का विस्तारपूर्वक अध्ययन करवाने के बाद उसे अपनी मर्जी से अपने विषय चुनने की आजादी रहती है। पहले दो साल तीनों विषयों की पढ़ाई होती है तथा तीसरे साल वह अपना प्रमुख विषय चुन उसी लाइन को पकड़ लेता है।

अतिरिक्त कोर्स

कई सालों से रेगुलर/मुख्य डिग्री के साथ कोई 'एडिशनल' कोर्स का चलन बढ़ा है। यह इकॉनोमिक्स जैसी मुख्यधारा की डिग्री करते वक्त साथ-साथ छमाही या वार्षिक डिप्लोमा-सर्टिफिकेट आदि उपलब्ध हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में विद्यार्थी मुख्य विषय की पढ़ाई के साथ-साथ कोई भी एड-ऑन कोर्स चुन सकते हैं। डिग्री के साथ-साथ ही डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा भी हो जाता है। यह विकल्प सभी तरह के संकायों के स्नातक कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। इकॉनोमिक्स की डिग्री करने के दौरान आपके लिए किस-किस तरह के कोर्स ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं जानिए-

इंश्योरेंस बिजनेस - इस कोर्स के दौरान अनिश्चित और रिस्क जैसी आर्थिक मुश्किलों से सुरक्षा, व्यक्तिगत जीवन बीमा, लाइफ इंश्योरेंस की प्रकृति व उपयोग, 'कोलेटरल', वित्तीय बिजनेस निरंतरता के मापक और इन्वेस्टमेंट के रूप में संपत्ति के रक्षक की भूमिका में बीमा का अध्ययन करवाया जाता है।

फॉरेन ट्रेड - इस कोर्स में विदेशी व्यापार के सिद्धांत व व्यवहार, व्यापार संतुलन तथा भुगतान संतुलन, व्यापार नीति के उद्देश्य, विकास में विदेशी व्यापार की भूमिका, व्यापार नीति के उपकरणों-टैरिफ, क्वांटिटेटिव विनिमय प्रतिबंधों, नियंत्रणों तथा विनिमय पर समन्वय आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों गैट, अंकटाड, आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक तथा ट्रेड ब्लाक व क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग आदि के बारे में बताया जाता है।

बैंक मैनेजमेंट - इस कोर्स में भारतीय बैंकिंग प्रणाली-व्यापारिक बैंकों, विकास बैंकों तथा वाणिज्यिक बैंकों की आधुनिक अर्थव्यवस्था में भूमिका जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक का रोल, मल्टीपल क्रेडिट क्रिएशन के स्रोत, प्रक्रिया, नियंत्रण तथा औजारों के अतिरिक्त लिक्विडिटी की बैंकिंग में भूमिका के बारे में जानकारी देते हैं।

ई-कॉमर्स व ई-बैंकिंग - इस सर्टिफिकेट कोर्स में इलैक्ट्रॉनिक कॉमर्स फ्रेमवर्क के बेसिक्स, टूल्स ऑफ ई-कॉमर्स, वेब बेस्ड बिजनेस की लैंड बेस्ड बिजनेस से तुलना, ई-कॉमर्स के विकास, डिजिटल सिग्नेचर व क्रिप्टोग्राफी पढ़ाए जाते हैं। ई-बैंकिंग कोर्स में भारत में ई-बैंकिंग, ई-डिलीवरी चैनल व कार्य जैसे एटीएम, क्रेडिट-डेबिट कार्ड, टेली बैंक व ई-फंड ट्रांसफर की जानकारी दी जाती है।

भविष्य यानी जॉब - इकॉनोमिक्स में स्नातक करने के बाद सरकारी व गैर-सरकारी दोनों तरह की नौकरियां मिल सकती हैं। इंडियन इकॉनोमिक सर्विस (आईईएस), रिजर्व बैंक, पीएसयू तथा सरकारी बैंकों में रिक्तियां हर साल विज्ञापित होती हैं। इसके अलावा यूपीएससी तथा सीडीएस के लिए भी अवसर हैं। एमएनसीज, प्रबंधक संस्थानों, शिक्षा के क्षेत्र तथा वित्तीय क्षेत्र में भी इकॉनोमिक्स के विद्यार्थियों के लिए नौकरियों की भरमार है।

IIT BHU में शुरू होगा Physical AI का BTech

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में नया अवसर मिलने जा रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बीएचयू में एकेडमिक ईयर 2027-28 से फिजिकल एआई (Physical AI) में चार वर्षीय बीटेक कोर्स शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए संस्थान में स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इस कोर्स में छात्रों को रोबोटिक्स, सेंसर तकनीक, मशीनों के नियंत्रण और एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल की पढ़ाई कराई जाएगी। इस क्षेत्र में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन, कृषि, हेल्थ सेवाओं और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर मिल सकते हैं।

2027-28 से शुरू होगा नया बीटेक कोर्स

IIT बीएचयू में फिजिकल एआई की पढ़ाई शुरू करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। संस्थान की सीनेट ने 17 अक्टूबर को स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके संचालन और स्थापना की जिम्मेदारी संभालने के लिए निदेशक प्रो। अमित पात्रा की अगुवाई में आठ सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई है। इसके उपाध्यक्ष प्रो.राजेश कुमार होंगे।

शिक्षकों की टीम तैयार

इस नए स्कूल के लिए शिक्षकों की टीम भी तैयार की जा रही है। संस्थान के फैकल्टी मेंबर इस क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था विकसित करने के लिए पोलैंड, दक्षिण कोरिया सहित अन्य देशों के केंद्रों का दौरा कर रहे हैं।

क्या है Physical AI?

फिजिकल एआई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ऐसा स्वरूप है, जिसमें कंप्यूटर बेस्ड तकनीक को वास्तविक दुनिया की मशीनों और डिवाइस से जोड़ा जाता है। इसमें रोबोट, सेंसर, कैमरे और मोटर जैसी तकनीकों की मदद से मशीनों को आसपास के एनवायरमेंट को समझने और उसके अनुसार काम करने योग्य बनाया जाता है। सामान्य एआई मुख्य रूप से डिजिटल जानकारी पर काम करता है, जबकि फिजिकल एआई का इस्तेमाल असल दुनिया में काम करने वाली मशीनों को स्मार्ट बनाने के लिए किया जाता है।



रोबोटिक्स और मशीन कंट्रोल पर जोर

चार वर्षीय बीटेक कोर्स का सिलेबस तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समितियां काम कर रही हैं। इसमें रोबोटिक्स, स्वायत्त प्रणालियों, सेंसर आधारित तकनीक, मशीनों के नियंत्रण और एआई के व्यावहारिक उपयोग को शामिल किया जाएगा। छात्रों को केवल प्रोग्रामिंग तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि मशीनों की डिजाइन, निर्माण, टेस्टिंग और वास्तविक समस्याओं को हल करने का एक्सपीरियंस भी दिया जाएगा।

करियर के अवसर

फिजिकल एआई की पढ़ाई के बाद छात्रों के लिए कई क्षेत्रों में काम करने की संभावनाएं बन सकती हैं। इनमें रोबोटिक्स इंजीनियरिंग, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक ऑटोमेशन, कृषि तकनीक, स्वास्थ्य सेवाएं और स्पेस रिसर्च जैसे क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, नौकरी के अवसर छात्रों के स्किल, एक्सपर्टीज और इंडस्ट्री की मांग पर निर्भर करेंगे।

IIT BHU का पांचवां स्कूल होगा

स्कूल ऑफ फिजिकल एआई, IIT बीएचयू में स्थापित होने वाला पांचवां स्कूल होगा। इससे पहले संस्थान में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, डिसीजन साइंस और मैटेरियल साइंस से जुड़े स्कूल स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, IIT खड़गपुर ने भी 26 अक्टूबर को बेंजामिन गुप्ता स्कूल ऑफ फिजिकल एआई स्थापित करने की घोषणा की है। इसके लिए 35 करोड़ रुपये की लागत निर्धारित की गई है।

IGNOU छात्रों के लिए दिसंबर परीक्षा के असाइनमेंट की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू



इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) ने दिसंबर 2026 की सत्रांत परीक्षा (TEE) के लिए पात्र विद्यार्थियों को ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन असाइनमेंट मैनेजमेंट सिस्टम (OAMS) शुरू किया है। ऑनलाइन माध्यम से असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में पूर्णिया कॉलेज पूर्णिया स्थित इग्नू शिक्षार्थी सहायता केंद्र (0508) के सहायक समन्वयक डॉ. सूरज सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने असाइनमेंट जमा कर दें। इससे अंतिम समय में तकनीकी समस्याओं या अन्य परेशानियों से बचा जा सकेगा।

ODL और ऑनलाइन कार्यक्रमों के पात्र विद्यार्थी उठा सकेंगे सुविधा का लाभ

डॉ. सिंह ने बताया कि यह सुविधा इग्नू के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ODL) तथा ऑनलाइन कार्यक्रमों में नामांकित पात्र विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है। विद्यार्थी अपने IGNOU Samarth खाते में लॉगिन करके संबंधित पाठ्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस व्यवस्था से असाइनमेंट जमा करने की पुष्टि प्राप्त करने और मूल्यांकन की स्थिति जानने में भी मदद मिलेगी।

यूं जमा करें ऑनलाइन असाइनमेंट

ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले इग्नू के समर्थ पोर्टल पर जाना होगा। इसके बाद अपने लॉगिन आईडी और पासवर्ड की मदद से खाते में लॉगिन करना होगा। संबंधित विकल्प के माध्यम से पाठ्यक्रम का चयन कर विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार असाइनमेंट अपलोड करना होगा। इसके लिए IGNOU Samarth पोर्टल पर जाकर https://ignou.samarth.edu.in/inde&.php/site/login प्रक्रिया पूरी करें।

असाइनमेंट अपलोड करते समय इन बातों का रखें ध्यान

- असाइनमेंट के उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए
- प्रत्येक पाठ्यक्रम के असाइनमेंट को स्कैन करके एक PDF फाइल में अपलोड करना होगा।
- प्रत्येक PDF फाइल का आकार 20 MB से अधिक नहीं होना चाहिए।
- असाइनमेंट के पहले पृष्ठ पर विद्यार्थी का नाम, नामांकन संख्या, अध्ययन केंद्र कोड और पाठ्यक्रम से संबंधित आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए।
- असाइनमेंट जमा करने से पहले संबंधित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों की जांच कर लें।
- विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने अपने असाइनमेंट पहले ही संबंधित अध्ययन केंद्र या क्षेत्रीय केंद्र में जमा कर दिए हैं, उन्हें उसी असाइनमेंट की सॉफ्ट कॉपी दोबारा अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

डॉ. सुरज सिंह ने विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर लें। उन्होंने कहा कि असाइनमेंट जमा करना परीक्षा प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सभी पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप और विश्वविद्यालय के नवीनतम दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय सीमा के भीतर अपने असाइनमेंट जमा करने चाहिए।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 5 विषय अनिवार्य

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2028 में होने वाली कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए नए नियमों की जानकारी दी है। इसके तहत छात्रों को पांच अनिवार्य सब्जेक्ट्स की पढ़ाई करनी होगी। साथ ही, उन्हें एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट चुनने का विकल्प भी मिलेगा। इस विषय के नंबर मैथ, साइंस या सोशल साइंस में असफल होने की स्थिति में छात्रों के रिजल्ट सुधारने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने कक्षा 9वीं और 10वीं में तीन भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था एकेडमिक ईयर 2026-27 में 9वीं में पढ़ने वाले छात्रों पर लागू होगी।

पांच विषय अनिवार्य

CBSE ने 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए सब्जेक्ट्स से जुड़ी योजना स्पष्ट कर दी है। इसके अनुसार, छात्रों को पांच अनिवार्य विषयों की पढ़ाई करनी होगी। इसके अलावा वो एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट का चुनाव कर सकेंगे। इस विषय का उद्देश्य छात्रों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल स्किल सीखने का मौका देना है। स्किल सब्जेक्ट के नंबर मैथ्स, साइंस या सोशल साइंस में असफल होने की स्थिति में छात्रों के रिजल्ट में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका लाभ बोर्ड के निर्धारित नियमों के अनुसार ही मिलेगा।

वोकेशनल एजुकेशन की पढ़ाई जरूरी

CBSE की डायरेक्टर (एकेडमिक्स) प्रज्ञा एम. सिंह के मुताबिक, 2028 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स के लिए वोकेशनल एजुकेशन अनिवार्य रहेगा। इसके लिए छात्र स्किल डेवलपमेंट से जुड़ा विषय या बोर्ड के 22 स्किल सब्जेक्ट्स में से कोई एक चुन सकते हैं।

असेसमेंट के लिए दो विकल्प मिलेंगे

स्टूडेंट्स को असेसमेंट के लिए दो विकल्प मिलेंगे। वो स्कूल में इंटरनल असेसमेंट दे सकते हैं या बोर्ड परीक्षा में शामिल होकर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्किल सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं।

अब तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी

CBSE ने कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत छात्रों को तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी है। इस बदलाव से दोनों कक्षाओं के लगभग 50 लाख स्टूडेंट प्रभावित होंगे। हालांकि, मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों को इस साल तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी।

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप से हर महीने मिलेंगे 1 लाख रुपये



रिसर्च, पत्रकारिता, रिसर्च और नए विषयों पर स्टडी करने में इंटरेस्ट रखने वाले लोगों के लिए जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप एक अच्छा मौका है। जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड की ओर से दी जाने वाली इस फेलोशिप के तहत चयनित कैंडिडेट्स को दो साल तक हर महीने 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है। इसके लिए साइंस, ह्यूमैनिटीज समेत अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले एक्सपर्ट्स अप्लाई कर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को अपने रिसर्च या क्रिएटिव प्रोजेक्ट का प्रस्ताव तैयार करके निर्धारित पते पर आवेदन भेजना होगा।

क्या है जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप?

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप की शुरुआत वर्ष 1968 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की स्मृति में की गई थी। इसका उद्देश्य हायर एजुकेशन, स्वतंत्र विचारों और नई रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इस फेलोशिप के माध्यम से प्रतिभाशाली लोगों को अपने चुने हुए विषय पर काम करने और समाज से जुड़े जरूरी मुद्दों की स्टडी करने का मौका मिलता है।

कितनी बार आवेदन का मौका?

उम्मीदवार भारत में अपनी पसंद की जगह से अपने प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं। फेलोशिप के लिए साल में दो बार आवेदन का अवसर मिलता है। आवेदन की समयसीमा के अनुसार, पहला चरण 31 मई और दूसरा चरण 11 नवंबर तक होता है।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस फेलोशिप के लिए साइंस, ह्यूमैनिटीज और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले लोग अप्लाई कर सकते हैं। इसमें राइटिंग, पत्रकार, कलाकार और सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। उम्मीदवारों में अपने क्षेत्र में अच्छा काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही उन्हें प्रस्तावित रिसर्च या क्रिएटिव प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होना जरूरी है।

हर महीने मिलेंगे 1 लाख रुपये

जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप के तहत चयनित उम्मीदवारों को दो साल तक हर महीने 1,00,000 रुपये दिए जाते हैं। फंड की वेबसाइट के अनुसार, इस राशि को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(17) के तहत आयकर से छूट प्राप्त है। इसके अतिरिक्त यात्रा, सचिवीय सहायता और अन्य जरूरी खर्चों के लिए सालाना अधिकतम 75,000 रुपये तक की सहायता भी मिल सकती है।

कैसे होगा सेलेक्शन?

उम्मीदवारों का चयन अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की समिति करती है। चयन के दौरान आवेदक की प्रतिभा, उसके पिछले काम की क्वालिटी और प्रस्तावित प्रोजेक्ट को पूरा करने की क्षमता का आकलन किया जाता है।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज

आवेदन के लिए कोई निर्धारित फॉर्म नहीं है। उम्मीदवारों को सादे कागज पर आवेदन तैयार करके ये डॉक्यूमेंट अटैच करने होंगे।

बायोडाटा- एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और अब तक किए गए काम की जानकारी।

वर्क एक्सपीरियंस- संबंधित क्षेत्र में किए गए काम की डिटेल।

प्रोजेक्ट का सारांश-प्रस्तावित विषय पर अधिकतम 1,000 शब्दों में डबल स्पेसिंग के साथ टाइप की गई जानकारी।

पासपोर्ट साइज फोटो- हाल की फोटो की कॉपी।

कहां भेजें आवेदन?

इच्छुक उम्मीदवार जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड की आधिकारिक वेबसाइट jnmf.in पर जाकर आवेदन से जुड़े निर्देश पढ़ सकते हैं। सभी जरूरी दस्तावेज तैयार करने के बाद आवेदन डाक से इस पते पर भेजना होगा-

सचिव, जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली-110001।

समसामयिक प्रश्नोत्तरी

1. ओस्कर क्लेन मेडल 2026 पाने वाले पहले भारतीय भौतिक विज्ञानी कौन बने?
अ. डॉ. जयंत नारलिकर
ब. प्रोफेसर अशोक सेन
स. इगोर आर. क्लेबानो
द. प्रोफेसर दीपक धर

2. असम सरकार ने पहला 'भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका नेशनल अवॉर्ड' किसे देने की घोषणा की?
अ. उषा मंगेशकर
ब. आशा भोसले
स. अनुराधा पौडवाल
द. अलका याज्ञनिक

3. इसरो के किस संस्थान ने स्वदेशी रुबिडियम एटॉमिक क्लॉक विकसित किया, जिसे NVS-03 सैटेलाइट में लगाया गया?
अ. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)
ब. इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (ISTRAC)
स. विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)
द. स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC)

4. एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पदक तालिका में भारत का स्थान बताइए?
अ. 1 ब. 2
स. 3 द. 4

5. एशियाई पैरा गेम्स 2026 के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक कौन थे?
अ. मोना अग्रवाल और निषाद कुमार
ब. प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा
स. कपिल परमार और सृष्टि अरोड़ा
द. इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1- ब. प्रोफेसर अशोक सेन, 2- अ. उषा मंगेशकर, 3- द. स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC), 4- द. 4 (भारत को 30 गोल्ड, 35 सिल्वर, 49 ब्रॉन्ज सहित कुल 114 पदक), 5- ब. प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा

मिशन शक्ति फेस-6 के तहत रामपुर में चला जागरूकता अभियान, महिलाओं और बालिकाओं को बताए सुरक्षा के अधिकार



रामपुर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर जनपद में रविवार को मिशन शक्ति फेस-6 के तहत रविवार को व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के सभी थानों की महिला सुरक्षा टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा के आवश्यक उपायों, कानूनी अधिकारों तथा महिला सम्मान से जुड़े कानूनों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न, बाल विवाह और अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।महिला सुरक्षा टीमों ने 1090 महिला शक्ति हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली समझाते हुए इनके सही उपयोग की जानकारी दी।इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को पंपलेट, कॉमिक्स सहित जागरूकता सामग्री वितरित की गई।पुलिस टीमों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है।

दीपावली पर ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को बांटी मिठाई, दी शुभकामनाएं



रामपुर। दीपावली के पावन पर्व पर जनपद में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का यातायात पुलिस ने उत्साहवर्धन किया। पुलिस अधीक्षक रामपुर के निर्देशन में यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न ड्यूटी स्थलों पर पहुंचकर पुलिसकर्मियों को मिठाई वितरित की और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।इस दौरान यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उनके साथ समय बिताया।उन्होंने कहा कि त्योहार के अवसर पर अपने परिवार से दूर रहकर आमजन की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालने वाले प्रत्येक पुलिसकर्मी का योगदान महत्वपूर्ण है।सभी पुलिसकर्मी पुलिस परिवार का अभिन्न अंग हैं।इस पहल का मुख्य उद्देश्य त्योहार पर जनसेवा में जुटे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाना और उनमें सम्मान, अपनत्व एवं आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा।मिठाई पाकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी।वहीं यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की कि दीपावली का त्योहार सुरक्षित एवं हर्षोल्लास के साथ मनाएं। वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

दीपावली पर साप्ताहिक बाजार में सजा पटाखा बाजार, खरीदारी को उमड़ी भीड़



बिलासपुर। दीपोत्सव के पर्व दीपावली को लेकर नगर में बाजारों की रौनक बढ़ने लगी है। रविवार को नगर की साप्ताहिक बाजार में लगाए गए पटाखा बाजार में खरीदारी के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ती दिखाई दी। बच्चों से लेकर बड़ों तक में पटाखों की खरीदारी को लेकर खासा उत्साह नजर आया। लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार पटाखे खरीदते दिखाई दिए।वहीं नगर की मिठाई और इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी आवाजाही रही। दीपावली पर घरों को रोशन करने के लिए लोगों ने झालर, लाइटें, सजावटी सामान और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीदारी की। मिठाई की दुकानों पर भी लोग पर्व के लिए मिठाइयां खरीदते नजर आए।हालांकि बाजार में भीड़ के बावजूद कारोबार को लेकर दुकानदारों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आईं।कुछ दुकानदारों का कहना था कि महंगाई के चलते इस बार बिक्री उम्मीद के मुताबिक नहीं हो रही है और ग्राहकों की खरीदारी पर बजट का असर साफ दिखाई दे रहा है। वहीं कुछ दुकानदारों ने कारोबार को ठीक-ठाक बताते हुए दीपावली के चलते बिक्री में और बढ़ोतरी की उम्मीद जताई।

11 हजार की लाइन की चपेट में आने से भैंस की मौत, मालिक गंभीर घायल



मिलक। तहसील मिलक के ग्राम जाफराबाद में रविवार सुबह करीब 7 बजे करंट की चपेट में आने से एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के प्रयास में उसका मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी हरपाल (40) पुत्र मुरारी सुबह अपनी भैंस को चराने के लिए जंगल की ओर जा रहा था। रास्ते में 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन पॉपुलर के पेड़ों को छूकर गुजर रही थी, जिसके चलते पेड़ों में करंट उतर आया था। इसी दौरान भैंस घास खाने के लिए पेड़ के पास पहुंची और करंट की चपेट में आ गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भैंस को बचाने के प्रयास में हरपाल भी बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बताया गया कि परिजनों ने हरपाल को रेत में दबाया। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

परिषदीय विद्यालय का ताला तोड़कर इन्वर्टर, बैटरी व पीसी चोरी

मिलक। कोतवाली मिलक क्षेत्र की ग्राम पंचायत अशोकपुर के निकट स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय बेगमाबाद में चोरों ने विद्यालय के कमरे का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। 03 नवंबर 2026 को दी गई तहरीर में बताया गया है कि चोर विद्यालय के कमरे से इन्वर्टर, बैटरी और पीसी चोरी कर ले गए।

विद्यालय प्रशासन ने कोतवाली मिलक में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। साथ ही पुलिस से घटना का खुलासा कर चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की है।

सरस्वती विद्या मंदिर में दीपोत्सव धूमधाम से मनाया गया



मिलक। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के परिसर में 7. नवंबर.2026 को दीपोत्सव / दीपावली का कार्यक्रम धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सम्मानित सदस्यगण उपस्थित रहे। जिनमें अध्यक्ष डॉ. राजकुमार महेश्वरी, उपाध्यक्ष तुलाराम गंगवार, सह प्रबंधक हरिओम अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कपिल देव, महेश कुमार एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक सुरेश चंद्र गंगवार व प्रधानाचार्य आनन्द पाल सिंह ने भगवान राम, माँ लक्ष्मी व भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर किया। इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा कक्षों में रंगोली, दीपों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने देश भक्ति व सामाजिक जागरूकता के संदेश पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक सुरेश चंद्र गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि दीपावली / दीपोत्सव पर्व अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। उन्होंने सभी से सावधानीपूर्वक पटाखे जलाने की अपील की। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार माहेश्वरी ने दीपोत्सव कार्यक्रम की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली भारतीय संस्कृति और परंपराओं की अनमोल धरोहर है। उन्होंने कहा कि समस्त विद्यालय परिवार के सुख, समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि दीपावली त्योहार सामाजिक भाईचारे व सद्भाव को बढ़ाने वाला त्योहार है।उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर सभी को अपने घरों को दीपों से सजाना चाहिए और इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। इस अवसर पर बच्चों ने देश भक्ति गीत गाए। सुरेश चन्द्र गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि पांच त्यौहार देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं। हमें अपनी भारतीय परंपराओं को जीवंत रखना चाहिए।

प्रधानाचार्य आनन्द पाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि दीपावली हिन्दू धर्म का महानतम त्यौहार है। भाईचारे व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने सभी के जीवन में आरोग्य, सुख व समृद्धि बनी रहे, इसकी कामना की। उन्होंने समस्त मिलक परिक्षेत्र वासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में आशीष अग्रवाल सहित समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं व अभिभावकगण उपस्थित रहे।

शाहबाद में चचेरे भाई ने चाकू से किया हमला, इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत

शाहबाद- थाना शाहबाद क्षेत्र के ग्राम जगेश्वर में शराब के नशे में गाली-गलौज और मारपीट का विरोध करना एक बुजुर्ग को भारी पड़ गया। आरोप है कि चचेरे भाई ने विवाद के दौरान बुजुर्ग के पेट में चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। घटना से गांव में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जगेश्वर निवासी महावीर पुत्र रामस्वरूप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 7 नवंबर 2026 की शाम करीब आठ बजे उनके चाचा का लड़का राहुल पुत्र नरेश शराब के नशे में उनके घर के सामने आकर छोटे भाई जगत सिंह के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। शोर सुनकर महावीर, उनके भाई जगत सिंह, पिता रामस्वरूप और परिवार के अन्य लोग बाहर आ गए तथा बीच-बचाव करने लगे।

आरोप है कि इस दौरान राहुल ने उनके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। जब महावीर के पिता रामस्वरूप ने राहुल को समझाने का प्रयास किया तो उसने चाकू से उनके पेट में वार कर दिया। हमले में परिवार की एक महिला अनीता देवी के कान पर भी चोट आई।

परिजन गंभीर रूप से घायल रामस्वरूप को तत्काल सरकारी अस्पताल शाहबाद लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रामपुर रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना के संबंध में थाना शाहबाद पुलिस ने 8 नवंबर 2026 को महावीर की तहरीर के आधार पर आरोपी राहुल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 115(2) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मामले की विवेचना थाना शाहबाद के प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह को सौंपी गई है। पुलिस मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दीपावली पर शाहबाद के मुख्य बाजार में पुलिस की कड़ी निगरानी, सीओ और कोतवाल ने किया पैदल भ्रमण

शाहबाद - दीपावली के पावन पर्व को लेकर शाहबाद नगर के मुख्य बाजार को आकर्षक ढंग से सजाया गया। त्योहार के दौरान बाजार में उमड़ने वाली भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शाहबाद पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। पुलिस द्वारा मुख्य बाजार सहित नगर के प्रमुख स्थानों पर चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी गई।

दीपावली के अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी देवकीनंदन एवं कोतवाली शाहबाद प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह ने पुलिस बल के साथ मुख्य बाजार में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाजार की विभिन्न दुकानों और भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधिकारियों ने त्योहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए। पुलिस की सक्रियता के चलते बाजार में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए

बदायूँ- दिनांक 07.11.2026 को थाना दातागंज क्षेत्रान्तर्गत कस्बा मेले में हुई घटना का, जिलाधिकारी बदायूँ एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

थाना दातागंज क्षेत्रान्तर्गत कस्बा दातागंज में आयोजित मेले के दौरान दो पक्षों के मध्य खिलौने के पैसों को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान द्वितीय पक्ष मो0 बारिश पुत्र रहीश अहमद निवासी मो0 मरदान थाना व कस्बा फरीदपुर जिला बरेली द्वारा चाकू से हमला कर दिया गया, जिसमें प्रथम पक्ष के ऋतिक पुत्र मुकेश ठाकुर एवं रोहित पुत्र पुत्तू जाटव, निवासीगण ग्राम बेहटा माधो, थाना दातागंज, जनपद बदायूँ घायल हो गये। घायलों को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सक द्वारा रोहित को मृत घोषित कर दिया गया तथा ऋतिक की गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया जहाँ वह उपचाराधीन है। पुलिस टीमों द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही है। घटना के सम्बन्ध में तहरीर प्राप्त कर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है, अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। उक्त घटनास्थल का जिलाधिकारी बदायूँ, श्री अवनीश राय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ, सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा घटनास्थल का भौतिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

छोटी दीवाली ने दिया 250 करोड़ से ज्यादा का बड़ा कारोबार

मेरठ- छोटी दीवाली पर शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से देर रात तक खरीदारों की भीड़ रही और करीब 250 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। मिठाई, गिफ्ट पैक, वाहन, ज्वेलरी और सजावटी सामान खूब बिके। सेंट्रल मार्केट में कार्रवाई के बाद व्यापारियों ने सड़क किनारे टेंट लगाकर दुकानें चलाईं। व्यापार संघ के पदाधिकारी ने पिछले साल के मुकाबले दो से तीन गुना कारोबार होने की बात कही।

धनतेरस की तरह शनिवार को छोटी दीवाली के मौके पर भी शहर के सभी प्रमुख छोटे-बड़े बाजारों में सुबह से ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई, जो देर शाम तक जारी रही। बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई, जिससे व्यापारियों के चेहरे खिल उठे। मिठाई, गिफ्ट पैक, ज्वेलरी, ऑटोमोबाइल और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली। त्योहार को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया और बाजारों में दिनभर रौनक बनी रही। एक अनुमान के मुताबिक शनिवार को भी करीब 250 करोड़ का कारोबार हो गया।

छोटी दीपावली पर बाजारों में उमड़ी भीड़, जमकर हुई खरीदारी- शहर के सभी प्रमुख बाजार देर रात तक गुलजार रहे। आबूलेन, बेगमपुल, पीएल शर्मा रोड, बच्चा पार्क-बेगमब्रिज रोड, सदर, कंकरखेड़ा, गंगानगर, मलियाना, शारदा रोड बाजारों में खरीदारी को भीड़ उमड़ी। छोटी दीवाली पर मिठाई और गिफ्ट पैक की दुकानों पर सबसे अधिक भीड़ रही।

दीपोत्सव पर जमकर हुई खरीदारी, बाजार हुआ गुलजार- लोग अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों को उपहार देने के लिए आकर्षक गिफ्ट पैक और मिठाइयों की खरीदारी करते नजर आए। वहीं, ऑटोमोबाइल शोरूमों में भी सुबह से ही चहल-पहल रही। कार और बाइक की डिलीवरी लेने के लिए ग्राहक परिवार के साथ पहुंचे। कई शोरूमों में वाहनों की डिलीवरी के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। ज्वेलरी बाजार में भी छोटी दीवाली का खासा असर दिखाई दिया। लोगों ने चांदी के लक्ष्मी-गणेश, पूजा थाल और अन्य पूजन सामग्री की जमकर खरीदारी की। इसके अलावा घरों को रोशन करने के लिए मिट्टी के दीये, रंग-बिरंगी मोमबत्तियां और सजावटी लाइटें खरीदने वालों का भी तांता लगा रहा। कुल मिलाकर छोटी दीवाली पर बाजारों में खूब रौनक रही और कारोबारियों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी।

दीपावली के चलते भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत स्थगित

शाहबाद- भारतीय किसान यूनियन टिकैत के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सूचित किया गया है कि 9 तारीख को होने वाली संगठन की मासिक पंचायत दीपावली के त्योहार के मद्देनजर स्थगित कर दी गई है।

इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के युवा मंडल महासचिव प्रमोद यादव ने बताया कि दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा का पर्व होने के कारण सभी किसान अपने-अपने घरों पर रहकर गोवर्धन पूजा मनाएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए कल होने वाली मासिक पंचायत को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पंचायत में शामिल न होने की अपील की है। साथ ही सभी किसान भाइयों को दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

सर्राफा बाजार में सरेशाम युवक का मोबाइल लूटा, एक बदमाश धरा

मेरठ- शहर सर्राफा बाजार में शनिवार शाम खरीदारी करने आए श्रवण कुमार का दो बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट लिया। उनके शोर मचाने पर दुकानदारों और राहगीरों ने एक आरोपी फैजल को पकड़ लिया, जबकि उसका साथी फरार हो गया। भीड़ की पिटाई से घायल फैजल को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया और उसके पास से मोबाइल बरामद किया। पीड़ित ने थाने में शिकायत देने से इनकार कर दिया।

शहर सर्राफा बाजार में शनिवार शाम खरीदारी करने आए युवक का दो बदमाशों ने सरेराह मोबाइल लूट लिया। पीड़ित के शोर मचाने पर लोगों ने घेराबंदी कर एक बदमाश को दबोच लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी, जबकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को अपनी हिरासत में लिया और अस्पताल पहुंचाया। उसके पास से लूटा गया मोबाइल भी बरामद हो गया। शास्त्रीनगर निवासी श्रवण कुमार शनिवार को परिवार के साथ खरीदारी करने शहर सर्राफा गया था। शाम करीब सात बजे वह एक दुकान से निकलकर मोबाइल पर बात करते हुए जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आए दो बदमाशों ने मोबाइल लूट लिया।

श्रवण ने शोर मचाते हुए पीछा किया तो आसपास मौजूद दुकानदारों और राहगीरों ने बदमाशों को घेर लिया। उन्होंने एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी। दूसरा बदमाश फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ के कब्जे से आरोपी को छुड़ाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी पहचान पूर्वा अहमद नगर निवासी फैजल के रूप में हुई। उधर, सीओ संग्राम सिंह ने बताया कि फैजल की हालत ठीक नहीं है। इसलिए उसके परिवार को बुलाया गया है। मोबाइल वापस मिलने के बाद पीड़ित ने थाने में तहरीर देने से इनकार कर दिया।

डीएम, एसपी और एसडीएम ने खरीदे मिट्टी के दीये, बांटे उपहार

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना जरूरी - डीएम, शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की एसपी ने की अपील



चन्दौसी। दीपावली के पर्व पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी और उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने बाजार में पहुंचकर मिट्टी के दीयों की खरीदारी की। अधिकारियों ने मिट्टी के दीये बेच रहे कुम्हारों और दुकानदारों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही उन्हें उपहार वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों को अपने बीच देखकर दुकानदारों और स्थानीय लोगों में भी उत्साह दिखाई दिया।

जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने कहा कि दीपावली रोशनी और खुशियों का पर्व है। इस अवसर पर हमें मिट्टी के दीयों का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने से पर्यावरण को नुकसान कम होता है और स्थानीय कारीगरों तथा कुम्हारों को रोजगार मिलता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सजावटी लाइटों के साथ पारंपरिक मिट्टी के दीयों का अपना अलग महत्व है। हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने के लिए मिट्टी के दीयों को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहार पर स्थानीय कारीगरों से मिट्टी के दीये और अन्य स्वदेशी उत्पाद खरीदें, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने लोगों से दीपावली का त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार खुशियों और आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। सभी लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए पर्व मनाएं। आतिशबाजी करते समय सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क है।

बाजारों और प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि लोग बिना किसी परेशानी के त्योहार मना सकें। उप जिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने भी लोगों को मिट्टी के दीयों के इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों ने दुकानदारों से उनकी बिक्री और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान मिट्टी के दीये खरीदकर उन्होंने आम लोगों को भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का संदेश दिया। अधिकारियों की इस पहल से स्थानीय कुम्हारों और छोटे दुकानदारों का उत्साह बढ़ा। उन्होंने प्रशासन की इस पहल की सराहना की।

दीपावली पर बाजारों में छाई रौनक, फूलों और दीयों की जमकर हुई बिक्री



चन्दौसी। दीपावली के पर्व को लेकर शहर के बाजारों में रौनक छाई रही। सुबह से ही बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी रही। घरों को सजाने से लेकर पूजा-पाठ की सामग्री खरीदने तक लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बाजारों में फूलों, दीयों, मोमबत्तियों और रंग-बिरंगी झालरों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। दीपावली के चलते फूलों की मांग में भी काफी इजाफा हुआ। गेंदे और गुलाब के फूलों की जमकर बिक्री हुई। लोगों ने घरों के मुख्य द्वार सजाने के लिए फूलों की मालाएं खरीदीं। वहीं पूजा के लिए मिट्टी के दीये, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, खील-बताशे और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी खूब खरीदारी हुई। मिट्टी के दीयों के साथ आकर्षक डिजाइन वाली मोमबत्तियां और इलेक्ट्रॉनिक दीपकों ने भी लोगों को आकर्षित किया।

दीपावली को लेकर शहर की सड़कों, बाजारों और प्रमुख प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। शाम होते ही पूरा शहर रोशनी से जगमगा उठा। दुकानों और मकानों पर लगी झालरों की चमक देखते ही बन रही थी। मिठाई और गिफ्ट की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही।

लोगों ने अपने परिचितों और रिश्तेदारों के लिए मिठाइयां तथा उपहार खरीदे। बाजारों में देर शाम तक चहल-पहल बनी रही। त्योहार को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह नजर आया। दीपावली की सजावट और खरीदारी ने बाजारों की रौनक बढ़ा दी। शहर में चारों ओर रोशनी और सजावट से दीपोत्सव का उल्लास दिखाई दिया।

पंचायत एवं विधानसभा मतदाता सूचियों के मिलान कार्य में तेजी लाएं बीएलओ- जिलाधिकारी



बहजोई/चन्दौसी। जनपद में मतदाता सूचियों को शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने तहसील चंदौसी में पंचायत एवं विधानसभा मतदाता सूचियों के मिलान कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से वार्ता कर कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि दोनों मतदाता सूचियों का सावधानीपूर्वक मिलान करते हुए पात्र मतदाताओं से संबंधित विवरण का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए।

इसी क्रम में तहसील सभागार सम्भल में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह ने बीएलओ के साथ बैठक कर मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मतदाता सूची में जेंडर रेशियो एवं ईपी रेशियो (मच् ंजपव) को बेहतर बनाए रखने, फॉर्म-6 के माध्यम से नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा छूटे हुए पात्र नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से डुप्लीकेसी रोकने, मतदाताओं के विवरण में त्रुटियों को दूर करने तथा सभी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने पर ध्यान देने के निर्देश दिए।

शिव शान्ति आदर्श जूनियर हाईस्कूल व राजेश कुमार पब्लिक स्कूल के बच्चों ने बनाई आकर्षक रंगोली



चन्दौसी। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में शिव शान्ति आदर्श जूनियर हाईस्कूल एवं राजेश कुमार पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने रंग-बिरंगे रंगों, फूलों और विभिन्न सजावटी सामग्रियों की मदद से आकर्षक रंगोलियां बनाईं। रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने दीपावली के महत्व, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और खुशहाली का संदेश दिया।

विद्यालय परिसर में बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए सुंदर डिजाइन तैयार किए। किसी ने दीपों से सजी रंगोली बनाई तो किसी ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की आकृतियों को रंगों के माध्यम से उकेरा। रंगोलियों में पारंपरिक संस्कृति और त्योहार की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे की रंगोलियों को देखकर उनकी सराहना की। विद्यालय का वातावरण रंगों और दीपावली के उल्लास से सराबोर नजर आया। शिक्षकों ने बच्चों को दीपावली के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों की रचनात्मक क्षमता विकसित होती है और उनमें आपसी सहयोग एवं टीम भावना का विकास होता है। साथ ही भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति लगाव बढ़ता है। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। सभी स्टाफ को मिष्ठान व पुरूस्कार देकर पुरूस्कृत किया गया व प्रबन्धक ने कहा कि यह अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला त्यौहार है सभी लोग इस त्यौहार को अपने-अपने हिसाब से मनाएं व इस पर्व पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। इस दौरान प्रबन्धक एस.के सक्सेना, प्रधानाचार्य राजेश कुमार, प्रधानाचर्य वर्षा गर्ग व अलका सक्सेना आदि समस्त मौजूद रहा।

दीपावली पर जमकर हुई आतिशबाजी, पटाखों की खूब हुई बिक्री



चन्दौसी। दीपावली का पर्व शहर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। शाम होते ही घरों और प्रतिष्ठानों में दीप जलाए गए। इसके बाद देर रात तक शहर के विभिन्न मोहल्लों में आतिशबाजी का दौर चलता रहा। बच्चों से लेकर युवाओं और बड़ों तक में पटाखे चलाने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। आसमान रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी से जगमगाता रहा।

दीपावली को लेकर पटाखों के बाजार में भी खूब रौनक रही। त्योहार से पहले ही लोगों ने पटाखों की खरीदारी शुरू कर दी थी। दीपावली के दिन भी पटाखों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। बच्चों ने फुलझड़ी, अनार, चकरी और छोटे पटाखे खरीदे, जबकि युवाओं ने रॉकेट और आसमान में रोशनी बिखेरने वाले पटाखों को पसंद किया। दुकानदारों के अनुसार विभिन्न प्रकार के पटाखों की मांग बनी रही और देर शाम तक बिक्री होती रही। रात में शुभ मुहूर्त में लोगों ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इसके बाद घरों के बाहर दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया गया। बच्चों ने परिवार के सदस्यों के साथ आतिशबाजी का आनंद लिया। मोहल्लों में कहीं अनार की रोशनी दिखाई दी तो कहीं रॉकेट आसमान में रंग बिखेरते नजर आए। पटाखों की आवाज से देर रात तक शहर गूंजता रहा। घरों की छतों और गलियों में भी दीपों की सजावट के साथ आतिशबाजी का नजारा देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां बांटी।

गंभीर रूप से घायल नितिन की मौत

समय पर इलाज मिलता तो बच सकती थी जान



चन्दौसी। एक दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल नितिन उम्र 25 वर्ष निवासी करेली की इलाज के दौरान मौत हो गयी। यहां बताते चले कि शनिवार को करेली रोड शमशान घाट के पास बाइक सवार नितिन अपनी बाइक से दीपावली पर्व की खरीददारी करने आ रहा था अचानक मरघट के सामने कोचिंग पड़ने जा रही कक्षा 9 की एक किशोरी को टक्कर मारी और फिर सामने से आ रहे पिकअप की चपेट में बाइक आ गई जिससे नितिन बाइक सहित गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया लगभग एक घंटे तक सड़क पर पड़ा रहने के कारण सिर से अधिक खून हो गया। सड़क पर खून ही खून नजर आ रहा था। हालांकि घटना देखकर आसपास के लोग आ गये।

लेकिन इलाज कराने के लिए किसी ने उसको अस्पताल तक नहीं पहुंचाया और पुलिस व एम्बुलेंस का इंतजार करते रहे। आखिर मीडियाकर्मी को सीओ को फोन करने के उपरान्त पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक खून ज्यादा बह चुका था। समय पर एम्बुलेंस न पहुंचाने के कारण परिजनों व राहगीरों ने घायल को ई-रिक्शे से संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया। मुरादाबाद जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। फिलहाल बाइक के पीछे बैठे राजवीर के कम चोटें आयी।

दूसरा सबसे बड़ा कारण हेलमेट न पहनना रहा। यदि हेलमेट होता संभवत: नितिन की जान बच सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इधर घायल किशोरी को आनन-फानन में चिकित्सालय पहुंचाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि बाइक तेज गति थी सबसे पहले बाइक किशोरी को लगी और संतुलन बिगड़ने के बाद पिकअप पर जा लगी।

दीपावली के दृष्टिगत आतिशबाजी बिक्री स्थलों का अपर जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सम्भल (बहजोई)- दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद में आतिशबाजी की बिक्री के लिए निर्धारित स्थलों पर सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह ने सम्भल नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत कुरुक्षेत्र तीर्थ मैदान में लगाई गई आतिशबाजी की दुकानों एवं स्टालों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने आतिशबाजी बिक्री के लिए जारी लाइसेंस एवं निर्धारित शर्तों का अनुपालन, दुकानों के बीच पर्याप्त दूरी, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता तथा सुरक्षा के अन्य इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित दुकानदारों को निर्देशित किया कि आतिशबाजी की बिक्री निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप ही की जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक दुकान पर अग्निशमन उपकरण एवं रेत-पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। दुकानों के आसपास ज्वलनशील सामग्री न रखी जाए तथा निर्धारित क्षेत्र में ही आतिशबाजी का भंडारण एवं बिक्री सुनिश्चित की जाए। विद्युत कनेक्शन एवं वायरिंग सुरक्षित रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आतिशबाजी बिक्री स्थलों पर नियमित निगरानी रखी जाए तथा सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी एवं दुकानदार सुरक्षा संबंधी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा पुलिस लाइन में पुलिस परिवार के साथ हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ 35000 दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव पर्व मनाया गया

बदायूँ - दीपावली के पावन पर्व के शुभ अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ सुश्री अंकिता शर्मा द्वारा पुलिस लाइन ग्राउण्ड, बदायूँ में शहीद स्मारक स्थल पर दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर पुलिस लाइन परिसर को आकर्षक ढंग से दीपों व रंगोली से सजाया गया तथा 35000 दीप प्रज्वलित कर प्रकाश पर्व दीपावली को हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया । कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. हृदेश कठेरिया, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर श्री सुमेध मिलिन्द जाधव, प्रतिसार निरीक्षक श्री इन्द्रजीत सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, थाना प्रभारीगण, पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण एवं पुलिस परिवार के सदस्यगण उपस्थित रहे । इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा समस्त पुलिस परिवार एवं उनके परिजनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की गई । उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, सौहार्द एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, जिसे सभी को मिल-जुलकर हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए । दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान पुलिस मॉडर्न स्कूल के बच्चों द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक दीपावली रंगोली बनाई गई, जिसकी सभी ने सराहना की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मिठाई वितरित की गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई । इसके अतिरिक्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा पुलिस पेंशनर्स को भी दीपावली के पावन अवसर पर मिठाई वितरित कर शॉल पहनाकर दीपावली की शुभकामनाएँ दी गईं । इस दौरान पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त कर्मियों के प्रति सम्मान एवं आत्मीयता व्यक्त करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया गया । कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने एक साथ दीप प्रज्वलित कर दीपावली की खुशियाँ साझा कीं । सम्पूर्ण पुलिस लाइन परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा तथा उत्सव का वातावरण बना रहा। बदायूँ पुलिस की ओर से समस्त जनपदवासियों एवं पुलिस परिवार को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ। आप सभी की दीपावली मंगलमय एवं प्रकाशमय हो।



कार्य दिवस में भी गायब रहे नगर पालिका के ईओ

एडीएम प्रशासन को दी गई सूचना

आज समाचार सेवा

नगीना। दीपावली महापर्व के अवसर पर भी नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार नदारद रहे। पत्रकारों ने एडीएम प्रशासन अंशिका दीक्षित को जानकारी दी। दीपावली महापर्व पर पालिका द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के लिए पत्रकार शनिवार को सुबह साढ़े दस बजे से नगर पालिका में ईओ सतीश कुमार को ढूंढते रहे एन मिलने पर उन्हें फोन किया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। तहसील सभागार में चल रहे संपूर्ण समाधान दिवस में भी ईओ सतीश कुमार दिखाई नहीं दिए। तो दोपहर ढाई बजे पत्रकार नगीना पार्क में ईओ के आवास कैंप कार्यालय पर गए। वहां मौजूद एक कर्मचारी ने बताया कि वह बुलंदशहर अपने घर चले गए हैं। ईओ का वर्जन लेने के लिए पत्रकारों ने उन्हें फिर फोन किए लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। एक पत्रकार ने वहीं से एडीएम प्रशासन अंशिका दीक्षित को फोन कर ईओ सतीश कुमार के कार्यदिवस में भी उपलब्ध न होने की सूचना दी। नगीना पार्क में एक कर्मचारी ने बताया कि अतिथि गृह को ईओ सतीश कुमार ने अपना सरकारी आवास कैंप कार्यालय बना रखा है।

एस.एन.एस.एम. इंटर कॉलेज मैदान में सजा आतिशबाजी बाजार

उमड़ी खरीदारों की भीड़

आज समाचार सेवा

नहटौर। दीपावली के पावन पर्व को लेकर नगर के हलदौर चैराहे के पास स्थित एस.एन.एस.एम. इंटर कॉलेज के मैदान में आतिशबाजी का अस्थाई बाजार सजाया गया है। शनिवार शाम करीब 4 बजे से ही यहां पटाखों की खरीदारी के लिए लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था, जो रविवार को भी जारी रहा।

बाजार में नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पटाखे खरीदने पहुंचे। इस आतिशबाजी बाजार में चरखी, अनार, फुलझड़ी और फैंसी आतिशबाजी के कई आकर्षक स्टॉल लगाए गए थे। इसके अलावा बाजार में त्योहारी सीजन से जुड़ा सजावटी सामान और बच्चों के खिलौने भी खूब बिके। दुकानदारों ने जानकारी दी कि खरीदारों की भारी भीड़ रहने के कारण इस बार बिक्री बहुत अच्छी हुई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कॉलेज मैदान में अग्निशामक यंत्र की उचित व्यवस्था की गई थी। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल भी लगातार बाजार पर नजर बनाए रहे। स्थानीय लोगों और खरीदारों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक ही स्थान पर आतिशबाजी बाजार लगने से उन्हें दीपावली की खरीदारी करने में काफी सुविधा मिली है।



18वीं इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया गया

आज समाचार सेवा

नहटौर। सेंट मैरी नजीबाबाद में 6 नवंबर 2026 को जिला बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू राजपूत की देखरेख में 18वीं इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नहटौर क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों से 50 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और ओवरऑल द्वितीय ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। ताइक्वांडो स्पोर्ट्स अकादमी के कोच व नेशनल रेफरी चमन सैनी ने बताया कि क्षेत्र के खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही बढ़त बनाए रखी। प्रतियोगिता में वीके इंटरनेशनल स्कूल से अयांश शर्मा व नित्य कुनाल सैनी, अग्रिम एमकेडी स्कूल से दक्ष खेडवाल, एसएनएसएम इंटर कॉलेज से मोहम्मद ईशान मलिक, कुमर महिपाल सिंह स्कूल से दीपिका तथा एचएमएस स्कूल से आयात परवीन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके साथ ही साईं मिलेनियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, वीके इंटरनेशनल, एसएनएसएम इंटर कॉलेज और बलराम कुंवर पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने 8 रजत पदक तथा विभिन्न स्कूलों के प्रतिभागियों ने 11 कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का मान बढ़ाया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर नहटौर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वीके इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक शिल्पी कुमार अग्रवाल, साईं मिलेनियम के प्रबंधक सुनील कुमार त्यागी, एसएनएसएम के प्रबंधक दर्पण त्यागी, सचिव राजू राजपूत, कोच चमन सैनी, शारदा सैनी, स्वाति, मिशु कुमारी, कुमारी रिया व प्रशांत कुमार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ

नहटौर। मोहल्ला पीर की चुंगी के पास स्थित आकिब आई विजन क्लिनिक में एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों ने अपनी आंखों की निशुल्क जांच का पूरा लाभ उठाया। शिविर के दौरान कुल लगभग 250 मरीजों की आंखों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। जांच के दौरान करीब 25 मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई, जिन्हें ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है। क्लिनिक के प्रबंधक डॉ. मौ. आकिब ने जानकारी दी कि इन सभी चयनित मरीजों को ऑपरेशन और आगे के उपचार के वास्ते महंत इंद्रेश हॉस्पिटल, देहरादून भेजा जाएगा। चिकित्सकों ने इस अवसर पर लोगों को सलाह दी कि आंखों में किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर समय पर जांच करवाएं और बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। शिविर के सफल आयोजन में परवेज अल्वी, कावेंद्र त्यागी, कादिर सियारा, मौ. हारून, स्पर्श और फार्मासिस्ट मौ. शाहरुख ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

एम0डी0 इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में मनाया गया विद्यालय का ग्यारहवां वार्षिक उत्सव



आज समाचार सेवा

बिजनोर। एम०डी० इंटरनेशनल स्कूल बिजनौर में 4 नवम्बर बुधवार को विद्यालय का ग्यारहवां वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया, जिसका विषय था ह्यअखण्ड भारत एक यात्राह्न कार्यक्रम का प्रारंभ संगीत के सुरों से हुआ जिसमें म्यूजिकल बैंड ने स्कूल प्रांगण को संगीत सुरों से आनंदमय कर दिया। तत्पश्चात आए हुए अतिथियों का स्वागत कर माँ सरस्वती की आराधना कर ज्योति प्रकाशित की गई, जिसमें मुख्य अतिथियों के साथ प्रबंधन कमेटी के सदस्य नवनीत जैन, समता जैन, नैना जैन, सुवंश धमीजा, नीशू जैन, संदीप जैन, अंजू जैन, कुलदीप जैन, अंजलि जैन, मोहित जैन, शुभि जैन तथा प्रधानाचार्या ऋतु कोच्चर, विद्यालय डीन राजीव गोयल व विद्यालय अध्यापकगण शामिल रहें। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए गत वर्ष की स्कूल रिपोर्ट पढ़ी गई जिसमें गत वर्ष की सभी उपलब्धियों को सबके समक्ष रखा गया। फिर विद्यालय कमेटी से नैना जैन द्वारा अपने विचार रखे गए। उन्होंने बच्चो की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता की सराहना करते हुए विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की तथा बच्चो के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में आगे प्री० प्राइमरी के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात प्रधानाचार्या ऋतु कोच्चर द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए। उन्होंने विद्यालय प्रगति व उन्नति का श्रेय विद्यालय के शिक्षक वर्ग को दिया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए गणेश वंदना कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रही। श्अखण्ड भारत एक यात्राश का नया रूप दर्शकों के समक्ष रखा गया। जिसे पथिक नामक चरित्र के माध्यम से दर्शकों के सामने दर्शाया गया। बच्चों द्वारा दी गई नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों को अपने स्थान से बाँधे रखा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भारत की विविधता, समृद्ध संस्कृति, पौराणिक आख्यानों और राष्ट्रभक्ति पर आधारित अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत आर्रोभक नृत्य और युग नृत्य के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना से भर दिया। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा पौराणिक कथा पर आधारित भक्त प्रहलाद नाटक एवं नृत्य का जीवंत मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को ईश्वर भक्ति और सत्य की विजय का संदेश दिया।

शिव उज्जैन नृत्य की ओजस्वी प्रस्तुति ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हुए होली के लोक रंगों, राजस्थानी एवं कालबेलिया नृत्य, बंगाली नृत्य, पंजाबी भांगड़ागिद्दा तथा गुजराती गरबा की लयबद्ध प्रस्तुतियों ने भारत की शिवविधता में एकताश की अनुपम छटा बिखेरी। ऐतिहासिक एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत तानाजी मालुसरे पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, आर्मी की अनुशासित एवं ऊजार्वान प्रस्तुति और स्पोर्ट्स एक्ट ने विद्यार्थियों में अनुशासन, साहस और देशभक्ति का जज्बा जगाया। इसके अलावा युवी डांस की विशेष प्रस्तुति ने भी खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का समापन एक भव्य ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने एक साथ मंच पर आकर अपनी ऊर्जा और कला का प्रदर्शन किया। अंत में, कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय डीन राजीव गोयल ने सभी अतिथिगण एवं परिजनों को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं एवं उनका आभार व्यक्त किया।

गहरे नाले में आवारा सांड़ गिरा, किया रेस्क्यू

आज समाचार सेवा



नहटौर। मोहल्ला जोशियां स्थित एक गहरे नाले में एक आवारा सांड़ गिर गया। नाला अत्यधिक गहरा होने के कारण सांड़ खुद बाहर निकलने में असमर्थ था और उसमें बुरी तरह फंस गया। घटना की सूचना तुरंत नगर पालिका प्रशासन को दी गई, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी कोई भी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। पालिका कर्मियों की इस लापरवाही और अनदेखी से नाराज होकर मोहल्लेवासियों ने खुद ही मोर्चा संभाला और एकजुट होकर बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय नागरिकों ने भारी मशक्कत के बाद सांड़ को नाले से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस राहत कार्य के दौरान विकास शर्मा, योगराज सैनी, रोहन शर्मा, कुणाल शर्मा, ललित शर्मा, एरिक शर्मा, विभास शर्मा, पंकज शर्मा, आशीष शर्मा तथा परम शर्मा सहित कई मोहल्लेवासी मौके पर मौजूद रहे। स्थानीय निवासियों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि क्षेत्र में आवारा पशुओं और सांड़ों का आतंक है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इन आवारा पशुओं को जल्द से जल्द पकड़वाकर सुरक्षित स्थान या गौशाला भेजा जाए।

मुंबई शिवसेना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष पूर्व नगर सेवक हारुन खान और नगर सेविका ज्योति खान का पत्रकार आसिफ अली के आवास पर हुआ जोरदार स्वागत

आज समाचार सेवा



बिजनौर। मुंबई शिवसेना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष एवं पूर्व नगर सेवक हारुन खान, नगर सेविका ज्योति खान तथा उनके बेटे रोशन खान ने पत्रकार आसिफ अली के आवास पर पहुंचकर पारिवारिक मुलाकात की। उनके आगमन पर पत्रकार आसिफ अली, मेहजबी परवीन और बेटे आयान अली ने गर्मजोशी के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर घर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सभी ने एक साथ बैठकर चाय-नाश्ते के बीच आत्मीय बातचीत की और एक-दूसरे का हालचाल जाना। मुलाकात के दौरान आपसी प्रेम, भाईचारे, सम्मान और पारिवारिक रिश्तों की खूबसूरत झलक देखने को मिली। पत्रकार आसिफ अली ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि अपनों का घर पर आगमन हमेशा खुशी और सम्मान का अवसर होता है। हारुन खान, ज्योति खान और रोशन खान के आगमन से परिवार में विशेष उत्साह रहा। इस आत्मीय मुलाकात ने आपसी रिश्तों में अपनापन और मधुरता को और मजबूत किया।

भाजपा नेता अरविंद गहलौत का स्वागत किया

नगीना। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य मनोनीत होने के बाद बुधवार को लखनऊ से लौटने के बाद अरविन्द गहलौत का यहां क्षत्रिय नगर में ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया गया। प्रमोद गहलौत, चंद्रमणि गहलौत, अनमोल गहलौत, चन्द्राश गहलौत, गर्वित चैधरी,कश्मीरी लाल मल्होत्रा,रिंकी मल्होत्रा,मुकेश कर्णवाल,दीपांशु कर्णवाल, उज्जवल कर्णवाल,वीणा गहलौत, सीमा गहलौत,संतोष कुमारी गहलौत,कशिश मल्होत्रा ने अरविंद गहलौत को फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, धर्म, मयार्दा और कर्तव्यपरायणता का प्रतीक

भगवान राम के ये 5 गुण बच्चों को बनाएंगे बेहतर इंसान, दिवाली पर हर पेरेंट्स जरूर सिखाएं

आज समाचार सेवा

दिवाली (दीपावली) का पर्व मुख्य रूप से उनके 14 वर्षों का वनवास पूरा करने और अधर्म पर धर्म की जीत (रावण का वध) के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है।भगवान श्रीराम के जीवन की मुख्य कथा और दीपावली का संबंध जन्म और बाल्यकालः भगवान श्रीराम का जन्म अयोध्या के सूर्यवंश में राजा दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ हुआ था। उन्हें श्मार्यादा पुरुषोत्तमश कहा जाता है क्योंकि उन्होंने हर परिस्थिति में मयार्दा का पालन किया। 14 वर्ष का वनवासः पिता राजा दशरथ के वचनों (कैकेयी के वरदान) को पूरा करने के लिए श्रीराम ने बिना किसी संकोच के राजपाठ त्याग दिया और माता सीता व छोटे भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्ष के वनवास के लिए वन गए। रावण वध और सीता मुक्तिः वनवास के दौरान लंकापति रावण ने माता सीता का छलपूर्वक हरण कर लिया। श्रीराम ने वानर सेना और भक्त हनुमान की सहायता से समुद्र पार किया, रावण का वध किया और माता सीता को मुक्त कराया। अयोध्या वापसी और पहली दिवालीः 14 वर्ष का वनवास और युद्ध समाप्त कर जब श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण अयोध्या लौटे, तो उनके स्वागत में पूरी अयोध्या नगरी को घी के दीपों से जगमगा दिया गया। तभी से इस प्रकाशोत्सव को दिवाली के रूप में मनाया जाता है।



श्रीराम के जीवन से मिलने वाले प्रमुख आदर्श

माता-पिता और बड़ों का सम्मानरू राम ने हमेशा अपने माता-पिता की आज्ञा और उनके वचनों का मान रखा। वचन की प्रतिबद्धताः उन्होंने जो कह दिया या जो संकल्प लिया, उसे निभाने के लिए किसी भी कठिनाई का सामना किया।

धैर्य और सहनशीलता

14 वर्ष के कठिन वनवास और संघर्षों में भी उन्होंने कभी अपना संयम और मार्ग नहीं छोड़ा। परोपकार और सहायताः उन्होंने हमेशा गरीबों, शोषितों और जरूरतमंदों की मदद की तथा समानता व न्याय पर आधारित रामराज्य की स्थापना की।

दिवाली खुशियों और रोशनी का त्योहार है। यह बच्चों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और अच्छे संस्कारों से जोड़ने का भी खास अवसर है। इस मौके पर माता-पिता उन्हें भगवान राम के जीवन और आदर्शों से जुड़ी कुछ अहम बातें बता सकते हैं। उनके ये पांच गुण बच्चों को बेहतर इंसान बनने और जीवन में सही राह चुनने की प्रेरणा दे सकते हैं। दिवाली पर बच्चों को जरूर सिखाएं भगवान राम के ये 5 गुण। (इस लेख में यूज की गई सभी तस्वीरें सांकेतिक हैं।) आज दिवाली है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम 14 वर्ष का वनवास पूरा करने और रावण का वध करने के बाद इसी दिन अयोध्या लौटे थे। उनके आगमन की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से दिवाली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और खुशियों के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। वहीं, दिवाली जैसे त्योहार बच्चों को बचपन से ही अपनी धार्मिक परंपराओं, संस्कृति और विरासत से जोड़ने का अच्छा अवसर होते हैं।

इससे वे न सिर्फ अपनी संस्कृति की समृद्धि और महत्व को समझते हैं, बल्कि इन परंपराओं और संस्कारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना भी सीखते हैं। आगे चलकर वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसीलिए, आज दिवाली मौके पर माता-पिता बच्चों को त्योहार का महत्व बताने के साथ-साथ भगवान राम के आदर्शों और उनके व्यक्तित्व के पांच ऐसे गुणों से भी परिचित करा सकते हैं, जिन्हें अपनाकर वे जीवन में एक बेहतर इंसान बन सकते हैं।

सच बोलना और ईमानदार रहना

माता-पिता बच्चों को भगवान राम का सबसे महत्वपूर्ण गुण यानी सत्य का साथ देना सिखा सकते हैं। भगवान राम ने हर परिस्थिति में सत्य और धर्म का मार्ग अपनाया। बच्चों को भी सिखाएं कि हालात चाहे जैसे हों, उन्हें हमेशा सच बोलना चाहिए और अपनी गलतियों को छिपाने के बजाय उन्हें स्वीकार करना चाहिए। इससे उनमें ईमानदारी और सही-गलत की समझ विकसित होगी। सचिन तेंदुलकर की बेटी और बहू ने ऑफिस में मनाई दिवाली, सादी सजावट पर अटकी नजर, अंदर की तस्वीरों से मिलेगा आइडिया सचिन तेंदुलकर की बेटी और बहू ने ऑफिस में मनाई दिवाली, सादी सजावट पर अटकी नजर, अंदर की तस्वीरों से मिलेगा आइडिया

माता-पिता का सम्मान करना

भगवान राम ने हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान किया और उनके दिए वचनों की मयार्दा रखी। माता-पिता बच्चों को उनके इस गुण के प्रति दया, सहयोग और मदद की भावना रखना सिखा सकते हैं। उन्हें समझा सकते हैं कि दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा बड़े काम करना जरूरी नहीं है। किसी जरूरतमंद का साथ देना, अपनी चीजें बांटना या मुश्किल समय में किसी की सहायता करना भी अच्छे संस्कारों का हिस्सा है।

वचन निभाना

भगवान राम ने हमेशा अपने वचनों का मान रखा और उन्हें पूरा करने के लिए हर परिस्थिति का सामना किया। उनके जीवन से माता-पिता बच्चों को यह सीख दे सकते हैं कि अपनी कही बात पर कायम रहना और ली गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाना कितना जरूरी है। इससे बच्चों में जिम्मेदारी और भरोसे की भावना विकसित होती है।

दिवाली पर पुरानी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति प्रयोग करनी चाहिए या नहीं? पंडितजी से जानें क्या हैं नियम दिवाली पर पुरानी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति प्रयोग करनी चाहिए या नहीं? पंडितजी से जानें क्या हैं नियम दूसरों की मदद करना भगवान राम हमेशा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहते थे। माता-पिता बच्चों को उनके इस गुण से दूसरों के प्रति दया, सहयोग और मदद की भावना रखना सिखा सकते हैं। उन्हें समझा सकते हैं कि दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा बड़े काम करना जरूरी नहीं है। किसी जरूरतमंद का साथ देना, अपनी चीजें बांटना या मुश्किल समय में किसी की सहायता करना भी अच्छे संस्कारों का हिस्सा है।





धैर्य रखना

कठिन परिस्थितियों में भी भगवान राम ने कभी अपना धैर्य और संयम नहीं खोया। इसका उदाहरण तब देखने को मिलता है, जब उन्होंने 14 वर्ष का वनवास मिलने पर विचलित या क्रोधित होने के बजाय शांति से परिस्थिति को स्वीकार किया। माता-पिता बच्चों को उनके इस गुण से सिखा सकते हैं कि मुश्किल समय में घबराने या गुस्सा करने के बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए।



यूं बनायें शरीर से मन की दूरी

अगर आप अपने अभ्यास पर टिके रहेंगे तो यह आपके शरीर और आपके बीच थोड़ी दूरी बना देगा। इसी तरह आपके मन और आपके बीच भी थोड़ा फासला बन जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कई बार ऐसा होता है कि लोगों के ब्लैडर भरे होते हैं, तकलीफ हो रही होती है, बाथरूम भी पास ही होता है, फिर भी लोग आराम से बैठे रह पाते हैं। अगर ये लोग अपनी साधना नहीं कर रहे होते, तो सवाल ही नहीं उठता कि वे लोग इस तरह वहां बैठ पाते। वे लोग वहां से भाग खड़े होते। लेकिन अब उनमें और उनके शरीर में, उनमें और उनके मन में थोड़ी दूरी आ गई है। वह समझ पा रहे हैं कि वे खुद क्या हैं और उनका शरीर व मन क्या है? .....



सद्गुरु जग्गी वासुदेव

अध्यात्मिक गुरू

इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम के दौरान हम लोग आपको जो अभ्यास सिखाते हैं, वह आपको इन चीजों से दूरी बनाना सिखाता है। अगर आप अपने अभ्यास पर टिके रहेंगे तो यह आपके शरीर और आपके बीच थोड़ी दूरी बना देगा। फिलहाल आप दुनिया में जो कुछ भी करते हैं, वह सब आप अपने शरीर और मन का इस्तेमाल करके करते हैं। जैसे ही आप इन दो चीजों से अपनी गहरी पहचान बनाते हैं, इन दोनों की बनाई हर चीज से भी आप अपनी पहचान बनाते जाएंगे। आपको अपने जीवन में लाखों चीजों के साथ काम करने की जरूरत नहीं है। अब घर जाकर ये कहना कि 'अच्छा, मैं इस बर्तन के साथ पहचान नहीं बनाऊंगा,' 'यह चाय की केतली है, मैं इसके साथ भी पहचान नहीं स्थापित करूंगा,' 'दीवार पर यह पेंट है, उससे भी पहचान नहीं बनाऊंगा'। ये भी एक तरह की प्रक्रिया हैं, लेकिन आपको जानना चाहिए कि ये सारी चीजें इसलिए होती हैं, क्योंकि आपने अपने शरीर व मन के साथ अपनी पहचान बना ली है।

मन और शरीर से दूरी स्पष्ट होने लगती है

इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम के दौरान हम लोग आपको जो अभ्यास सिखाते हैं, वह आपको इन चीजों से दूरी बनाना सिखाता है। अगर आप अपने अभ्यास पर टिके रहेंगे तो यह आपके शरीर और आपके बीच थोड़ी दूरी बना देगा। इसी तरह आपके मन और आपके बीच भी थोड़ा फासला बन जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कई बार ऐसा होता है कि लोगों के ब्लैडर भरे होते हैं, तकलीफ हो रही होती है, बाथरूम भी पास ही होता है, फिर भी लोग आराम से बैठे रह पाते हैं। अगर ये लोग अपनी साधना नहीं कर रहे होते, तो सवाल ही नहीं उठता कि वे लोग इस तरह वहां बैठ पाते। वे लोग वहां से भाग खड़े होते। लेकिन अब उनमें और उनके शरीर में, उनमें और उनके मन में थोड़ी दूरी आ गई है। वह समझ पा रहे हैं कि वे खुद क्या हैं और उनका शरीर व मन क्या है? हो सकता है कि आप सचेतन रूप से यह चीज महसूस न कर पाते हों, लेकिन ज़रा गौर कीजिए कि जीवन के कितने पहलुओं में आप व आपके शरीर के बीच, और आप व आपके मन के बीच एक खास तरह का फासला है।

खुद पर मेहनत करने के फायदे

हो सकता है कि आप उतने सचेत न हों कि उस फासले को महसूस कर पाएं, लेकिन गौर से देखेंगे तो पाएंगे कि ऐसा हो रहा है। अब आपके तन व मन की छोटी-छोटी चिंताएं आपसे दूर होंगी। इसी चीज की आज जरूरत है। एक दिन आप महसूस करेंगे कि आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीज, जिसे लेकर आपको लगता था कि आप उनके बिना जी ही नहीं पाएंगे, अचानक अब वह आपके लिए उतनी मायने ही नहीं रखती। लेकिन साथ ही आपके अंदर उसके प्रति कोई दुर्भावना भी नहीं होगी। आप हर चीज पहले से भी बेहतर तरीके से करेंगे, लेकिन अगर कुछ घटित होता है, तो अब आपको इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि आपने किसी दूसरे के साथ कुछ करने की कोशिश की, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आपने अपने ऊपर काम करने की कोशिश की। कोई अपना परिवार छोड़ना चाहता है, तो कोई अपने पति या पत्नी को छोड़ना चाहता है। आप अपने पति या पत्नी को छोड़कर आजाद होना चाहते हैं, लेकिन आप आजाद नहीं होंगे। अगर आप ऐसा करना चाहते हैं, तो योग एक अच्छा बहाना होगा। महत्वपूर्ण चीज है कि आप अपना ही शरीर और मन छोड़ना चाहते हैं। दूसरे शरीर से आपको इसलिए आसक्ति है, क्योंकि आपको अपने शरीर से आसक्ति है। चूंकि आप इस शरीर से आसक्त हैं, इसलिए आप किसी दूसरे से भी आसक्त हैं। अगर इस शरीर में आपकी आसक्ति नहीं है, तो फिर किसी और के साथ आसक्ति का सवाल ही कहां पैदा होता है?

ज्ञान योग के लिए बहुत मेहनत की जरूरत होगी

इस स्थिति पर बौद्धिक रूप से भी पहुंचा जा सकता है। अगर आप बस अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करें और खुद को अपने तन व मन से दूर कर लें तो इसे ही 'ज्ञान योग' कहा गया है। इसके लिए आपको अपने मन पर काम करना होगा। आपको इसे इस तरीके से धारदार बनाना होगा कि यह सबसे तेज धारदार रेजर बन जाए, जिससे आप हर चीज को काटकर गुजर सकते हैं। इसके लिए बहुत सारी मेहनत की जरूरत होती है। यही वजह है कि हम दूसरे तरीकों का भी सहारा ले रहे हैं, क्योंकि अधिकांश लोगों के पास उस तरह की बुद्धि नहीं होती। कुछ दुर्लभ या गिने-चुने लोगों के पास ही इस तरह की बौद्धिक क्षमता होती है कि वे अपनी बुद्धि का इस्तेमाल कर खुद को मुक्त कर सकें।

सुख-साधनों के स्वामी बनें, ना कि गुलाम

हम में अपने दैहिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुंदरता पर ध्यान रखने के साथ-साथ अपने मन, बुद्धि, भावना और विचारों को स्वस्थ, शुद्ध, सुंदर और सकारात्मक बनाने की जरूरत है। उसके लिए हमें अपने अंदर निरंतर चल रहे संकल्प और भावनाओं का निरीक्षण कर उनमें परिवर्तन करने की जरूरत है। इससे हम वातावरण में बढ़ रही नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकते हैं। इससे हम सबके प्रति शुभ भावना व शुभकामना रूपी सकारात्मक शक्तियों की मात्रा को स्वयं में और दुनिया के हर स्तर पर बढ़ा सकते हैं।

देखा जाए तो ज्यादातर लोग आज भौतिक चकाचौंध से दूर रहना चाहते हैं, किसी गहरी शांति या मानसिक सुकून की तलाश में हैं। यह तलाश आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न व्यक्ति और वातावरण के सान्निध्य में आने से ही पूरी हो सकती है। जीवन और संसार में अगर सकारात्मक वाइब्रेशन और उसकी मात्रा को ऊंचा उठाना हो, तो हर व्यक्ति के मन में सचाई और सफाई होनी चाहिए। यह तब संभव हो सकता है जब हम व्यक्तिगत व सामूहिक स्तर पर आध्यात्मिक ज्ञान, नैतिक मूल्य और ईश्वरीय योग के नियमित अभ्यासी और अनुभवी बनेंगे।

असल में हम कुछ बुनियादी बातों को नजरअंदाज कर चुके हैं। जैसे- हर मानव मूल रूप में एक अविनाशी व ज्योति स्वरूप चेतन शक्ति आत्मा है। वह शांति, सुख, प्रेम, पवित्रता आदि सकारात्मक गुण और शक्तियों से संपन्न है। मूल आत्मिक स्वरूप में हम सब भाई-भाई हैं। एक ही रूहानी पिता परमात्मा की दिव्य संतानें हैं। इन महीन ज्ञान को हम भूल चुके हैं। भौतिकता के आवरण ने हमें भाईचारे, विश्व बंधुत्व व वसुधैव कुटुंबकम् आदि सद्भावनाओं से दूर कर रखा है। केवल सत्संग और आध्यात्मिक संगति के समय ही विश्व शांति, सद्भावना, मानवीय एकता व भाईचारे की बातें हमें याद आती हैं।

हमारे रूहानी पिता परमात्मा निस्वार्थ प्रेम के सागर हैं। वह आध्यात्मिक ज्ञान, गुण और शक्तियों के शाश्वत स्रोत हैं। सरल व पवित्र मन बुद्धि से उनके सानिध्य में बैठकर आत्मिक ऊर्जा को अनुभव करना जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि है। खासकर वर्तमान परिवेश में खुशहाल जीवन के लिए मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखना जरूरी है। तमाम उलझनों के बावजूद यही चाहत हमारे अंदर सद् विचार के बीज बोती है। इसे कायम रखने के लिए आवश्यक है कि हम नियमित परमात्म स्मृति और ज्ञान चिंतन में रहकर सकारात्मक गुणों को धारण करें, सहज राजयोग का अभ्यास करें। ऐसे ही कंटेंट को सोशल मीडिया से लेना और सबको फॉरवर्ड करना है। इससे समाज को सकारात्मक दिशा और दशा मिलेगी। इससे ही घर, परिवार और संसार का वातावरण खुशहाल होगा।

इसके लिए दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें। रात को सोने से पहले कुछ देर आध्यात्मिक तरीके से योग, ध्यान और सकारात्मक चिंतन करें। साधनों का मालिक बनें, न कि गुलाम। रूहानी ज्ञान व परमात्म योग की साधना द्वारा अपनी भावना, सोच, विचार व कर्म व्यवहार को संयमित, नियमित, मर्यादित, श्रेष्ठ, शालीन और सुखदायी बनाएं। यही सच्ची साधना है जो हमें साधन, संसाधन और कर्मेंद्रियों का मालिक बनाती है। जो इनका सही उपयोग सीखता है, वही जीवन को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध बनाता है।

ब्रह्म कुमारी शिवानी



अज्ञानता में की गयी गलती के पश्चाताप उबरें

कई बार ऐसा होता है कि हम उन गलतियों के लिए गिल्ट महसूस करने लगते हैं, जो गलती हमने जानबूझकर नहीं की होती है या जिन गलतियों का कोई मतलब भी नहीं होता है। लेकिन उन गलतियों का रिजल्ट कुछ ऐसा आता है कि हम गिल्ट महसूस करने लगते हैं, खुद को कसूरवार ठहराने लगते है। तो, क्या ऐसी गलतियों के लिए गिल्ट महसूस करना सही है? साथ में ये भी जानेंगे कि इस तरह के गिल्ट से खुद को कैसे उबारा जा सकता है?

गिल्ट एक ऐसा भाव है, जो इंसान को सुकून से जीने नहीं देता।

गिल्ट (अपराधबोध) की भावना अक्सर अज्ञानता में की गई गलतियों के कारण ही आती है। गिल्ट एक ऐसा भाव है, जो इंसान को सुकून से जीने नहीं देता। लोग उस गिल्ट के बोझ के तले दबकर अपनी मानसिक शान्ति तक खो बैठते हैं। गलती, अनजाने में हुई रहती है, तो न तो आप उसे सुधार सकते हैं और न ही उसके लिए कुछ कर सकते हैं। ऐसे में लोग बस खुद को दोष देते रहते हैं कि काश उन्होंने ये बेवकूफी की ही नहीं होती।

अगर आप भी ऐसा महसूस करते हैं, तो यहां कुछ तरीके हैं जो आपको गिल्ट से उबारने में मदद कर सकते हैं-

गिल्ट की भावना को लम्बे समय तक नहीं खींचे-

अपराध बोध को आपको लंबे समय तक नहीं खींचना चाहिए। जब ज्ज्अपराध बोध तर्कहीन होता है, तो यह शर्म की ओर ले जा सकता है। सहानुभूति और आत्म-सुधार को बढ़ाने के बजाय, इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। यह आक्रामकता और अवसाद को भी बढ़ावा देता है। इसलिए, गिल्ट की भावना को बहुत अधिक ना खींचे।

स्वीकृति और माफी

आप जब तक ये सोचते रहेंगे कि आप खुद को ये गलती करने से रोक सकते थे, तब तक आप अपनी गलतियों को माफ नहीं कर सकेंगे। इसलिए, आत्म-क्षमा के लिए सर्वशक्तिमान होने का भ्रम त्यागना आवश्यक है, यानि अपनी गलतियों को स्वीकारें और उनके लिए माफी मांगें। ये सोचना बंद करें कि आपसे ये गलती कैसे हो गयी या आप इस तरह की बेवकूफी कैसे कर सकते हैं। स्वीकृति और माफी की भावना आपके अंदर की बोझ को कम कर सकता है।

सेल्फ-अवेयरनेस

अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। आप जितना बेहतर खुद को जानेंगे, आप समझ पाएंगे कि आपमें किसी को नुकसान पहुंचाने वाली सोच थी या नहीं। जैसे ही पता चल जाएगा कि जो आपने किया है, वैसी आपकी सोच या भावना नहीं है, या आपने उस मंशा से नहीं किया है, तो आपका गिल्ट खुद-ब-खुद कम हो जाएगा।

सकारात्मक दिशा में सोचें

गिल्ट की भावना से बाहर निकलने के लिए सकारात्मक दिशा में सोचें। इस बात को स्वीकार करें कि गलतियाँ हर किसी के साथ होती हैं और हम सभी मानव हैं और हम सभी गलतियों से गुजरते हैं। गिल्ट को समझने और उससे उबारने के लिए आपकी खुद के लिए संवेदना और सकारात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।

दूसरों के नजरियें से खुद को ना देखें -

कई बार हम खुद को ज्यादा दोषी इसलिए समझने लगते हैं क्योंकि दूसरे अपने सोच के आधार पर उसका मूल्यांकन करने लगते हैं और कुछ सामने वालों को हमेशा दूसरों को स्वार्थी साबित करने की जल्दबाजी रहती है। ऐसे में खुद का मूल्यांकन बेहद जरूरी है। कभी भी खुद को दूसरों की नजरों से देखकर प्रताड़ित ना करें। यदि आपमें विचारों और आत्मविश्वास की कमी रहेगी, तो आप किसी और के तर्कहीन विचारों, भावनाओं और कार्यों के लिए खुद को आसानी से दोषी बना लेंगे। इसलिए, खुद के साथ ऐसा ना होने दें।

चंदा कुमारी



कहाँ करें भगवान की तलाश

मानव सभ्यता दो चीजों पर आधारित है और वो है जीव विज्ञान और जीवन दर्शन। वैज्ञानिक दृष्टि से एक इंसान में पांच तत्व शामिल हैं - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश और आत्मा। पहले पांच तत्व से शरीर बना है जबकि छठा किसी भी व्यक्ति के चेतना को दर्शाता है। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, मानव शरीर अपने तत्वों की पूर्ति शरीर से बाहर मुख्यधारा में काम कर रहे समकक्ष पांच उपलब्ध तत्वों से कर लेता है।

वस्तुगत सच्चाई- जब भी पांच तत्वों में से किसी का भी संपर्क बाहर के अपने संबंधित मुख्यधारा के साथ टूट जाता है तो इसकी कमी किसी तरह की बीमारी या शरीर में अशांति का कारण बनती है. हालांकि एक तत्व की कमी को किसी भी अन्य तत्व से पूरा नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर पानी की जरूरत को पृथ्वी, आग, हवा या आकाश से पूरा नहीं किया जा सकता है और इसी तरह हवा की कमी को जल, पृथ्वी या आग से नहीं भरा जा सकता है. इसी तरह मानव शरीर के चारों ओर मौजूद चेतना (आत्मा) की मुख्यधारा के हरेक इकाई में भगवान सर्वव्याप्त हैं। आध्यात्मिक स्वास्थ्य, चेतना की हर इकाई और आत्मा के लिए हमेशा भगवान का साथ होना जरूरी है। जब यह संपर्क लगातार नहीं बनाए रखा जाता है तो इससे दिमाग में अवसाद या अशांति होती है। मानव जीवन की पूर्ति के लिए जीवन के उद्देश्य को हकीकत में बदलना बेहद जरूरी होता है।

अबतक मनुष्य की सर्वोच्च उपलब्धि वास्तविक सच का ज्ञान, ब्रह्म ज्ञान या भगवान के रहस्यों को जानना है और इस प्रकार यह मानव मूल्यों का आधार कहे जाने वाले दर्शन का भी उचित मापदंड है। भगवान के कई नाम हो सकते हैं पर कई जमाने से यह वैसा ही रहा है. यहां तक कि सभी ज्ञात शास्त्रों में भगवान के ज्ञान का खुलासा करने की विधि भी का उल्लेख भी एक जैसा ही है। भगवान के रहस्यों को जानना उनके ज्ञाता या सच्चे गुरु के माध्यम से ही संभव है। भगवान को जानना एक वरदान है क्योंकि यह स्वंय का ज्ञान भी वहन करती है। वास्तविक ज्ञान के अभाव में भगवान हरेक व्यक्तियों के लिए अलग और विभिन्न अवसरों पर समान व्यक्तियों के लिए यह अलग है। संस्कार और अनुष्ठान के जाल में फंसकर धर्म ने अपने आकर्षण को खो दिया है। एकजुट करने के बजाय यह अपने आप में एक बड़ा विभाजन बल बन गया है। सांप्रदायिक विभाजन और भौतिकवादी दृष्टिकोण ने मानव मूल्यों पर कहर ढ़ाया है और समाज के उस बिंदु को कमजोर कर दिया है जहां स्वार्थ जीवन के हर चाल में स्थायी हो गया है। मानवता से उपर उठने की कोशिश में आदमी मानवता के रूपों में बंट गया है। अगर इंसान भगवान के प्रति विश्वास खो देता है तो वह अपने लिए भी विश्वास खो देता है। हिप्पो के गस्टीन लिखते हैं कि हमारी आत्मा तब तक बैचैन है जब तक वह तुम्हारे या मेरे भगवान में बाकी है।

अति प्राचीन सत्य- धर्मशास्त्रों के अनुसार संत निरंकारी मिशन सदियों पुरानी इस सोच का समर्थन करता है कि भगवान को पाना मनुष्य का प्रथम उद्देश्य है, जो दुनिया में सौहार्द्र और मानवता के भाईचारे का भी पोषक है। यह भगवान और मनुष्य के बीच एक पवित्र संवाद स्थापित कर मानव समुदायों में आपस में सामंजस्य बनाता है।

सी एल गुलाटी



सप्ताह के व्रत-पर्व

9 नवम्बर	सोमवार	गोवर्धन कार्तिक कृष्ण अमावस्या
10 नवम्बर	मंगलवार	चंद्रदर्शन कार्तिक शुक्ल एकम
11 नवम्बर	बुधवार	भाई दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया
12 नवम्बर	गुरुवार	कार्तिक शुक्ल तृतीया
13 नवम्बर	शुक्रवार	छठ व्र.नि.पा. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी
14 नवम्बर	शनिवार	गुरु गोविंद सिंह पुण्य कार्तिक शुक्ल पंचमी
15 नवम्बर	रविवार	सूर्य षष्ठी कार्तिक शुक्ल षष्ठी



विज्ञान से जोड़ें धर्म को

मुकुल शर्मा इस बात पर हैरान होते हैं कि किस तरह कोई चाँद पर मौजूद होकर भी अर्द्धचन्द्राकार को ढूंढता है। हो सकता है कि विज्ञान धर्म के साथ तुलनीय न हो, लेकिन इसके पास इसके साथ जुड़ने का एक रास्ता है। अंतरिक्ष खोज को लें। 1968 में क्रिसमिस की पूर्वसंध्या पर, अपोलो 8 के क्रू ने चांद का चक्कर लगाते हुए सोचा कि बाइबल 'उत्पत्ति की पुस्तक' को पढ़ा जाना चाहिए। उस समय वह सबसे ज्यादा देखे जाने वाला टीवी प्रसारण था।

फिर भी घर लौटने वाले सारे लोग खुश नहीं थे। पहले नास्तिक ने अमेरिकी सरकार पर 'फर्स्ट एमेंडमेंट' का उल्लंघन करने पर मुकदमा किया। यह कानून चर्च और राज्य को अलग करता है। अधिकार क्षेत्र की कमी के कारण सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले को खारिज कर दिया लेकिन अपोलो 11 मिशन के छह महीने बाद, जब बज ऑल्ड्रिन को चंद्रमा की सतह पर उतरने के फौरन बाद संचार प्राप्त हुआ, तो नासा ने हस्तक्षेप किया। परिणामस्वरूप, ऑल्ड्रिन ने केवल गैर-धार्मिक शब्द बोलें जिन्हें लोग सुन सकते थे, और फिर ऑफ-ऐयर होने पर वास्तविक ग्रंथ पढ़ा।

यह घटना अपेक्षाकृत छोटी लगती है लेकिन बाह्य अंतरिक्ष में किसी के द्वारा धर्म के अभ्यास की समस्याओं ने अन्य अधिक दुर्जेय बाधाओं को जन्म दिया है। उदाहरण के लिए, जब 2003 दिन में यहूदी अंतरिक्ष यात्री ईआन रामोन अंतरिक्ष में उड़े तो कोशर खाने को शामिल करना बड़ी बात नहीं थी, लेकिन जब सब्बाथ के अवलोकन की बात आई, तो उन्हें गंभीर वैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि आमतौर पर व्यक्ति रविवार के लिए सात सूर्यास्तों का इंतजार करता है, जबकि शटल सवार के लिए हर 90 मिनट में ऐसा होता है। आखिर में, उस अंतरिक्ष यात्री ने 'जमीनी नियमों' का पालन किया और पृथ्वी संबंधी सब्बाथ विकास का अवलोकन किया।

मामला तब और अधिक गंभीर हो गया जब मलेशियाई अंतरिक्ष यात्री शेख मुसजाफर शुकोर रमजान के महीने के दौरान एक रूसी सोयज़ अंतरिक्षयान में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की नौ दिन की यात्रा की तैयारी कर रहे थे। मुसलमान होने के नाते, वह कैसे रोजे रखते या एक दिन में पांच बार नमाज पढ़ते, जबकि एक दिन 24 घंटे का होता ही नहीं। इससे बड़ी बात, उनके प्रति घंटा 27,700 किमी सफर करने के साथ मक्का की स्थिति बार बार बदलने की सूरत में वह मक्का की तरफ चेहरा कैसे करते?

इस समस्या के समाधान के लिए मलेशियाई सरकार ने 150 इस्लामिक विद्वानों और वैज्ञानिकों की एक गोष्ठी बुलाई, जो कि अंतरिक्ष में अराधना करने के लिए 12 पेज की एक बुकलेट बनाने के लिए थी। इस बुकलेट में, रोज की पांच वक्त की नमाज को उस जगह के टाइम जोन के हिसाब से बांटा गया जहां वह उतरने वाले थे, रोजे धरती पर वापस आकर रखे जा सकते हैं। और जहां तक कि मक्का की बात है, उसे प्राथमिकता दी जाए। नमाजी (1) काबा, (2) काबा के चित्र प्रदर्शन, (3) धरती, (4) कहीं भी चेहरा कर सकता है।

बहुत सी समस्याएं धरती पर यात्रा के दौरान भी सामने आती हैं, जो कि अंतरिक्ष यात्रा के दौरान सामने आने वाली समस्याओं से बहुत अलग नहीं है। परंपरागत विश्वास की असली परीक्षा तब होती है जब हम अपने घरेलू ग्रह से बाहर जाते हैं। ऐसा तब होगा जब हम चांद और मंगल ग्रह पर अपना स्थायी आधार बनाएंगे। जब कोई चांद पर होगा तो वह अर्धचंद्र कैसे देखेगा या होली, हनुमान जयंती, राखी और बुद्ध पूर्णिमा के दौरान पूरा चांद कैसे देखेगा? या मंगल पर, जहां दो चांद है जो दिन में कई बार उगते और डूबते हैं। वास्तु का तब क्या मतलब जब आप सालभर की ऐसी यात्रा में हो जहां दिशाओं का कुछ पता नहीं चलता। और ये प्रश्न भी उठता है कि यदि कोई व्यक्ति मर जाए तो उसके शव का क्या किया जाएगा।



बेशक, कुछ बातों के लिए लोग अभी भी पृथ्वी के समय और परंपरा के साथ-साथ रह सकते हैं, लेकिन जब हम इससे आगे बढ़ते हैं, संचार तेज, कठिन और विलंबित हो जाता है। जब सारे संबंध केवल तकनीक की आवश्यकता के साथ हों तो समय मजबूर हो जाता है। सारे धर्मों की धार्मिक परिषदों के पास सालों तक व्यस्त रहने के लिए बहुत कुछ है।

मुकुल शर्मा

























साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति को पुलिस ने वापस दिलाए एक लाख रुपये

सहारनपुर। साइबर अपराधियों द्वारा रिटायरमेंट बेनिफिट कार्ड बनवाने का झांसा देकर एक व्यक्ति के खाते से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में सहारनपुर साइबर क्राइम पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ित के खाते में ठगी गई धनराशि में से एक लाख रुपये वापस कराए हैं। इससे पहले भी पुलिस चार लाख रुपये पीड़ित के खाते में वापस करा चुकी है।

पुलिस के अनुसार, माधव नगर की विष्णुधाम गली नंबर-2 निवासी कृष्ण गोपाल शर्मा पुत्र गंगाचरण शर्मा ने 9 जून 2026 को थाना साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को किसी संस्थान अथवा विभाग का कर्मचारी बताकर उन्हें रिटायरमेंट बेनिफिट कार्ड बनवाने का लालच दिया।

पुरातन छात्र सम्मेलन में गूंज उठीं छात्र जीवन की यादें

नव जनोदय इंटर कॉलेज में पुरातन छात्रों का हुआ सम्मान, विभिन्न विभागों में सेवाएं दे रहे पूर्व विद्यार्थियों पर जताया गर्व

आज समाचार सेवा

चिलकाना। नव जनोदय इंटर कॉलेज एवं डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मारक विद्यालय, सुल्तानपुर चिलकाना में शनिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके बाद पुरातन छात्रों ने अपने छात्र जीवन की यादें, अनुभव और विचार एक-दूसरे के साथ साझा किए। सम्मेलन में पुरातन छात्र पुनीत रावल ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यालय में बिताए दिनों को याद किया।



विद्यालय के प्रधानाचार्य श्याम कुमार सैनी ने सभी पुरातन छात्रों का माल्यार्पण कर एवं स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व अध्यापक एवं साहित्यकार डॉ. राजीव उपाध्याय ने भी विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने छात्र जीवन और विद्यालय से जुड़े संस्मरण सुनाते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। वहीं, किसी कारणवश विद्यालय नहीं पहुंच पाने वाले पुरातन छात्रों ने वीडियो कॉल के माध्यम से सम्मेलन में सहभागिता की और अपने अनुभव साझा किए। प्रधानाचार्य श्याम कुमार सैनी ने कहा कि विद्यालय ने अपने 36 वर्षों के सफर में अनेक विद्यार्थियों को शिक्षित कर विभिन्न विभागों में सेवाएं देने योग्य बनाया है। आज विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी अलग-अलग विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह उनके लिए ही नहीं, बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र के लिए भी गौरव का पल है। पुरातन छात्रों की उपलब्धियां विद्यालय की सफलता और शिक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि पुरातन छात्र किसी भी शिक्षण संस्थान की अमूल्य धरोहर होते हैं।

भजनों की मधुर धुनों पर झूमे आईएमए के चिकित्सक, डांडिया रास में दिखा महिलाओं का उत्साह

मेयर डॉ. अजय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ, परिवार सहित शामिल हुए चिकित्सक

आज समाचार सेवा

सहारनपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की सहारनपुर शाखा की ओर से दीपावली के पावन अवसर पर गुरुवार, 5 नवंबर को अंबाला रोड स्थित रुतबा में भजन क्लबिंग एवं डांडिया रास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के चिकित्सकों ने अपने परिवारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया और भक्ति गीतों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहर के मेयर डॉ. अजय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

चिकित्सकों ने सामूहिक रूप से भजनों पर झूमते हुए भक्ति संगीत का आनंद लिया। इसके बाद डांडिया रास का आयोजन हुआ, जिसमें महिला चिकित्सकों एवं चिकित्सकों की पत्नियों ने पारंपरिक परिधानों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर हुए डांडिया नृत्य ने समारोह में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर आईएमए अध्यक्ष डॉ. डीके गुप्ता ने कहा कि दीपावली भाईचारे, प्रेम और एकता का पर्व है। इस तरह के आयोजन चिकित्सकों के बीच आपसी सौहार्द और पारिवारिक जुड़ाव को मजबूत करते हैं।



तनावपूर्ण चिकित्सकीय जीवन में ऐसे कार्यक्रम नई ऊर्जा का संचार करते हैं और संस्था की सक्रियता एवं एकजुटता को भी बढ़ावा देते हैं। मानद सचिव डॉ. अनुपम मलिक ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि आईएमए परिवार प्रत्येक पर्व को मिल-जुलकर मनाने की परंपरा निभाता है।

सांस्कृतिक सचिव डॉ. पूजा खन्ना एवं कोषाध्यक्ष डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। समारोह के दौरान चिकित्सकों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया।

देर रात तक चले कार्यक्रम में आईएमए के सदस्यों एवं उनके परिजनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। कार्यक्रम में मेयर डॉ. अजय सिंह के अलावा डॉ. प्रशांत खन्ना, डॉ. सौम्या जैन, डॉ. नरेश नौसरान, डॉ. पूजा खन्ना, डॉ. महेश ग्रोवर, डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, डॉ. रजनीश सिंघल, डॉ. रविंद्र राणा, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. वंदना आर्य, डॉ. उत्कर्ष नौसरान, डॉ. दीपशिखा खन्ना, डॉ. संजीव कुमार अग्रवाल, डॉ. विवेक बनर्जी, डॉ. नीतू जैन, डॉ. रिचा तिवारी, डॉ. रजनीश दहिया, डॉ. वीके भार्गव, डॉ. महेश गोयल, डॉ. नीरज आर्य, डॉ. मोहन पांडे, डॉ. कुणाल जैन, डॉ. संजीव कुमार मित्तल, डॉ. अरविंद चौधरी, डॉ. मंदीप सिंह, डॉ. रवि ठक्कर, डॉ. अमरजीत पोपली, संदीप गर्ग, डॉ. उदयराज सिंह, डॉ. एस. नागपाल, डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. ईशांक गुप्ता, डॉ. सीएस चोपड़ा, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. नरेश सैनी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे।





मोंट फोर्ट स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता, विद्यार्थियों ने बिखेरे रचनात्मकता के रंग

गागलहेड़ी (सहारनपुर)। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में मोंट फोर्ट स्कूल गागलहेड़ी में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी रंगोलियों और आकर्षक सजावट से विद्यालय परिसर को दीपावली के रंगों से सजा दिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की प्रतिभा और मेहनत को देखते हुए परिणाम जूनियर एवं सीनियर विंग के आधार पर घोषित किए गए। सीनियर विंग में नेहरू हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस हाउस की मानस्वी, शीरात, शैली एवं रिधिमा ने आकर्षक रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं जूनियर विंग में शास्त्री हाउस प्रथम रहा, जिसमें अर्जिका अनिका, आराध्या शर्मा, अनन्या पाटिल, काव्या शर्मा एवं मानरित कौर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।



